फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 299 प्रभात जयपुर, मंगलवार 2 जून, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

# राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

**The Woman Who Survived Henry VII**

One of Catherine's roles was acting as a calming influence on Henry, particularly as the king became more erratic due to his declining health. She took charge of Henry's court, managing domestic affairs, advising on political matters

**The House Of Yamato**

# टीएमसी महासचिव अभिषेक बनर्जी फ़र्ज़ी हस्ताक्षर के मामले में फंसे

## उन पर यह आरोप टीएमसी के ही तीन विधायकों ने लगाया है और कई विधायक इन बागी विधायकों के पक्ष में एकजुट हो रहे हैं, साफ लग रहा है टीएमसी टूट रही है

- आरोप है कि उन्होंने प.बंगाल विधानसभा स्पीकर को, तृणमूल विधायक शोभनदेव चट्टोपाध्याय को विपक्ष का नेता बनाने के लिए जो लैटर भेजा था, उसमें कुछ विधायकों के फर्ज़ी हस्ताक्षर हैं।
- नव निर्वाचित विधायक ऋतव्रत बनर्जी, संदीपन साहा व अरुप रॉय ने कहा कि पत्र में उनके हस्ताक्षर नहीं है। ऋतव्रत बनर्जी और संदीपन साहा को पार्टी से निष्कासित कर दिया गया है।
- इसी बीच पता चला है कि तृणमूल के तीस विधायकों ने दक्षिण कलकत्ता के होटल में गुप्त मीटिंग की थी। जबकि ममता बनर्जी ने नए विधायकों की जो मीटिंग बुलाई थी, उसमें मात्र 20 विधायक आए और 50 से ज्यादा ने ममता के आदेश की अवहेलना की।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 जून। तृणमूल कांग्रेस टूटने के कगार पर है। पार्टी के दो नवनिर्वाचित विधायकों ने खुलासा किया है कि पार्टी के महासचिव अभिषेक बनर्जी ने प.बंगाल विधानसभा स्पीकर को जो पत्र लिखा था, जिसमें विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष के पद का दावा किया गया था, उसमें फर्जी हस्ताक्षर पेश किए गए हैं। बताया जा रहा है कि कई विधायक अब इन बागी विधायकों के साथ खड़े हो रहे हैं।

पार्टी महासचिव अभिषेक बनर्जी ने विधानसभा में अपनी पार्टी के विधायक शोभनदेब चट्टोपाध्याय को विपक्ष का नेता बनाने का दावा पेश किया था। इसके लिए उन्होंने एक पत्र विधानसभा अध्यक्ष को सौंपा था, जिसमें 30 से अधिक विधायकों के हस्ताक्षर होने का दावा किया गया था।

अभिषेक बनर्जी पर "आपराधिक साजिश, जालसाजी और धोखाधड़ी के उद्देश्य से जालसाजी" के आरोप लगाए गए हैं। उन्होंने उन विधायकों के हस्ताक्षरों को प्रमाणित किया था, जिनके बारे में कहा गया था कि वे उपस्थित थे और उन्होंने पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं। लेकिन बाद में उन कई विधायकों ने इस बात से इनकार कर दिया कि उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष को दिए गए उस पत्र पर हस्ताक्षर किए थे।

तथापि, अब तृणमूल कांग्रेस के नवनिर्वाचित विधायक संदीपन साहा और ऋतब्रत बनर्जी ने शिकायत की है कि विधानसभा अध्यक्ष को भेजे गए पत्र में नए विधायकों के हस्ताक्षर फर्जी तरीके से लगाए गए थे। पार्टी में विद्रोह का माहौल है और कई विधायक दल, की औपचारिक बैठकों से दूरी बना रहे हैं।

पार्टी के वरिष्ठ विधायक अरूप रॉय ने सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया है कि विधानसभा अध्यक्ष को सौंपे गए

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# ब्लूटूथ से नकल कराने वाले को जमानत नहीं मिली

जयपुर, 1 जून। अतिरिक्त सत्र न्यायालय क्रम-1, महानगर द्वितीय ने राजस्व अधिकारी भर्ती, 2022 में ब्लूटूथ के जरिए नकल कराने के मामले में नकल सरगना तुलछाराम कालेर को 15 दिन की अंतरिम जमानत देने से इनकार कर दिया है। अदालत ने कहा कि आरोपी के आपराधिक इतिहास और प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए उसे जमानत का लाभ नहीं दिया जा सकता।

अंतरिम जमानत प्रार्थना पत्र में कहा गया था कि वह पिछले दो सालों से जेल में है। उसके बड़े भाई बीकानेर

- दो साल से जेल में बंद तुलछाराम ने बड़े भाई, जो वेंटिलेटर पर है, की सेवा के लिए जमानत मांगी थी।

के एक अस्पताल में वेंटिलेटर पर हैं और भाई की सेवा के लिए उसे 15 दिन की अंतरिम जमानत दी जाए। इसका विरोध करते हुए मामले के विशेष लोक अभियोजक भंवर सिंह ने कहा कि रिकॉर्ड के अनुसार, आरोपी तुलछाराम के खिलाफ अजमेर, बीकानेर, सीकर और जयपुर के विभिन्न थानों में पेपर लीक, धोखाधड़ी और आईटी एक्ट के कुल 14 आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। ऐसे संगठित नकल गिरोह के मुख्य सूत्रधार को अंतरिम जमानत देना किसी भी दृष्टि से न्यायोचित नहीं है। प्रार्थना पत्र

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# अब भाजपा का फोकस राज्यसभा में दो तिहाई बहुमत पाने पर है

## 18 जून को राज्यसभा की 27 सीटों का चुनाव होगा

- वर्तमान में राज्यसभा में एनडीए के 148 सांसद हैं और सत्ता पक्ष को 27 सीटों में से 17-18 सीटें मिलने की उम्मीद है।
- हरेक राज्यसभा चुनाव की तरह इस बार भी क्रॉस वोटिंग का खतरा है, विपक्षी दल, खासकर कांग्रेस काफी सतर्कता बरत रही है कि क्रॉस वोटिंग ना हो।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 जून। राज्य विधानसभा के चुनावों के बाद राजनीतिक समीकरण बदल जाने के बीच, इस महीने के अंत में 27 राज्यसभा सीटों के लिए होने वाले चुनाव अगली बड़ी चुनावी घटना होंगे। क्रॉस-वोटिंग की संभावनाओं के कारण इन चुनावों पर सभी की नज़रें टिकी रहेंगी।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) 18 जून को होने वाले चुनाव के लिए पूरी तरह तैयार है। सूत्रों के अनुसार, पार्टी की केन्द्रीय चुनाव समिति की बैठक का नेतृत्व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार रात किया। बताया जाता है कि बैठक में अन्य मुद्दों के साथ राज्यसभा चुनाव की रणनीति पर भी चर्चा हुई।

भाजपा के नेतृत्व वाले सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को विश्वास है कि इस चुनाव के बाद राज्यसभा में उसकी संख्या 150 के पार पहुंच जाएगी और वह दो-तिहाई बहुमत के और करीब आ जाएगा। वर्तमान में उच्च सदन में एनडीए के 148 सांसद हैं और अनुमान है कि वह चुनाव में उपलब्ध 27 सीटों में से 17-18 सीटें जीत सकता है।

यह चुनाव ऐसे समय हो रहा है, जब कई प्रमुख नेताओं का कार्यकाल समाप्त होने वाला है। इनमें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा, मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह तथा केन्द्रीय मंत्री जॉर्ज कुरियन और रवनीत सिंह बिट्टू शामिल हैं।

राज्यसभा चुनावों में क्रॉस-वोटिंग हमेशा एक बड़ी चिंता का विषय रहती है। इस बार राजनीतिक विश्लेषकों की निगाह विशेष रूप से मध्य प्रदेश पर रहेगी, जहां तीन सीटों के लिए चुनाव होना है। कांग्रेस के पास एक सीट जीतने लायक समर्थन तो है, लेकिन उसके पास केवल छह अतिरिक्त वोट हैं, जिससे क्रॉस-वोटिंग का खतरा बना हुआ है।

ऐसी स्थिति में कांग्रेस किसी वरिष्ठ नेता पर दांव लगा सकती है। लेकिन, दिग्विजय सिंह के राज्यसभा में लौटने से इनकार करने के बाद पार्टी को एक मजबूत उम्मीदवार तलाशना होगा।

मध्य प्रदेश में भाजपा के दो सीटें जीतने की संभावना है और जॉर्ज कुरियन को संभावित उम्मीदवार माना जा रहा है।

इस चुनाव का एक बड़ा निष्कर्ष कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का पुनर्निर्वाचन हो सकता है। कर्नाटक में पार्टी की संख्यात्मक स्थिति को देखते हुए कांग्रेस के तीन सीटें जीतने की संभावना है, जिनमें खड़गे की सीट भी शामिल होगी।

राजस्थान में भाजपा के दो सीटें जीतने की संभावना है, जबकि कांग्रेस को एक सीट मिलने की उम्मीद है। भाजपा की ओर से रवनीत सिंह बिट्टू को संभावित उम्मीदवार माना जा रहा है, जबकि कांग्रेस पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पार्टी प्रवक्ता पवन खेड़ा के नामों पर विचार कर रही है।

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# सात नई बुलेट ट्रेन्स चलाने की तैयारी में है केन्द्र सरकार

## सूत्रों ने बताया कि ज्यादा रैवेन्यु देने वाले क्षेत्रों में हाई स्पीड रेल लाइन बनाने का काम शुरु हो चुका है

- दिल्ली-वाराणसी कॉरिडोर में दिल्ली से आगरा के लिए और सूरत-नागपुर संभाग के दनकुनी-सूरत फ्रेट कॉरिडोर में हाई स्पीड रेल लाइन बनाई जाएगी।
- दिल्ली-आगरा हाई स्पीड ट्रेन के लिए मथुरा में इतौली गाँव के पास स्टेशन बनाया जाएगा, इसके लिए भूमि चिन्हित करने की प्रक्रिया भी शुरु हो चुकी है।
- हैदराबाद की कंपनी आरवी एसोसिएट्स को 2100 किलोमीटर लंबे दनकुनी-सूरत फ्रेट कॉरिडोर के लिए विस्तृत प्रोजेक्ट रिपोर्ट बनाने का काम सौंपा गया है, कंपनी ने इस पर काम शुरु कर दिया है।

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 जून। सात हाई स्पीड रेल लाइनों के साथ-साथ नई दनकुनी-सूरत मालवाहक कॉरिडोर परियोजना को चरणबद्ध और क्रमिक तरीके से लागू किया जाएगा। जिन क्षेत्रों से अधिक राजस्व मिलने की संभावना है, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर पहले विकसित किया जाएगा।

सूत्रों के अनुसार, प्रारंभिक चरण में दिल्ली-वाराणसी कॉरिडोर के अंतर्गत दिल्ली-आगरा लाइन तथा प्रस्तावित दनकुनी-सूरत मालवाहक कॉरिडोर (डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर) के सूरत-नागपुर खंड पर कार्य शुरू किया जाएगा।

पश्चिम एशिया के युद्ध से उत्पन्न ऊर्जा संकट के कारण भारत की अर्थव्यवस्था में आई मंदी के बावजूद, भारत सरकार इन ज्यादा लागत वाली परियोजनाओं को लागू करने के प्रति अपनी गंभीरता प्रदर्शित करने के लिए उत्सुक दिखाई दे रही है। हैदराबाद स्थित अरवी एसोसिएट्स, जिसे 2100 किलोमीटर लंबे दनकुनी-सूरत मालवाहक कॉरिडोर की डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने का दायित्व सौंपा गया है, हाल के सप्ताहों में डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉरपोरेशन (डीएफसीसी) के अधिकारियों के साथ बैठकों में सक्रिय रूप से शामिल रही है। अधिकारियों के अनुसार, इन मीटिंगों में तकनीकी

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# सुप्रीम कोर्ट में 8 नए जज नियुक्त

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 1 जून। केन्द्रीय विधि एवं न्याय मंत्रालय के अनुसार, केन्द्र सरकार ने सोमवार को भारत के सुप्रीम कोर्ट में पांच नए न्यायाधीशों की नियुक्ति की अधिसूचना जारी कर दी,

- अब सुप्रीम कोर्ट में कुल 38 जज हो गए हैं।

जिससे देश की सर्वोच्च अदालत में कुल न्यायाधीशों की संख्या 34 से बढ़कर 38 हो गई (मुख्य न्यायाधीश के अलावा, 37 न्यायाधीश)।

नव नियुक्त न्यायाधीश हैं: न्यायमूर्ति शील नागू, पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री चंद्रशेखर, बॉम्बे उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश, न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा, मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश, न्यायमूर्ति अरुण पल्ली, जम्मू और कश्मीर एवं लद्दाख उच्च

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# ओमान से पैक्ट ने भारत को होर्मुज़ का विकल्प दिया

## ओमान की लोकेशन ऐसी है, जहाँ से सलालाह और दुक्म जैसे प्रमुख बंदरगाहों तक आसानी से पहुँचा जा सकता है, भले ही होर्मुज़ स्ट्रेट अवरुद्ध हो

- ग्लोबल ट्रेड रिसर्च थिंक टैंक के फाउंडर अजय श्रीवास्तव ने कहा कि ओमान भारत के लिए एक विश्वसनीय व्यापारिक व एनर्जी "गेटवे" बना रहेगा और खाड़ी में चल रहे वर्तमान संकट को देखते हुए इससे भारी लाभ होगा।
- गत वर्ष दिसम्बर में प्र.मंत्री मोदी ने मस्कट दौरे में इस समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। यह समझौता एक जून से लागू हो गया है, जिसके तहत भारतीय निर्यात पर शुल्क नहीं लगाया जाएगा।

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 1 जून। भारत और ओमान के बीच व्यापार समझौता (सी. ई. पी. ए.), जिसके तहत भारत के कई श्रम-प्रधान निर्यात उत्पादों को शून्य शुल्क (जीरो ड्यूटी) पर बाजार तक पहुंच मिलेगी, 1 जून से लागू हो गया है। व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते पर पिछले वर्ष दिसंबर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मस्कट यात्रा के दौरान हस्ताक्षर किए गए थे।

इस समझौते का सबसे बड़ा महत्व ओमान की भौगोलिक स्थिति में निहित है। होर्मुज़ स्ट्रेट पर ईरान के नियंत्रण के कारण सऊदी अरब, कतर और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से भारत आने वाले तेल और गैस की आपूर्ति प्रभावित हुई है, जिससे कच्चे तेल की कीमतों में भारी बढ़ोतरी हुई है। लेकिन खाड़ी के अधिकांश देशों के विपरीत, ओमान का अधिकांश समुद्री तट इस होर्मुज़ स्ट्रेट के बाहर सीधे अरब सागर और ओमान की खाड़ी से जुड़ा हुआ है।

थिंक टैंक ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जी. टी. आर. आई.) के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा कि ओमान की रणनीतिक स्थिति के कारण सलालाह और दुक्म जैसे प्रमुख बंदरगाह तब भी सुलभ बने रहते हैं जब स्ट्रेट से होने वाला यातायात बाधित हो जाता है।

श्रीवास्तव ने एक बयान में कहा, "इसी वजह से खाड़ी क्षेत्र में संघर्ष या अस्थिरता के दौरान भी ओमान व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति के लिए एक भरोसेमंद द्वार बना रह सकता है।" उन्होंने आगे कहा कि मौजूदा खाड़ी संकट ने इस लाभ को स्पष्ट रूप से साबित कर दिया है।

भारत का प्रमुख खाड़ी देशों से आयात अप्रैल 2025 में लगभग 15 अरब डॉलर से घटकर अप्रैल 2026 में 9.8 अरब डॉलर रह गया। इसी अवधि में भारत का निर्यात 4.4 अरब डॉलर से घटकर 2.7 अरब डॉलर पर आ गया।

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# 'नीट-यूजी कम्प्यूटर आधारित नहीं होगी'

नई दिल्ली, 01 जून। सुप्रीम कोर्ट ने 2026 की नीट-यूजी परीक्षा को कंप्यूटर आधारित मोड के माध्यम से आयोजित करने की मांग वाली याचिका पर तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया है।

यह याचिका जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस अरविंद कुमार

- सुप्रीम कोर्ट ने इस सम्बंध में दायर याचिका पर फिलहाल सुनवाई से इन्कार किया।

की आंशिक कार्यदिवस वाली बेंच के समक्ष पेश की गई। कोर्ट ने मामले को अवकाश के बाद सूचीबद्ध किया है। जस्टिस नरसिम्हा ने टिप्पणी की, वे (एनटीए) परीक्षा को दोबारा आयोजित कर रहे हैं। उन पर कितना दबाव है। हम अवकाश के बाद इस पर चर्चा करेंगे।

# 'प्रक्रिया एक माध्यम है, लक्ष्य नहीं'

## हाईकोर्ट ने 7 साल से अटके 528 करोड़ रु. के आर्बिट्रेशन पर हैरानी और नाराज़गी जताई

- अदालत ने एच.सी.एल. इंफोसिस्टम्स और जयपुर, जोधपुर व अजमेर डिस्कॉम के इस विवाद को एक माह में निपटाने के आदेश दिए
- अदालत ने लंबी अवधि के बावजूद अवार्ड जारी नहीं करने और सुनवाई टालने पर नाराजगी जताते हुए कहा है कि "यह रवैया आर्बिट्रेशन (मध्यस्थता) के नियम-उद्देश्यों के विपरीत है।"
- उल्लेखनीय है कि आर्बिट्रेशन में अधिकतर मामलों में नियमानुसार एक वर्ष के भीतर ही पूरी सुनवाई हो जानी चाहिए, हालांकि गिने-चुने मामलों में ही 6 माह का अतिरिक्त समय भी मिलता है।

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने एच.सी.एल. इंफोसिस्टम्स लि. और जयपुर, जोधपुर व अजमेर डिस्कॉम के साथ चल रहे 528 करोड़ के भुगतान विवाद में फैसला दिया है कि अगले एक माह में आर्बिट्रेटर इस मामले की सुनवाई पूरी करें और उसके 15 दिन के भीतर ही अपना अवॉर्ड भी जारी करे। उल्लेखनीय है कि, इस प्रकरण में वर्ष 2019 से आर्बिट्रेशन लंबित हैं और दोनों पक्षों ने आर्बिट्रेशन की फीस के पेटे 13 करोड़ रुपए चुकाए हैं।

अदालत ने करीब 7 साल की लंबी अवधि बावजूद अवॉर्ड जारी नहीं किए जाने और अलग-अलग कारणों की वजह से सुनवाई टाले जाने पर नाराजगी जताते हुए कहा है कि यह रवैया आर्बिट्रेशन (मध्यस्थता) के नियम-उद्देश्यों के विपरीत है। उल्लेखनीय है कि आर्बिट्रेशन में अधिकतर मामले 1 वर्ष के भीतर ही पूरी सुनवाई हो जानी चाहिए, जिसका गिने-चुने मामलों में ही 6 माह का अतिरिक्त समय मिलता है।

यह मामला रोचक और महत्वपूर्ण इसलिए हैं कि, आर्बिट्रेशन के नियम-कायदे इस उद्देश्य से बनाए थे कि अदालत के चक्कर काटे बिना ही दो पक्ष कानूनी व्यवस्था में अपना विवाद कम समय व उलझनों में सुलझा सके। आर्बिट्रेशन, कोर्ट के बाहर बड़ी कंपनियों और सरकारों के बीच उत्पन्न हुए विवादों को निपटाने का कारगर रास्ता इसलिए माना जाता था क्योंकि, बड़े भुगतानों के विवाद लंबे समय तक अदालतों में पैंडिंग रहने से कंपनियों और सरकार दोनों को आर्थिक नुकसान झेलना पड़ता है।

ज्ञात रहे कि एच.सी.एल. इंफोसिस्टम्स ने वर्ष 2009 में केन्द्र सरकार की पंचवर्षीय योजना के तहत राजस्थान में प्रोजेक्ट लिया था। इसके तहत उन्हें विद्युत छीजत 15 प्रतिशत घटाने, मीटरिंग, बिलिंग, कलेक्शन, जीआईएस, एनर्जी ऑडिट और नये विद्युत कनेक्शन देने जैसे कार्य करने थे। इसके साथ ही बिजली विभाग का स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर ढांचा तैयार करना था। यह प्रोजेक्ट राजस्थान के 87 कस्बों और जिलों में चिन्हित 534 जगहों पर होना था। वर्ष 2019 में यह पूरा हो चुका, परंतु कंपनी का 528.20 करोड़ रुपए का भुगतान नहीं हुआ। इस मामले में कंपनी के वकील का कहना है कि, उनके पास कार्य की पूर्णता का प्रमाण पत्र (कंप्लीशन सर्टिफिकेट) है, यह भुगतान से जुड़ा हुआ मामला है, जो वर्ष 2019 से लंबित चल रहा है।

ऐसे में एच.सी.एल. इंफोसिस्टम्स का जयपुर, अजमेर और जोधपुर डिस्कॉम्स के साथ विवाद शुरू हो गया। इसके बाद यह प्रकरण सितंबर 2019 में आर्बिट्रेशन में पहुंच गया था, लेकिन करीब 1 वर्ष बाद जुलाई-2020 में पहली बार आर्बिट्रेशन का कोरम सुनवाई के लिए गठित हुआ। परंतु कोविड महामारी के चलते लंबे-लंबे अंतराल के साथ मामले की सुनवाई नहीं हो पायी, जबकि इस मामले की पूरी सुनवाई फरवरी 2023 तक पूरी हो जानी थी। परंतु दोनों पक्षों ने आर्बिट्रेशन की अवधि अगस्त-2023 तक बढ़ाए जाने पर सहमति दी, लेकिन प्रकरण में लगातार हो रही देरी के बाद एचसीएल ने कमर्शियल कोर्ट में याचिका दायर की। जहां अदालत ने 17 सितंबर 2024 को फैसला सुनाते हुए आर्बिट्रेशन के लिए 20 माह का अतिरिक्त समय (30 अप्रैल 2025 तक) दिया। इस आदेश में कमर्शियल कोर्ट ने कुछ शर्तें भी लगाई थी, जिसको चुनौती देते हुए एच.सी.एल. इंफोसिस्टम्स ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। परंतु हाईकोर्ट ने इन विशेष शर्तों को हटाते हुए कमर्शियल कोर्ट द्वारा समयावधि बढ़ाने को जायज माना।

जब इस तय समयावधि में भी मामले का निपटारा नहीं हुआ तो एच.सी.एल. इंफोसिस्टम्स पुनः कमर्शियल कोर्ट पहुंचा, जिस पर अदालत ने पुनः समयावधि बढ़ाते हुए 30 सितंबर 2026 तक का वक्त दे दिया। अब इस प्रकरण में राज्य सरकार ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है, जिस पर सुनवाई करते हुए न्यायाधीश

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# प्रधानमंत्री ने गायिका सुमन कल्याणपुर के निधन पर दुःख जताया

नई दिल्ली, 01 जून। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोकप्रिय गायिका सुमन कल्याणपुर के निधन पर सोमवार को शोक व्यक्त किया।

प्रधानमंत्री ने सुमन कल्याणपुर के निधन पर दुख व्यक्त करते हुए कहा कि

- उन्होंने कहा कि सुमन कल्याणपुर की सुरीली आवाज व भावपूर्ण गायन ने देश की सांस्कृतिक दुनिया को समृद्ध किया।

उनकी सुरीली आवाज और भावपूर्ण गायन ने भारत की सांस्कृतिक दुनिया को समृद्ध किया और अपने गीतों के माध्यम से उन्होंने संगीत प्रेमियों और

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

## विचार बिन्दु

हमारी आनंदपूर्ण बदकारियाँ ही हमारी उत्पीड़क चाबुक बन जाती हैं। –शेक्सपियर

# परीक्षाएं चार, छात्रों पर अत्याचार

आज यह संपादकीय, मैं, दुख और आक्रोश के मिश्रित भाव से लिख रहा हूं। गत एक माह से भारत के छात्रों के साथ जिस प्रकार का संवेदनहीन व्यवहार, भारत सरकार का रहा है, वह अक्षम्य है। मई माह में कुल चार परीक्षाएं आयोजित की गईं, जिनमें कुल 1.12 करोड़ छात्रों ने परीक्षा दी। प्रत्येक परीक्षा ने परीक्षार्थियों को उलझन, असमंजस और परेशानी के अलावा कुछ नहीं दिया।

3 मई, 2026 को मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश के लिए NEET, एन टी ए अर्थात नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा आयोजित की गई। इसमें 23 लाख विद्यार्थियों ने परीक्षा दी। उल्लेखनीय है कि NEET की तैयारी और कोचिंग पर छात्र दो तीन साल मेहनत करते हैं और लगभग एक दो लाख रुपए खर्च भी करते हैं। इस परीक्षा के प्रश्न पत्र लीक होने की बात सामने आने पर एन टी ए ने 12 मई को इस परीक्षा को निरस्त कर दिया। उल्लेखनीय है कि 2024 में भी इसी परीक्षा का पेपर लीक हुआ, किंतु सर्वोच्च न्यायालय के निर्णयानुसार कुछ ही केंद्रों पर परीक्षा दुबारा ली गई। इसके बावजूद एन टी ए के अध्यक्ष पी के जोशी को हटाया तक नहीं गया। बार-बार पेपर लीक होना केवल शिक्षा मंत्रालय एवं शिक्षा मंत्री की अक्षमता को ही उजागर कर रहा है।

अब तो खबर यहां तक आ रही है कि NEET कराने का काम स्वयं प्रधानमंत्री की देख-रेख में होगा। इसके लिए सेना के हवाई जहाजों का भी उपयोग किया जाएगा। क्या यह विडंबना नहीं है कि शिक्षा मंत्रालय के लवाजमे पर हजारों करोड़ रुपये खर्च होने के बाद भी परीक्षाएं कराने का काम ठीक से नहीं हो पा रहा है। यदि वास्तव में यह स्थिति आ गई है तो फिर शिक्षा मंत्री के अपने पद पर रहने का क्या औचित्य है? उनका इस्तीफा अब तक क्यों नहीं लिया गया? क्यों नहीं एनटी ए के अध्यक्ष को अभी तक बर्खास्त किया गया? शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने इस घटना के कई दिन बाद अपनी गलती मानी किंतु त्यागपत्र फिर भी नहीं दिया। नीट की परीक्षा की नई तारीख 21 जून 2026 को रखी गई है, किंतु सभी विद्यार्थी इसी आशंका में मानसिक अवसाद से ग्रस्त हो रहे हैं कि अगली परीक्षा में पेपर लीक नहीं होगा, इसकी क्या गारंटी है? इस प्रकार की मन:स्थिति में कोई भी छात्र, किस प्रकार से अपनी तैयारी करके अपनी श्रेष्ठतम प्रतिभा का प्रदर्शन परीक्षा के दौरान कर पाएगा? आश्चर्य की बात यह है कि संसदीय समिति के सम्मुख उपस्थित एन टी ए और शिक्षा विभाग के अधिकारी ने पेपर लीक होने से ही इनकार कर दिया।

इसी प्रकार, सीबीएसई की 12वीं की परीक्षा के मूल्यांकन में अनेक प्रकार की धांधलियों की बात सामने आ रही है। पहली बार, सीबीएसई ने OSM अर्थात ऑन स्क्रीन मार्किंग की व्यवस्था को लागू किया। इसके फलस्वरुप अनेक विद्यार्थियों की कॉपियां अच्छी तरह स्कैन नहीं हुईं और परीक्षकों का उपयुक्त प्रशिक्षण नहीं होने के कारण मूल्यांकन भी सही तरह नहीं हो पाया। स्कैन्ड कॉपियों से यह भी पता लगा कि मुख्य पृष्ठ किसी एक बच्चे का था तो अंदर की सारी कॉपी किसी दूसरे बच्चे की थी। कई बच्चों की कॉपी में कई प्रश्न जंचने से रह गए। यहां यह उल्लेखनीय है कि जिस कंपनी को OSM का काम दिया गया, उसे तेलंगाना सरकार द्वारा बहुत पहले ही ब्लैक लिस्ट कर दिया गया था। न केवल यह, सीबीएसई ने स्वयं भी 2017-18 में प्रायोगिक तौर पर इसे लागू किया था किंतु इसकी असफलता को देखते हुए एवं इसकी कठिनाइयों को देखते हुए इसे बाद में लागू नहीं किया।

12वीं का परिणाम विद्यार्थियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। इस पर यह निर्भर करता है कि उसे किस पाठ्यक्रम में एवं किस कॉलेज में प्रवेश मिल पाएगा? कई विद्यार्थी ऐसे भी होंगे जिन्होंने आईआईटी और नीट की परीक्षा दी है और संभवताया उसमें उत्तीर्ण भी हो जाएं, किंतु यदि सीबीएसई की अक्षमता के कारण उनके 75 प्रतिशत से कम अंक आए हैं, तो वे इनमें प्रवेश पाने से वंचित रह जाएंगे। इस बारे में सरकार का क्या निर्णय रहेगा, अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया गया है।

दुर्भाग्य की बात यह है कि प्रधानमंत्री जो बच्चों को परीक्षाओं की तैयारी के लिए कई बार 'मन की बात' में संबोधित करते रहे हैं, वे विद्यार्थियों को इस संकट के समय में, सांत्वना देने एवं उन्हें सही दिशा दिखाने के लिए अभी तक संबोधित करने के लिए समय नहीं निकाल पाए हैं।

इन सभी व्यवस्थाओं का मुख्य कारण जवाबदेही का नितांत अभाव है। ब्लैकलिस्टेड कंपनी को इतना महत्वपूर्ण गोपनीय काम दिया जाना, भ्रष्टाचार की आशंका को बल देता है। 12वीं की परीक्षा कोपियों के लगभग 40 करोड़ पृष्ठों का स्कैनिंग किया गया था। इस के लिए करोड़ों रुपए कंपनी को दिए गए होंगे। पाठकों के लिए यह जानना दिलचस्प होगा कि संघ लोक सेवा आयोग अर्थात् यूपीएससी का अपना स्वयं का प्रिंटिंग प्रेस है और वहां सारा गोपनीय काम, उसके स्थाई कर्मचारी करते हैं। इसी कारण वहां पर किसी प्रकार के पेपर लीक की घटनाएं अभी तक सामने नहीं आई हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने भी सुनवाई के दौरान यूपीएससी से सीख लेने हेतु एनटीए को नसीहत दी है, किंतु यह सब तब उपयोगी है जब किसी के मन में लेशमात्र भी संवेदनशीलता बची हो। अब तो लोग एन टी ए को "नेशनल टॉर्चर एजेंसी" और "नेवर ट्रस्ट एजेंसी" तक कहने लगे हैं।

**मीडिया से प्राप्त समाचार के अनुसार नीट पेपर लीक प्रकरण में पेपर सैटर्स की लगातार गिरफ्तारियां हो रही हैं। समस्या यह है कि ये सब शतरंज के खेल में केवल प्यादे हैं, इनका खिलाड़ी तो कोई और है। सवाल यह है कि उस तक पहुंच कर, बिल्ली के गले में घंटी बांधे कौन? जब तक शिक्षा मंत्री, एनटीए और सी बी एस ई के अध्यक्षों को हटाया जाकर उनके विरुद्ध आपराधिक प्रकरण दर्ज नहीं किया जाएगा, तब तक इस बारे में निष्पक्ष जांच होना संभव नहीं है।**

SSC (GD) परीक्षा जो कांस्टेबलों की भर्ती के लिए आयोजित होती है, में 52 लाख अभ्यर्थियों ने आवेदन किया। इनमें से कई, जब केंद्र पर परीक्षा देने गए तो उत्तर प्रदेश के कई केंद्रों पर यह पता चला कि केंद्र पर जितने लोगों के बैठने की व्यवस्था है, उससे कहीं अधिक लोगों को उस केंद्र के लिए प्रवेश पत्र जारी कर दिया गया है। परिणाम यह हुआ कि उन केंद्रों पर हुड़दंग मच गया और परीक्षा निरस्त करनी पड़ी। अब शायद किसी अन्य तिथि को वहां पर परीक्षा होगी। एक ही भर्ती के लिए यदि अलग-अलग तरह के पेपर के आधार पर परीक्षा आयोजित होगी तो उनकी तुलनात्मक योग्यता सूची कैसे तैयार होगी यह स्पष्ट नहीं है। एक ओर जहां हम तकनीकी के क्षेत्र में बहुत प्रगतिशील होने का दावा करते हैं और स्वयं को विश्व गुरु कहलाते हुए नहीं थकते, वहीं दूसरी ओर यदि परीक्षा केंद्रों का आवंटन और परीक्षाओं के साधारण संचालन का काम भी ढंग से नहीं कर पाते हैं, तो फिर ये दावे खोखले प्रतीत होते हैं। इतने लाखों बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाली सरकार को इस पर विचार करना चाहिए कि वह केवल युवाओं के भविष्य के साथ ही नहीं अपितु देश के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है। इसके बावजूद भी यदि युवा आक्रोशित होकर सड़कों पर कोई बड़ा आंदोलन नहीं करते हैं, तो इसे सरकार को अपने खुशकिस्मती माननी चाहिए।

मीडिया से प्राप्त समाचार के अनुसार नीट पेपर लीक प्रकरण में पेपर सैटर्स की लगातार गिरफ्तारियां हो रही हैं। समस्या यह है कि ये सब शतरंज के खेल में केवल प्यादे हैं, इनका खिलाड़ी तो कोई और है। सवाल यह है कि उस तक पहुंच कर, बिल्ली के गले में घंटी बांधे कौन? जब तक शिक्षा मंत्री, एनटीए और सी बी एस ई के अध्यक्षों को हटाया जाकर उनके विरुद्ध आपराधिक प्रकरण दर्ज नहीं किया जाएगा, तब तक इस बारे में निष्पक्ष जांच होना संभव नहीं है।

जैसा कि मैंने इसी विषय पर एक संपादकीय में लिखा था कि नीट की परीक्षा से जुड़े कोचिंग संस्थानों की कमाई हजारों करोड़ रुपए की होती है। यह राशि इतनी बड़ी है कि इससे किसी को भी खरीदा जा सकता है।

वास्तव में पेपर लीक का कार्य एनटीए के अंदर के लोगों द्वारा ही कराया जाता है। इसे किस प्रकार रोका जाएगा, इसकी कोई बात नहीं की जा रही है। यदि विमान से पेपर भेजने की व्यवस्था की जाएगी तो ऐसा कितनी परीक्षाओं में किया जाना संभव होगा? वैसे भी पेपर लीक, परिवहन में नहीं अपितु एन टी ए के अंदर से होते हैं।

इस प्रकार की सड़ी गली, भ्रष्ट व्यवस्था से जो डॉक्टर बनेंगे, वे किस प्रकार से मरीजों का इलाज करेंगे और कैसे उन्हें लूटने का काम करेंगे, इसके कुछ नमूने तो हम आजकल भी देख रहे हैं। गलत तरीके अपनाकर मेडिकल कॉलेज में प्रवेश पाने वाले छात्रों का प्रवेश निरस्त क्यों नहीं किया जाता है?

सरकार अपनी गलती स्वीकार करने के बजाय अपनी व्यवस्थाओं को अच्छा बताने की दृष्टि से लगातार विद्यालयों के प्राचार्यों से रटे-रटाए बयान के वीडियो रील कर बनवा कर सोशल मीडिया पर प्रसारित करवा रही है। ऐसा करके सरकार, छात्रों के घावों पर नमक छिड़कने का ही काम रही है।

देश के प्रमुख विश्वविद्यालयों में प्रवेश हेतु एनटीए द्वारा ही सी यू ई टी (कंबाइंड यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट) का आयोजन 30 मई को किया गया था, जिसमें लगभग 15 लाख विद्यार्थियों ने परीक्षा के लिए अपने आप को पंजीकृत कराया था। इस परीक्षा मको डिजिटल सिस्टम से कराना तय किया गया था। कई सेंटरों पर सर्वर डाउन होने के कारण 7:00 बजे के शिफ्ट वाले बच्चों को 12:00 बजे तक बिठाये रखा गया और बिना परीक्षा के भेज दिया गया। बाद में एन टी ए के द्वारा उनके पास संदेश भेजा गया कि उनकी परीक्षा उसी दिन होगी। कई बच्चों को केंद्र से बाहर निकाल दिया गया। बच्चे इधर-उधर भटकते रहे, कभी सर्वर डाउन होने के नाम पर, कभी तकनीकी खराबी आने के नाम पर। कोई स्पष्ट उत्तर देने वाला जिम्मेदार व्यक्ति सेंटर पर उपलब्ध नहीं था।

युवाओं में पनप रहे इसी क्षोभ और आक्रोश की परिणति, कॉकरोच जनता पार्टी नाम के आंदोलन के रूप में हुई, जिससे एक सप्ताह में ही ढाई करोड़ लोग जुड़ गए थे। लगता है, सरकार ने अभी तक भी युवाओं के आक्रोश को सही तरह भांपने का प्रयास नहीं किया है और केवल रक्षात्मक मुद्रा अपनाने में और अपनी स्वयं की पीठ थपथपाने में ही लगी रही है। यह स्थिति अधिक समय तक चलना न सरकार के हित में है, न छात्रों के और न ही देश के हित में है। सरकार को तत्काल स्थिति की गंभीरता को समझ कर उपयुक्त उपचारात्मक कदम उठाने चाहिएं।

संक्षेप में, हम गत एक माह की घटनाओं के बारे में फिलहाल यही कह सकते हैं "परीक्षा चार, छात्रों पर अत्याचार"।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

# "वसुधैव कुटुंबकम् को चरितार्थ करने का समय आ गया है : चमत्कार नहीं, कर्म से होगा उद्धार"



मदन सिंह काला

–महोपनिषद का महान श्लोक: "अयं निज: परो वेति गणना लघुचेतसाम्। उदारचरितानां तु वसुधैव कुटुम्बकम्।।" – अर्थात् यह मेरा है, यह पराया है, ऐसी सोच छोटे मन वालों की है। उदार चरित्र वालों के लिए तो पूरी पृथ्वी ही एक परिवार है।–

सब मनुष्यों की एक ही जाति है और वह है 'मानव'। 600 साल पहले संत कबीर ने सिकंदर लोदी के राजतंत्र जैसे शासन काल में इस सत्य को उजागर करते हुए महोपनिषद के वसुधैव कुटुंबकम को सरल भाषा में समझाया। उस समय मुसलमान और ब्राह्मण अपने-आपको ही धर्म-जाति के अहंकार में खुद को महान समझते थे। उन्हीं के विवेक को जगाने के लिए कबीर ने आमजन की भाषा में ये दोहे कहे:

–"एक बूंद एक मलमूत्र, एक चाम एक गुदा। एक जोत से सब उत्पन्ना, को बामन को सूदा।।" अर्थात सब इंसान एक ही तरह की बूंद (वीर्य) से पैदा होते हैं, सबका मल-मूत्र एक-सा है, सबकी चमड़ी-शरीर की बनावट एक-सी है, सबमें प्राण-ज्योति भी एक ही है। फिर यह ब्राह्मण कौन और शूद्र कौन? आज तो अंतर्जातीय, अंतर्देशीय और अंतरधार्मिक विवाह हो रहे हैं। उनसे बच्चे भी पैदा हो रहे हैं – यह प्रकृति की ओर से सबसे बड़ा प्रमाण है कि मनुष्य की जाति एक ही है।

–"जो तूं बाम्हन बाम्हनी जाया, तो आन बाट काहे नहीं आया। जो तूं तुरूक तुरकनी जाया, तो भीतर खतना क्यों न कराया।।" अर्थात पैदा होते समय न कोई जनेऊ पहनकर आता है, न खतना कराकर। जाति-धर्म सब बाद में लादे गए लेबल हैं। असली पहचान तो सिर्फ 'इंसान' है।

कबीर का यह विज्ञान 600 साल पहले का है, और आज का DNA विज्ञान भी यही कहता है – दुनिया के किसी भी कोने का इंसान, किसी भी धर्म का इंसान, 99.9 जीन एक जैसे हैं। खून का रंग सबका लाल है। इसलिए लड़ाई 'हिंदू-मुस्लिम' की नहीं, 'इंसान बनाम अज्ञान' की है। संत कबीर द्वारा उजागर की गई इस सच्चाई को भारत के संविधान में भी समाहित किया जा चुका है।

आज 2026 में इस धरती पर लगभग 8.2 अरब इंसान साँस ले रहे हैं। रंग, भाषा, देश अलग हैं, पर भूख, दर्द, मृत्यु का डर और सुख की चाह सबकी एक है। मनुष्य ने 4300 से अधिक धर्म, पंथ, सम्प्रदाय रचे। सवाल यह नहीं कि धर्म कितने हैं, सवाल यह है कि धर्म का इस्तेमाल कौन, कैसे कर रहा है। जब धर्म मंदिर-मस्जिद-चर्च में रहता है तो वह प्रार्थना है, करुणा है। पर जब वही धर्म संसद, चुनावी मंच और टीवी डिबेट में पहुँचता है तो वह वोट-बैंक, दंगा और भेदभाव बन जाता है। धर्म की राजनीति से जनता को आज तक न रोटी मिली, न दवा, न स्कूल। मिला तो सिर्फ पड़ोसी से नफरत का स्थायी लाइसेंस। इसलिए पहला संकल्प यह हो कि धर्म को घर और दिल तक सीमित रखो, उसे गली और सरकार तक मत ले जाओ।

दुनिया बदल चुकी है। आज हर हाथ में विज्ञान है – मोबाइल, दवाई, बिजली, इंटरनेट। फिर भी अप्रमाणिक मान्यताएँ क्यों नहीं छूटतीं? क्योंकि हमें विज्ञान क्यों बताता है, कैसे नहीं। वसुधैव कुटुंबकम संप्रदाय, जातिविहीन तथा चमत्कार नहीं, कर्म से उद्धार वाली सोच का समाज बनाने की बात कहता है। डॉक्टर बता देगा कि कैंसर कैसे हुआ, पर 'मुझे ही क्यों' का जवाब मरीज गीता, कुरान, बाइबिल में खोजता है। घ्व्ळ के बाहर खड़ा पिता विज्ञान पर भरोसा करता है, पर साथ में हनुमान चालीसा भी पढ़ता है। यह पाखंड नहीं, मानवीय लाचारी है।

वर्तमान विश्व राजनीति भी यही सबक दे रही है। अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच चल रहा तनाव भी यही संदेश दे रहा है कि 21वीं सदी में वही देश निर्णायक शक्ति बने हैं जिन्होंने वैज्ञानिक सोच, तकनीक, शिक्षा और आर्थिक सम्पन्नता को नंबर-1 पर रखा। इजरायल का आयरन डोम किसी चमत्कार की देन नहीं, दशकों की रिसर्च का परिणाम है। अमेरिका की शक्ति उसकी प्रयोगशालाओं, सेमीकंडक्टर, AI से आती है। दूसरी ओर, जहाँ शासन का आधार सिर्फ अंधविश्वास और 'ऊपरवाला देख लेगा' वाली सोच है, वहाँ गरीबी और युद्ध ही मिलते हैं। चमत्कार से मिसाइल नहीं रुकती, सैटेलाइट नहीं बनता। सम्मान तर्क, तकनीक और उत्पादन से मिलता है, भाषणों और ताबीज से नहीं। इसलिए हर समाज को चुनना होगा – बच्चों के हाथ में किताब देंगे या सिर्फ माला?

–200 साल पहले दुनिया और भारत :- विज्ञान के बिना इंसान की असली हालत–

आज से ठीक 200 साल पहले, 1820 में दुनिया की आबादी सिर्फ 100 करोड़ थी। आज 820 करोड़ हैं। उस समय भारत और चीन में 50-60 करोड़ लोग थे, पर सुखी नहीं थे।

1757 प्लासी के बाद ईस्ट इंडिया कंपनी ने भारत को कच्चे माल का सप्लायर बना दिया। दादाभाई नौरोजी के अनुसार हर साल भारत की कुल कमाई का 6-8 प्रतिशत हिस्सा 'ड्रेन ऑफ वेल्थ' के रूप में इंग्लैंड चला जाता था। 1800 में दुनिया के कुल औद्योगिक उत्पादन में भारत का हिस्सा 25 प्रतिशत था, 1900 आते-आते 2 प्रतिशत रह गया। ढाका की मलमल, मुर्शिदाबाद की रेशम बर्बाद कर दी गईं। लगान 50 प्रतिशत तक था। 1820 में साक्षरता 3-5 प्रतिशत थी। लड़कियों की शिक्षा 0.1 प्रतिशत से भी कम। 1 लाख आबादी पर 1 डॉक्टर नहीं था। सती प्रथा, बाल-विवाह, छुआछूत – विज्ञान के अभाव में धर्म की आड़ में सब चलता था। औसत आयु 24 साल। 1000 में से 250 बच्चे 1 साल के अंदर मर जाते थे।

तब रोटी, कपड़ा, मकान तीनों का अकाल था:–

–1. भोजन यानी रोटी:- खेती 100 प्रतिशत मानसून के भरोसे थी। न नहर, न ट्यूबवेल, न यूरिया। 1 बीघा में आज जितना गेहूँ होता है, उसका 1/4 भी नहीं होता था। नतीजा – हर 5-7 साल में बड़ा अकाल। 1770 का बंगाल अकाल, 1837 का आगरा अकाल, 1866 का उड़ीसा अकाल – हर बार 10-30 लाख लोग भूख से मरे।

–2. वस्त्र यानी कपड़ा:- कपड़ा सिर्फ हथकरघा से बनता था। 1 धोती बुनने में 15 दिन लगते थे। 1854 में पहली कपड़ा मिल लगी। तब तक आम आदमी के पास 2 जोड़ी कपड़े ही होते थे।

–3. आवास यानी मकान:- 95 प्रतिशत जनता कच्चे घरों में रहती थी। पक्के मकान सिर्फ राजा, सेठ-साहूकार के थे। हैजा, प्लेग से पूरा गाँव साफ हो जाता था।

200 साल पहले भारत 'सोने की चिड़िया' सिर्फ किताबों में था। असली भारत भूखा, नंगा, बीमार, अनपढ़ और गुलाम था। आज 8-लेन हाईवे, AI, मंगलयान, IIT, AIIMS है – यह मन्नत से नहीं, 200 साल की वैज्ञानिक सोच का परिणाम है।

इस वैज्ञानिक युग का सबसे बड़ा विरोधाभास धार्मिक स्थलों पर दिखता है। मंदिर, मस्जिद, दरगाह में CCTV, AC ऑनलाइन दान, फायर-सेफ्टी है, पर भगदड़ में श्रद्धालु मरते हैं। जोधपुर चामुंडा मंदिर में 2008 में 224 लोग कुचल कर मरे। वैष्णो देवी, सबरीमाला, कुंभ, हज में यही होता है। बचाने ऌंइ, डॉक्टर, पुलिस आते हैं – यानी विज्ञान और व्यवस्था से लैस इंसान। इसलिए आस्था के नाम पर भीड़-प्रबंधन और जवाबदेही तय हो।

Pew Research बताता है कि आज 1.2 अरब लोग 'Nones' हैं – नास्तिक या 'कोई धर्म नहीं'। चीन में 52 प्रतिशत, यूरोप में 30-40 प्रतिशत लोग बिना धर्म के सुख-शांति से जी रहे हैं। स्कैंडिनेविया के 'नास्तिक देश' सबसे कम भ्रष्ट, सबसे ज्यादा खुशहाल हैं। नैतिकता के लिए डर नहीं, विवेक चाहिए। 2050 तक धार्मिक लोग 87 प्रतिशत रह जांएगे, पर Nones भी 1.4 अरब हो जाएँगे। धर्म मिटेगा नहीं, रूप बदलेगा।

अब समस्या यह है कि अगले 20 सालों में यह संसार एक मानव समाज में बदल जाए के लक्ष्य को कैसे प्राप्त किया जावे? इस हेतु हमें बच्चों को उनके मूल स्वरूप मानव के रूप में विकसित होने का वातावरण दिया जावे तभी महोपनिषद का यह उद्घोष चरितार्थ होगा – "वसुधैव कुटुम्बकम्" अर्थात पूरी पृथ्वी ही एक परिवार है–। चार सूत्र हैं: 1. शिक्षा – न्यूटन भी पढ़ाओ, कबीर भी। 2. धर्म निजी रखो। 3. पेट की गारंटी – भूखा बाबा के पास जाएगा ही। 4. अंबेडकर का रास्ता – शिक्षित बनो, संगठित रहो, संघर्ष करो।

घर सबसे बड़ी प्रयोगशाला है। शिशु को जन्म से ही सत्य, करुणा, तर्क, श्रम का सम्मान मिले। बच्चे के सामने जाति-धर्म की बात न हो। जो बीज घर में बोया जाएगा, वही समाज में पेड़ बनेगा।

कोरोना ने दिखाया कि अंतिम समय में न अवतार आया, न पैगंबर। डॉक्टर, नर्स, सफाईकर्मी आए। वही असली हनुमान-दुर्गा थे। 'मानव धर्म के उद्धार' का मतलब है – आदमी को आदमी से जोड़ना। बुद्ध ने कहा: –अप्प दीपो भव– – अपना दीपक खुद बनो। भगत सिंह ने कहा: –इंसान को इंसान से मिलने दो–। कबीर का दोहा याद रखें: –"पानी केरा बुदबुदा, यह मानुष की जात। एक दिन छिप जाएंगे, ज्यों तारे प्रभात।।"– जीवन क्षणभंगुर है। नफरत में समय बर्बाद मत करो।

अत: कृतसंकल्प हो जाओ कि बच्चों को हिंदू-मुस्लिम बाद में, पहले इंसान बनाएँगे। सवामणी की जगह स्कूल, चढ़ावे की जगह अस्पताल माँगेंगे। जब तक आखिरी इंसान भूखा है, कोई ईश्वर खुश नहीं हो सकता।

मानव ही धर्म है। कर्म ही पूजा है। विज्ञान ही साधन है। करुणा ही मंजिल है।

इसी को 'मानव धर्म' कहते हैं। इसी के उद्धार के लिए हम सब कृतसंकल्प हों।

**–मदन सिंह काला,**
**सेवानिवृत्त आई.ए.एस**

# राजस्थान में साक्षरता की धीमी रफ्तार : सिक्किम भी हुआ सम्पूर्ण साक्षर



राजेन्द्र जोशी

वर्ष 1988 में राष्ट्रीय साक्षरता मिशन की शुरुआत के साथ देश में साक्षरता आंदोलन ने एक जनांदोलन का स्वरूप ग्रहण किया था। इसका उद्देश्य केवल पढ़ना-लिखना सिखाना नहीं था, बल्कि समाज में जागरूकता, आत्मविश्वास और सामाजिक परिवर्तन की चेतना विकसित करना भी था। राजस्थान में भी यह अभियान व्यापक स्तर पर संचालित हुआ। सरकार, समाज, स्वयंसेवी संस्थाओं, शिक्षाविदों तथा लाखों साक्षरता कार्यकर्ताओं के संयुक्त प्रयासों से गांव-ढाणी तक साक्षरता का संदेश पहुंचा। परिणामस्वरूप प्रदेश ने विशेषकर 1991 से 2011 के बीच साक्षरता के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की और महिला साक्षरता में भी ऐतिहासिक वृद्धि हुई।

राजस्थान एक समय देश के सबसे कम साक्षर राज्यों में गिना जाता था। साक्षरता अभियान के दौरान जिस प्रकार सामाजिक सहभागिता विकसित हुई, उसने शिक्षा के प्रति जनमानस का दृष्टिकोण बदला। गांवों में साक्षरता केंद्र खुले, स्वयंसेवकों ने घर-घर संपर्क किया और बड़ी संख्या में प्रौढ़ शिक्षार्थी शिक्षा से जुड़े।

इस दौर में साक्षरता केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं रही, बल्कि सामाजिक चेतना का माध्यम बन गई। साक्षरता अभियान की सबसे बड़ी उपलब्धि यह रही कि इसने महिलाओं को शिक्षा से जोड़ने का कार्य किया। अनेक जिलों में महिलाएं पहली बार शिक्षा के दायरे में आईं। उन्होंने न केवल पढ़ना-लिखना सीखा बल्कि अपने अधिकारों, स्वास्थ्य, स्वच्छता, परिवार कल्याण और सामाजिक विकास से जुड़े मुद्दों पर भी जागरूकता प्राप्त की। यही कारण रहा कि 1991 से 2011 के बीच राजस्थान की महिला साक्षरता दर में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। इस अवधि में प्रदेश की कुल साक्षरता दर में भी तेजी से सुधार हुआ और इसे साक्षरता के क्षेत्र में 'क्वांटम जंप' के रूप में देखा गया।

राजस्थान की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि यहां स्वतंत्र साक्षरता निदेशालय स्थापित है। प्रत्येक जिले में साक्षरता से संबंधित स्वतंत्र व्यवस्थाएं मौजूद हैं। इसके अतिरिक्त प्रदेश में अनुभवी शिक्षाविद, संदर्भ व्यक्ति, कला जत्थे, स्वयंसेवी संगठन तथा प्रौढ़ शिक्षा से जुड़े सैकड़ों कार्यकर्ता उपलब्ध हैं। इसके बावजूद वर्तमान स्थिति चिंता का विषय है। देश की औसत साक्षरता दर लगभग 80.9 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है, जबकि राजस्थान की साक्षरता दर लगभग 75.8 प्रतिशत के आसपास बनी हुई है। यह अंतर केवल आंकड़ों का नहीं है, बल्कि यह दर्शाता है कि प्रदेश अपनी संभावनाओं के अनुरूप प्रगति नहीं कर पा रहा है। विशेष चिंता की बात यह है कि राजस्थान आज भी साक्षरता के मामले में देश के पिछड़े राज्यों में शामिल है। प्रश्न यह उठता है कि जब संसाधन, संस्थागत व्यवस्था और अनुभव उपलब्ध हैं, तो अपेक्षित परिणाम क्यों नहीं मिल रहे हैं?

इस स्थिति का एक प्रमुख कारण साक्षरता कार्यक्रमों का जनांदोलन स्वरूप खो देना है। राष्ट्रीय साक्षरता मिशन के शुरुआती वर्षों में सामाजिक सहभागिता इसकी सबसे बड़ी ताकत थी। गांवों में शिक्षक, सामाजिक कार्यकर्ता, युवा और स्वयंसेवी संस्थाएं मिलकर अभियान चलाते थे। समय के साथ यह अभियान अधिकतर सरकारी कार्यक्रम बनकर रह गया। समाज की सक्रिय भागीदारी घटने लगी और साक्षरता कार्यों में जनउत्साह कम होता गया। किसी भी सामाजिक अभियान की सफलता केवल प्रशासनिक प्रयासों से संभव नहीं होती, उसके लिए व्यापक सामाजिक सहयोग आवश्यक होता है। दूसरा महत्वपूर्ण कारण प्रौढ़ शिक्षा पर अपेक्षित ध्यान न दिया जाना है। वर्तमान समय में प्रौढ़ शिक्षा को नई तकनीक, डिजिटल साधनों और स्थानीय आवश्यकताओं के साथ जोड़ने की आवश्यकता है। महिला साक्षरता भी अभी चुनौती बनी हुई है। सामाजिक और आर्थिक कारणों से अनेक महिलाएं शिक्षा से वंचित रह जाती हैं। महिला साक्षरता में वृद्धि किए बिना प्रदेश की कुल साक्षरता दर को राष्ट्रीय औसत से ऊपर ले जाना कठिन होगा।

प्रदेश के दूरस्थ रेगिस्तानी और आदिवासी क्षेत्रों में भी विशेष प्रयासों की आवश्यकता है। स्थानीय भाषा, लोक संस्कृति और सामुदायिक सहभागिता को साक्षरता कार्यक्रमों से जोड़कर बेहतर परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं। साक्षरता निदेशालय और जिला स्तर की व्यवस्थाओं को भी परिणाम आधारित दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है। केवल योजनाओं का संचालन पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनके प्रभाव का नियमित मूल्यांकन भी आवश्यक है। प्रत्येक जिले के लिए स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित किए जाएं और उनकी समयबद्ध समीक्षा हो। साथ ही शिक्षाविदों, स्वयंसेवी संस्थाओं और अनुभवी साक्षरता कार्यकर्ताओं को पुन: सक्रिय भूमिका में लाया जाए।

आज जब देश के कई राज्य पूर्ण साक्षरता की दिशा में सफलता प्राप्त कर चुके हैं और हाल ही में सिक्किम ने भी पूर्ण साक्षरता का लक्ष्य हासिल किया है, तब राजस्थान के लिए आत्ममंथन का समय है। प्रदेश के पास संसाधनों की कमी नहीं है, आवश्यकता केवल मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति, प्रभावी प्रशासनिक नेतृत्व और व्यापक सामाजिक भागीदारी की है। यदि साक्षरता को पुन: जनांदोलन का स्वरूप दिया जाए, प्रौढ़ शिक्षा को नई ऊर्जा प्रदान की जाए तथा महिलाओं और वंचित वर्गों पर विशेष ध्यान केंद्रित किया जाए, तो राजस्थान भी साक्षरता के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को प्राप्त कर सकता है।

साक्षरता केवल आंकड़ों की वृद्धि नहीं है, बल्कि यह सामाजिक विकास, आर्थिक सशक्तिकरण और लोकतांत्रिक चेतना की आधारशिला है। राजस्थान ने अतीत में यह सिद्ध किया है कि सामूहिक प्रयासों से असंभव प्रतीत होने वाले लक्ष्य भी प्राप्त किए जा सकते हैं। आवश्यकता इस बात की है कि साक्षरता के उस स्वर्णिम आंदोलन की भावना को पुनर्जीवित किया जाए, जिसने कभी गांव-ढाणी तक जागरूकता की नई रोशनी पहुंचाई थी। यदि ऐसा किया गया तो वह दिन दूर नहीं जब राजस्थान भी देश के अग्रणी साक्षर राज्यों की श्रेणी में सम्मानपूर्वक स्थान प्राप्त करेगा।

**–राजेन्द्र जोशी,**
**शिक्षाविद-साहित्यकार।**

## राशिफल मंगलवार 2 जून, 2026



पंडित अनिल शर्मा

द्वितीय ज्येष्ठ मास (अधिक), कृष्ण पक्ष, द्वितीया तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2083, मूल नक्षत्र रात्रि 10:06 तक, साध्य योग प्रात: 7:16 तक, तैतिल करण प्रात: 5:50 तक, चन्द्रमा आज धनु राशि में संचार करेगा।

**ग्रह स्थिति:** सूर्य-वृष, चन्द्रमा-धनु, मंगल-मेष, बुध-मिथुन, गुरू-मिथुन, शुक्र-मिथुन, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज राजयोग रात्रि 10:06 से आरम्भ होगा।

**श्रेष्ठ चौघड़िया:** चर 9:01 से 10:43 तक, लाभ अमृत 10:43 से 2:07 तक, शुभ 3:49 से 5:30 तक।

**राहूकाल:** 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 5:37, सूर्यास्त 7:12

**मेष**
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। व्यावसायिक/आर्थिक मामलों में संतुलन बना रहेगा।

**वृष**
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।

**मिथुन**
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

**कर्क**
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। उचित सफलता मिल सकती है।

**सिंह**
परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। आज आवश्यक और महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

**कन्या**
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

**तुला**
व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। आज परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

**वृश्चिक**
व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। नवीन कारोबारी अनुबंध प्राप्त हो सकते हैं। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है।

**धनु**
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

**मकर**
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

**कुंभ**
आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा।

**मीन**
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य आज शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

# राजस्थान में 2.72 लाख करोड़ के 81 बड़े प्रोजेक्ट्स पर काम जारी

## रेलवे, सड़क, ऊर्जा, पेट्रोलियम और नागरिक उड्डयन जैसी महत्वपूर्ण परियोजनाएं शामिल

-कार्यालय संवाददाता-

**जयपुर।** मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान में आधारभूत ढांचे के विकास को नई गति मिली है। रेलवे, सड़क, ऊर्जा, पेट्रोलियम और नागरिक उड्डयन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में बड़े स्तर पर परियोजनाओं पर काम चल रहा है। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की 'पैमाना' रिपोर्ट के अनुसार प्रदेश में 2.72 लाख करोड़ रुपए से अधिक लागत की कुल 81 परियोजनाएं प्रगतिरत हैं, जिनसे राजस्थान की विकास यात्रा को नई दिशा मिल रही है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

- विशेषज्ञों का मानना है कि इन परियोजनाओं के पूरा होने के बाद राजस्थान निवेश, उद्योग, पर्यटन और व्यापार के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हो सकता है।

रिपोर्ट के अनुसार इन परियोजनाओं के पूरा होने से न केवल प्रदेश की आधारभूत संरचनाएं मजबूत होंगी, बल्कि रोजगार, व्यापार, परिवहन और निवेश के नए अवसर भी पैदा होंगे। प्रदेश की सबसे महत्वपूर्ण परियोजनाओं में शामिल एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड की राजस्थान रिफाइनरी परियोजना जल्द शुरू होने की तैयारी में है। बाड़मेर जिले के पचपदरा में बन रही इस परियोजना की लागत करीब 79 हजार 459 करोड़ रुपए है।

इस रिफाइनरी के शुरू होने से राजस्थान सहित पश्चिमी और उत्तर-पश्चिमी भारत में पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति मजबूत होगी। साथ ही हजारों लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार मिलने की संभावना है।

इसके अलावा एचपीसीएल की ओर से बाड़मेर में 461 करोड़ रुपए की लागत से पेट्रोकेमिकल निकासी एवं विपणन टर्मिनल परियोजना पर भी काम चल रहा है, जिसे दिसंबर 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।ऊर्जा उत्पादन और ट्रांसमिशन के क्षेत्र में भी राजस्थान तेजी से आगे बढ़ रहा है। प्रदेश में 75 हजार करोड़ रुपए से अधिक लागत की 19 ऊर्जा ट्रांसमिशन परियोजनाएं संचालित हो रही हैं। इनमें 25 हजार करोड़ रुपए की राजस्थान पार्ट-1 पावर ट्रांसमिशन परियोजना सबसे महत्वपूर्ण मानी जा रही है, जो राजस्थान के साथ मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश तक फैली हुई है। इससे ऊर्जा आपूर्ति व्यवस्था मजबूत होगी और राजस्थान ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ेगा।

प्रदेश में रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए बड़े पैमाने पर काम किया जा रहा है। उत्तर-पश्चिम रेलवे की 23 परियोजनाएं वर्तमान में निर्माणाधीन हैं, जिनकी कुल लागत करीब 1 लाख 64 हजार 998 करोड़ रुपए है। इनमें गुजरात, हरियाणा, महाराष्ट्र, राजस्थान और उत्तरप्रदेश से गुजरने वाला वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर प्रमुख परियोजना है, जिसकी लागत करीब 1 लाख 24 हजार करोड़ रुपए है और इसका कार्य अंतिम चरण में पहुंच चुका है।

धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए देवगढ़ मदारिया-नाथद्वारा रेललाइन, नाथद्वारा टाउन परियोजना, पुष्कर-मेड़ता सिटी रेललाइन और पोकरण-रामदेवरा नई रेललाइन जैसे प्रोजेक्ट्स पर भी काम चल रहा है। इसके अलावा अजमेर-चंदेरिया दोहरीकरण, सादुलपुर-चूरू दोहरीकरण, धौलपुर-सरमथुरा गेज परिवर्तन, सवाईमाधोपुर-जयपुर रेलवे लाइन और आगरा फोर्ट-बांदीकुई दोहरीकरण जैसी कई बड़ी परियोजनाएं भी प्रदेश के रेलवे नेटवर्क को मजबूत कर रही हैं।

राजस्थान में राष्ट्रीय राजमार्गों और सड़क नेटवर्क के विस्तार का काम भी तेज गति से जारी है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय तथा एनएचएआई की ओर से करीब 18 हजार करोड़ रुपए की 28 सड़क परियोजनाओं पर काम किया जा रहा है। इनमें दिल्ली-वडोदरा ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे महत्वपूर्ण परियोजना है, जिसकी लागत 6 हजार 500 करोड़ रुपए से अधिक है।

इसके अलावा एनएच-25 पर पचपदरा-बागुंडी फोरलेन, ब्यावर-गोमती फोरलेन, फतेहपुर-मंडावा-झुंझुनूं बाईपास और नाथद्वारा से भटेवर तक सड़क उन्नयन जैसे कई कार्य लगभग पूर्णता की ओर हैं।

राजस्थान में नागरिक उड्डयन क्षेत्र में भी तेजी से विस्तार हो रहा है। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण की ओर से करीब 2 हजार 874 करोड़ रुपए की तीन बड़ी परियोजनाएं संचालित की जा रही हैं। बूंदी-कोटा ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट परियोजना को हाड़ौती क्षेत्र के लिए बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। इस परियोजना की लागत करीब 1 हजार 507 करोड़ रुपए है और इसे नवंबर 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

उदयपुर एयरपोर्ट पर नया एकीकृत टर्मिनल और जोधपुर एयरपोर्ट पर घरेलू यात्री टर्मिनल परियोजना भी तेजी से आगे बढ़ रही है।'पैमाना' रिपोर्ट के आंकड़े बताते हैं कि राजस्थान अब आधुनिक और मजबूत आधारभूत संरचना वाले राज्यों की श्रेणी में तेजी से आगे बढ़ रहा है। रेलवे, सड़क, ऊर्जा, रिफाइनरी और एयरपोर्ट परियोजनाओं के जरिए प्रदेश में विकास का नया ढांचा तैयार हो रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि इन परियोजनाओं के पूरा होने के बाद राजस्थान निवेश, उद्योग, पर्यटन और व्यापार के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हो सकता है।

# श्रीलंका की राजधानी में जयपुर फुट निर्माण का स्थायी केन्द्र स्थापित हुआ

## श्रीलंका का दूसरा केन्द्र जाफना में 26 जून से सुचारू रूप से कार्य करने लगेगा

**जयपुर।** विश्व प्रसिद्ध जयपुर फुट की निर्माता संस्था भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति के तकनीकी सहयोग से श्रीलंका की राजधानी कोलंबो में जयपुर फुट निर्माण का एक स्थायी केन्द्र स्थापित हो गया है और कार्य करने लगा है। इसी प्रकार का एक और केन्द्र श्रीलंका के बड़े शहर जाफना में इस माह स्थापित हो जाएगा।

बी.एम.वी.एस.एस. के संस्थापक और मुख्य संरक्षक डी.आर. मेहता ने बताया कि उक्त दो केन्द्रों की स्थापना में बी.एम.वी.एस.एस. के चेन्नई केन्द्र के अध्यक्ष डॉ. विनोद सुराणा की महत्वपूर्ण भूमिका रही। डॉ. सुराणा जिनके स्वयं के पैतृक निवास में चेन्नई केन्द्र कार्यरत है ने श्रीलंका की संस्था ऑल सिलोन बुद्धिस्ट कांग्रेस (ए.सी.बी.सी.) से आपसी सहयोग के प्रयास किए जो सफल रहे । ऑल सिलोन बुद्धिस्ट कांग्रेस ने कोलंबो केन्द्र के लिए मशीनें और उपकरण उपलब्ध कराने का आग्रह किया था जिसे बी.एम.वी.एस.एस. ने भिजवा दिया। इस केन्द्र का नाम साधी सुया रखा गया है, जहाँ विकलांगों को निःशुल्क कृत्रिम पैर दिए जाएंगे, उद्घाटन समारोह में डॉ. सुराणा उपस्थित थे।

डी.आर. मेहता ने बताया कि श्रीलंका का दूसरा केन्द्र जाफना में 26 जून से सुचारू रूप से कार्य करने लगेगा। कोलंबो केन्द्र बी.एम.वी.एस.एस. के जयपुर में प्रशिक्षित श्रीलंका की सेना के तकनीशियन संचालित करेंगे। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार के विदेश मंत्रालय के सहयोग से श्रीलंका के तकनीशियनों को जयपुर के बी.एम.वी.एस.एस. के केन्द्र में गहन प्रशिक्षण दिया गया था। डी.आर. मेहता ने बताया कि जाफना के केन्द्र को संचालित करने के लिए जयपुर बी.एम.वी.एस.एस. के दो तकनीशियन जाएंगे, जहाँ स्थानीय तकनीशियनों को प्रशिक्षित किया जाएगा। डी.आर. मेहता ने बताया कि वेस्ट इण्डीज के त्रिनिडाड और टोबैगो की राजधानी पोर्ट-ऑफ-स्पेन में हाल ही में एक स्थायी केन्द्र जयपुर फुट यू.एस.ए. के सहयोग से शुरू किया गया है, जिसका उद्घाटन त्रिनिडाड-टोबैगो की प्रधानमंत्री कमला बिस्सेसर प्रसाद ने भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर की उपस्थिति में किया था। इस केन्द्र में बी.एम.वी.एस.एस. के तकनीशियन गजानन्द लाम्बा वहाँ तीन माह रहकर प्रशिक्षण देंगे। उल्लेखनीय है कि त्रिनिडाड और टोबैगो में सितम्बर 2025 में एक विशेष शिविर लगाकर 803 विकलांगों का पुर्नवास किया गया था। इसी प्रकार भारत सरकार के विदेश मंत्रालय के सहयोग से वर्ष 2011, वर्ष 2012 और वर्ष 2024 में विशेष शिविरों में कुल 2759 विकलांगों को पुर्नवास किया गया। इसी तरह कोलंबों में 2011, 2022 और 2024 में तीन अलग-अलग शिविरों में 1408 विकलांगों का पुर्नवास किया गया।

# रूफ टॉप सौर ऊर्जा में बढ़ रही प्रदेश की भागीदारी

## मई माह में अब तक का सर्वाधिक 26632 प्लांट इंस्टॉलेशन हुआ

**जयपुर।** प्रदूषणरहित सौर ऊर्जा को प्रोत्साहित करने की दिशा में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शी पहल पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना में राजस्थान की भागीदारी बढ़ रही है। बिजली बिल पर खर्च से मुक्ति पाने के लिए विद्युत उपभोक्ता सौर ऊर्जा से जुड़ रहे हैं।

योजना के अन्तर्गत हाल के मई माह में प्रदेश में रिकॉर्ड 26,632 रूफ टॉप सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए गए हैं। फरवरी 2024 में योजना शुरू होने के बाद यह प्रदेश में किसी भी एक माह का अब तक का सर्वाधिक रूफ टॉप सोलर इंस्टॉलेशन है।

इसके अन्तर्गत जोधपुर डिस्कॉम में 9316, जयपुर डिस्कॉम में 9204 तथा अजमेर डिस्कॉम में 8,112 उपभोक्ताओं ने अपने घर की छत पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाकर ऊर्जा सुरक्षा की ओर कदम बढ़ाएं हैं।

इस दौरान सर्वाधिक 5484 रूफ टॉप सौर ऊर्जा संयंत्र जयपुर जिले में इंस्टॉल हुए हैं। इसके पश्चात् श्रीगंगानगर में 3264, हनुमानगढ़ में 2084, सीकर में 1606 तथा झुंझुनूं में 1534 रूफ टॉप सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए गए।

ज्ञात रहे कि राजस्थान डिस्कॉम्स इस योजना को गति दे रहे हैं। इसके अन्तर्गत मई माह में डिस्कॉम के कार्मिकों ने 27 हजार 700 से अधिक उपभोक्ताओं के रूफ टॉप सोलर आवेदनों का भौतिक सत्यापन किया। यह किसी भी माह में सर्वाधिक आवेदनों का निरीक्षण है।

डिस्कॉम चेयरमैन आरती डोगरा ने बीते दिनों तीनों वितरण निगमों के सभी सर्किलों में निरीक्षण के प्रकरणों की वीडियो कांफ्रेंस से समीक्षा कर निरीक्षण प्रक्रिया में तेजी से लाने के निर्देश दिए थे। इसी का नतीजा रहा कि अभियंताओं ने सर्वाधिक निरीक्षण प्रक्रियाओं को सम्पन्न किया जिससे माह सर्वाधिक 31 हजार 437 उपभोक्ताओं को सबसिडी भी प्राप्त हुई। साथ ही, 177 नए वेंडरों को भी योजना से जोड़ा गया।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना में प्रदेश में 830 मेगावाट क्षमता के लगभग 2.17 लाख रूफ टॉप सोलर लगाए जा चुके हैं। भारत सरकार से इसके लिए लगभग 1460 करोड़ रूपए की सब्सिडी भी लाभार्थी उपभोक्ताओं के बैंक खातों में हस्तांतरित की जा चुकी है।

# विधानसभाध्यक्ष देवनानी करेंगे चारधाम के दर्शन

**जयपुर।** विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी उत्तराखंड की पांच दिवसीय यात्रा में चार धाम के दर्शन करेंगे। देवनानी जयपुर से मंगलवार को प्रात: 10 बजे वायुयान से देहरादून जाएंगे। देवनानी ने कहा कि चार धाम की यात्रा पवित्र और आध्यात्मिक तीर्थ यात्रा है। देवनानी इस यात्रा को पारंपरिक क्रम में ही पूरा करेंगे। पारंपरिक क्रम के अनुसार यह यात्रा यमुनोत्री से आरंभ होकर गंगोत्री और केदारनाथ होते हुए बद्रीनाथ धाम पर पूरी होती है। देवनानी ने बताया कि यमुनोत्री धाम देवी यमुना, गंगोत्री धाम देवी गंगा, केदारनाथ धाम भगवान शिव और बद्रीनाथ धाम भगवान विष्णु को समर्पित है।

# बर्फ फैक्ट्री, बीएमसी व घरों में बिजली चोरी पकड़ी

**जयपुर।** जयपुर विद्युत वितरण निगम की सतर्कता शाखा ने सोमवार को कालवाड़ विद्युत सब-डिवीजन क्षेत्र में गहन सतर्कता जांच के दौरान बर्फ की एक फैक्ट्री, दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति (बीएमसी) व 10 आवासीय परिसरों में विद्युत चोरी पकडी। इन सभी मामलों में वीसीआर भरकर करीब 20 लाख रूपए से अधिक का जुर्माना लगाया गया है।

- 12 मामलों में 20 लाख से अधिक का लगाया जुर्माना

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (सतर्कता) महेन्द्र कुमार शर्मा ने बताया कि अधिशाषी अभियंता (सतर्कता) चेतन स्वरूप भंसाली के नेतृत्व में सतर्कता दल ने ग्राम पचार में एक घरेलू कनेक्शन की जांच की, जिसमें पाया गया कि विद्युत का उपभोग दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति (बीएमसी) के संचालन में किया जा रहा था। इस पर करीब 2 लाख 43 हजार रूपए का जुर्माना लगाया गया। सर्वेश्वर विहार स्थित एक बर्फ फैक्ट्री में मीटर से छेडछाड कर विद्युत चोरी की जा रही थी, जिस पर 4 लाख 37 हजार रूपए का जुर्माना लगाया गया। इसी प्रकार मांगू बाबा की ढाणी, पचार, गुजारिया वाली ढाणी, लालरपुरा के 4 आवासीय परिसरों में एलटी पोल से सीधे तार जोडकर विद्युत चोरी की जा रही थी। इन पर करीब 5 लाख 84 हजार रूपए का जुर्माना लगाया गया है। इन सभी 6 परिसरों में संयुक्त रूप से 49.83 कि.वॉट का विद्युत लोड पाया गया।

अधिशाषी अभियंता के.सी.गुप्ता के निर्देशन में ग्राम रामकुंई, पचार, शबरामपुरा, पुनियां की ढाणी में एलटी पोल से सीधे अवैध तार जोडकर 6 आवासीय परिसरों में विद्युत चोरी के मामले पकडे गये। जिनमें करीब 8 लाख रूपये का जुर्माना लगाया गया है।

# अजेय कुमार के नेतृत्व में राजस्थान में संगठन को मिलेगी नई गति : मदन राठौड़

- भाजपा प्रदेश महामंत्री संगठन की नियुक्ति पर प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हर्ष जताया

जयपुर (कासं)। भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व द्वारा वरिष्ठ संगठनकर्ता एवं उत्तराखंड भाजपा के प्रदेश महामंत्री (संगठन) अजेय कुमार को राजस्थान भाजपा का प्रदेश महामंत्री (संगठन) नियुक्त किए जाने पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सहित पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने हर्ष जताते हुए उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी है।

मदन राठौड़ ने कहा कि अजेय कुमार का संगठनात्मक अनुभव, कार्यकर्ताओं के प्रति समर्पण तथा कुशल नेतृत्व राजस्थान भाजपा संगठन को नई ऊर्जा एवं मजबूती प्रदान करेगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि उनके मार्गदर्शन में भाजपा राजस्थान संगठन नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा तथा संगठन विस्तार और जनसेवा के कार्यों को और अधिक गति मिलेगी। राठौड़ ने कहा कि प्रदेश संगठन महामंत्री अजेय कुमार के संगठनात्मक अनुभव और कुशल नेतृत्व में प्रदेश संगठन और अधिक सशक्त होगा। राजनीतिक एवं संगठनात्मक क्षेत्रों में अजेय कुमार को एक कुशल संगठनकर्ता के रूप में जाना जाता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक के रूप में वर्ष 1997 में श्रीनगर गढ़वाल से सार्वजनिक जीवन की शुरुआत करने वाले अजेय कुमार ने संघ और भाजपा संगठन में विभिन्न महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन किया है।

श्रीनगर, हरिद्वार एवं हल्द्वानी में नगर प्रचारक, ऊधमसिंह नगर में जिला प्रचारक तथा अल्मोड़ा विभाग के विभाग प्रचारक के रूप में कार्य करने के बाद उन्होंने पश्चिमी उत्तर प्रदेश में मुरादाबाद एवं बिजनौर विभाग के विभाग प्रचारक के रूप में भी संगठन को मजबूत किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश महामंत्री संगठन की नियुक्ति पर उन्हें शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राजस्थान जैसे राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण प्रदेश में प्रदेश महामंत्री (संगठन) अजेय कुमार की नियुक्ति उनके संगठनात्मक कौशल, प्रभावी नेतृत्व क्षमता और परिणाम देने वाली कार्यशैली की राष्ट्रीय स्तर पर स्वीकृति है। यह निर्णय भाजपा नेतृत्व के उस विश्वास को भी दर्शाता है कि अनुभवी एवं सक्षम संगठनकर्ता ही संगठन को नई दिशा और नई ऊर्जा प्रदान कर सकते हैं। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच, सुरेंद्र पाल सिंह टीटी, नाहर सिंह जोधा, ज्योति मिर्धा, अल्का मूंदड़ा, सरिता गेना, बिहारी लाल विश्नोई, छगन माहुर, हकरू भाई मईडा, भाजपा प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगडी, भूपेंद्र सैनी, कैलाश मेघवाल, मिथिलेश गौतम ने भी संगठन महामंत्री की नियुक्त पर हर्ष व्यक्त किया।

# जर्मन शेफर्ड के हमले में 4 वर्षीय मासूम गंभीर घायल

**जयपुर।** पत्रकार कॉलोनी थाना क्षेत्र में एक पालतू जर्मन शेफर्ड डॉग द्वारा 4 वर्षीय मासूम बच्ची पर जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया है। डॉग ने बच्ची के सिर और आंख के पास हमला कर उसे बुरी तरह नोंच डाला, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई।

हैड कांस्टेबल रामनिवास ने बताया कि पत्रकार कॉलोनी स्थित राधाकुंज धोलाई की एक रेजीडेंसी में संतोष कुमार माथा अपने परिवार के साथ रहते हैं। उनकी 4 वर्षीय पुत्री आद्विका खंडेलवाल 24 मई की रात करीब 8:30 बजे अपने फ्लैट से दो घर छोड़कर रहने वाले बच्चों को बुलाने गई थी।

परिजनों के अनुसार जैसे ही बच्ची ने पडौसी फ्लैट का डोरबेल बजाया और गेट खुला, तभी अंदर से तेजी से दौड़कर आए पालतू जर्मन शेफर्ड डॉग ने उस पर अचानक हमला कर दिया। डॉग ने बच्ची के सिर और आंख के ऊपरी हिस्से को बुरी तरह नोंच लिया, जिससे वह लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़ी और चीखने लगी।

आरोप है कि घटना के बाद बच्ची की मदद करने के बजाय पडौसी ने पहले डॉग को अंदर खींच लिया और इसके बाद अपने फ्लैट का गेट बंद कर लिया। इस दौरान बच्ची दर्द से तड़पती रही। शोर सुनकर पहुंचे अन्य पडौसियों ने उसे संभाला और सोसायटी कॉरिडोर में लाकर प्राथमिक सहायता दी।

परिजन उसे तत्काल एसएमएस अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उसका इलाज जारी है। डॉक्टरों के अनुसार बच्ची के सिर और आंख के पास गहरे घाव हैं और उसकी प्लास्टिक सर्जरी की आवश्यकता पड़ सकती है, जिसके लिए मंगलवार को सर्जनों द्वारा जांच की जाएगी।

# पीएम पोषण योजना में केन्द्र सरकार ने 954 करोड़ रुपए मंजूर किए

## भोजन की पौष्टिकता और गुणवत्ता जांचने के लिए प्रदेश की स्कूलों का औचक निरीक्षण करें अधिकारी : मुख्य सचिव

**जयपुर (कासं)।** मुख्य सचिव वी.श्रीनिवास की अध्यक्षता में सोमवार को राज्य स्तरीय समीक्षा एवं संचालन समिति की बैठक संपन्न हुई। इस दौरान केंद्र सरकार की "पी.एम. पोषण योजना" की वर्ष 2026-27 की वार्षिक कार्ययोजना पर चर्चा की गई। बैठक में बताया गया कि भारत सरकार ने इस योजना में राज्य के लिए 953.97 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की है, जिसे समिति ने अनुमोदित किया।

बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव स्कूल शिक्षा राजेश यादव, अतिरिक्त मुख्य सचिव यूडीएच आलोक गुप्ता, सचिव ग्रामीण विकास कृष्ण कुणाल, सचिव खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति अम्ब्रीश कुमार संयुक्त सचिव वित्त (व्यय) डॉ. भारती दीक्षित, आईसीडीएस निदेशक वासुदेव मलावत, मिड-डे-मिल आयुक्त विश्व मोहन शर्मा तथा शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी तथा पी.एम.पोषण योजना से जुड़े अफसर मौजूद थे।

मुख्य सचिव वी.श्रीनिवास ने पीएम पोषण योजना के पोर्टल को तत्काल अपडेट करने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव वी.श्रीनिवास की अध्यक्षता में सोमवार को राज्य स्तरीय समीक्षा एवं संचालन समिति की बैठक संपन्न हुई।

उन्होंने विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण एवं पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के लिए अधिकारियों को राज्य के विभिन्न विद्यालयों में निरंतर भ्रमण एवं निरीक्षण करने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव को श्री कृष्ण भोग योजना से भी अवगत कराया गया तथा यह बताया गया कि यह योजना राज्य सरकार का नवाचार है, जिसका बेहतरीन प्रभाव देखा गया है। स्वयं प्रधानमंत्री ने भी इस नवाचार की प्रशंसा की है।

श्रीकृष्ण भोग योजना ना केवल बच्चों की पोषण सम्बन्धी आवश्यकताओं की पूर्ति कर रही है, बल्कि कुपोषण एवं एनिमिया जैसी समस्याओं को कम करने में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। योजना में वर्ष 2025-26 में 60.54 लाख भोजन थाली परोसी गई।

मुख्य सचिव को अतिथि माता कॉन्सेप्ट से भी अवगत कराया गया, जिसमें विद्यार्थियों की माताओं एवं महिला अभिभावकों को विद्यालय में आमंत्रित कर मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता स्वच्छता और पोषण मानकों एवं वितरण व्यवस्था का प्रत्यक्ष निरीक्षण करवाया जाता है। साथ ही बच्चों को परोसे जाने वाले भोजन के स्वाद और गुणवत्ता परीक्षण के लिए भोजन भी करवाया जाता है।

- बैठक में बताया गया कि राज्य सरकार ने भी श्रीकृष्ण भोग योजना संचालित कर वर्ष 2025-26 में 60.54 लाख भोजन थाली परोसी है। भोजन की गुणवत्ता विद्यार्थियों की माताएं और महिला अभिभावक जांचती है।

जिस पर माताएं एवं महिला अभिभावक अपनी प्रतिक्रिया दर्ज करवाती हैं। अभी तक 55 लाख 19 हजार 810 अतिथि माताओं द्वारा विद्यालयों का भ्रमण कर मध्यान्ह भोजन व्यवस्था का अवलोकन किया है।

# ट्रैफिक नियमों की धज्जियां उडाने वालों पर पुलिस का शिकंजा

## 3 बड़े वाहन सीज, अब तक 86 हजार से अधिक पर कार्रवाई

**जयपुर।** राजधानी में ट्रैफिक नियमों की धज्जियां उडाने वाले आदतन और लापरवाह वाहन चालकों के खिलाफ जयपुर ट्रैफिक पुलिस ने अब तक का सबसे बड़ा और सख्त अभियान शुरू किया है। जयपुर पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल के निर्देश पर मोटर वाहन अधिनियम (संशोधित 2019) के तहत सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण और नियमों के पालन को सुनिश्चित करने के लिए यह कार्रवाई लगातार जारी है।

पुलिस उपायुक्त (यातायात) योगेश गोयल ने बताया कि इस विशेष अभियान के तहत शराब पीकर वाहन चलाने, तेज गति से ड्राइविंग, ब्लैक फिल्म का उपयोग, अनाधिकृत मॉडिफिकेशन तथा बार-बार नियम तोड़ने वाले आदतन वाहन चालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है।

अभियान के दौरान तीन बड़े मामलों में वाहनों को सीज किया गया है। इनमें शामिल है बस नंबर 071319, जिसके चालक ने 67 बार यातायात नियमों का उल्लंघन किया। बस नंबर 054377, जिस पर 63 बार नियम उल्लंघन दर्ज है। थार नंबर 607445, जिसे 6 बार नियम तोड़ने के बाद दोबारा उल्लंघन करते हुए पकड़ा गया। इसके अतिरिक्त अब तक 37 अन्य आदतन वाहनों को भी जब्त किया जा चुका है।

30-31 मई को चलाए गए विशेष अभियान के दौरान ट्रैफिक पुलिस ने शहरभर में व्यापक कार्रवाई की। इस दौरान ब्लैक फिल्म के 451 मामले, ओवरस्पीडिंग के 3108 मामले,अनाधिकृत मॉडिफिकेशन के 119 मामले,शराब पीकर वाहन चलाने के 36 मामले और मॉडिफाइड साइलेंसर के 31 मामले दर्ज किए गए इस अभियान के दौरान 25 से अधिक दोपहिया वाहनों के अवैध साइलेंसर हटवाए गए तथा 100 से अधिक चौपहिया वाहनों से अनाधिकृत बंपर एवं बुलगार्ड हटवाए गए। पुलिस के अनुसार अब तक कुल 86,157 वाहनों के खिलाफ चालान एवं शमन की कार्रवाई की जा चुकी है, जो इस अभियान की व्यापकता को दर्शाता है।

### 15697 ड्राइविंग लाइसेंस सस्पेंड

डीसीपी ट्रैफिक योगेश गोयल ने बताया कि 1 जनवरी 2026 से अब तक 42,358 वाहन चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस सस्पेंड करने तथा 558 वाहनों के रजिस्ट्रेशन सस्पेंड करने की अनुशंसा परिवहन विभाग को भेजी गई है। इनमें से अब तक 15,697 ड्राइविंग लाइसेंस सस्पेंड किए जा चुके हैं। ट्रैफिक पुलिस ने आमजन से अपील की है कि वे अपने वाहन के पेंडिंग चालानों की स्थिति की जांच आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर करें और समय पर उनका भुगतान सुनिश्चित करें।

पुलिस ने स्पष्ट किया है कि जिन मामलों को वर्चुअल कोर्ट में भेजा जा चुका है, उनका निस्तारण अब ट्रैफिक पुलिस स्तर पर नहीं किया जा सकेगा। ऐसे मामलों की स्थिति जानने के लिए संबंधित वेबसाइट पर जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

# पाटन के ग्राम पंचायत न्यौराणा में मनरेगा में काम नहीं मिलने से मजदूरों में रोष

## मजदूरों ने पंचायत कार्यालय पर ताला जड़ा, रोजगार की मांग को लेकर धरने पर बैठे

**पाटन,** (निसं)। ग्राम पंचायत न्यौराणा में सोमवार को मनरेगा मजदूरों का आक्रोश उस समय फूट पड़ा, जब उन्होंने काम नहीं मिलने और कथित भेदभाव से नाराज होकर पंचायत कार्यालय पर ताला जड़ दिया। बड़ी संख्या में श्रमिक पंचायत भवन के बाहर धरने पर बैठ गए और नियमित रोजगार उपलब्ध कराने की मांग की।

मजदूरों ने आरोप लगाया कि सरपंच और ग्राम विकास अधिकारी मनरेगा श्रमिकों के साथ भेदभावपूर्ण रवैया अपना रहे हैं। उनका कहना है कि पंचायत में बार-बार मनरेगा कार्य बंद कर दिए जाते हैं, जबकि आसपास की पंचायतों में लगातार रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है। इससे न्यौराणा के जॉब कार्डधारी श्रमिकों को आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। श्रमिकों ने बताया कि कई बार मांग करने के बावजूद उन्हें काम नहीं दिया जा रहा है। रोजगार के अभाव में परिवारों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। उनका आरोप है कि मनरेगा में केवल कुछ चुनिंदा लोगों को ही काम दिया जाता है, जबकि अन्य पात्र श्रमिकों को जानबूझकर वंचित रखा जा रहा है।आक्रोशित मजदूरों ने पंचायत भवन पर ताला लगाकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया और चेतावनी दी कि जब तक नियमित रूप से काम उपलब्ध नहीं कराया जाएगा तथा भेदभाव समाप्त नहीं होगा, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा।ग्रामीणों ने प्रशासन से न्यौराणा पंचायत में मनरेगा कार्यों की निष्पक्ष जांच कराने तथा सरपंच और ग्राम विकास अधिकारी की भूमिका की जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की है।

ग्राम पंचायत न्यौराणा में मजदूरों ने पंचायत कार्यालय के बाहर नारेबाजी की।

- श्रमिकों ने आरोप लगाया कि सरपंच और ग्राम विकास अधिकारी मनरेगा श्रमिकों के साथ भेदभावपूर्ण रवैया अपना रहे हैं

पाटन पंचायत समिति की विकास अधिकारी शशि बाला ने बताया कि नर्सिंगवाला में चल रहा मनरेगा कार्य सात दिन पहले पूरा हो चुका था। उन्होंने ग्रामीणों से बातचीत कर समझाइश के बाद पंचायत कार्यालय का ताला खुलवा दिया। साथ ही आश्वासन दिया कि ग्रामीणों के लिए शीघ्र ही नए मनरेगा कार्य स्वीकृत करवाकर रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा।

# आठ हजार रुपये की रिश्वत लेते पटवारी गिरफ्तार

**जयपुर/पाली।** भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की पाली-प्रथम टीम ने सोमवार को कार्रवाई करते हुए लाटाडा तहसील बाली जिला पाली के पटवारी विक्रम को आठ हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए ट्रैप किया है।

एसीबी डीजी गोविंद गुप्ता के अनुसार आरोपित पटवारी द्वारा परिवादी से पूर्व में क्रय की गई भूमि के नामांतरण एवं विभाजन की एवज में 11 हजार रुपये की मांग की गई थी, जिसमें से 5 हजार रुपये पूर्व में ले लिए गए थे। इसके अतिरिक्त परिवादी की माता के नाम पटवार हल्का लाटाडा स्थित भूमि खसरा संख्या 80 के सीमांकन के लिए 2 हजार रुपये की और मांग की जा रही थी। इस प्रकार पूर्व में किए गए कार्यों एवं वर्तमान कार्यों के एवज में कुल 8 हजार रुपये की रिश्वत की मांग कर परिवादी को परेशान किया जा रहा था।

- परिवादी से क्रय की गई भूमि के नामांतरण एवं विभाजन की एवज में 11 हजार रुपये की मांग की गई थी

शिकायत प्राप्त होने पर एसीबी चौकी पाली-प्रथम द्वारा मामले का सत्यापन किया गया। इसके बाद एसीबी जोधपुर रेंज के उप महानिरीक्षक नारायण टोगस के सुपरविजन में तथा एसीबी पाली-प्रथम के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र डुकिया के नेतृत्व में ट्रैप कार्रवाई को अंजाम दिया गया। इस कार्रवाई के दौरान आरोपित पटवारी विक्रम को 8 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए मौके पर ही गिरफ्तार किया है। एसीबी ने बताया कि आरोपी से पूछताछ जारी है।

# 13 साल से फरार स्थायी वारंटी गिरफ्तार

## बबाई पुलिस ने आरोपी को शाहजहांपुर पुलिस को सौंपा

**खेतड़ी,** (निसं)। जिले में बबाई थाना पुलिस ने स्थायी वारंटी राजपाल उर्फ हाथिड़ा को गिरफ्तार कर संबंधित पुलिस थाने को सुपुर्द कर दिया। आरोपी लंबे समय से न्यायालय द्वारा जारी स्थायी वारंट में वांछित चल रहा था। बबाई थाना पुलिस ने विशेष अभियान चलाकर कार्रवाई को अंजाम दिया।

थानाधिकारी राजपाल उपनिरीक्षक के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट खेतड़ी द्वारा जारी स्थायी वारंट में वांछित राजपाल उर्फ हाथिड़ा पुत्र मालाराम निवासी दलेलपुरा, थाना बबाई, जिला झुंझुनूं को दस्तयाब किया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर पुलिस थाना शाहजहांपुर, जिला कोटपुतली-बहरोड़ को सुपुर्द कर दिया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले में फरार आरोपियों और स्थायी वारंटियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा तथा कानून से बचने का प्रयास करने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

# जोधपुर के मंडोर उद्यान में टॉय ट्रेन से गिरी मासूम की मौत, युवती घायल

**जोधपुर,** (कासं)। मंडोर गार्डन में अपने माता-पिता के साथ घूमने आई पांच साल की एक मासूम बच्ची की टॉय ट्रेन से नीचे गिरने से दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक अन्य युवती गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना से गुस्साए बच्ची के परिजनों और समाज के लोगों ने आज कार्रवाई की मांग को लेकर अस्पताल की मोर्चरी के बाहर धरना-प्रदर्शन किया।

जानकारी के अनुसार बंबा निवासी मोहम्मद हबीब अपने परिवार के साथ मंडोर उद्यान घूमने गया था। वहां वह टॉय ट्रेन में परिवार सहित बैठा था। इस दौरान ड्राइवर ट्रेन को बेहद तेज गति से चला रहा था और इसी दौरान उसने अचानक बेहद तेजी से ब्रेक लगा दिया। ब्रेक का झटका इतना तेज था कि ट्रेन में बैठी मोहम्मद हबीब की पांच साल की मासूम बच्ची उछलकर बाहर जा गिरी। इससे पहले कि कोई कुछ समझ पाता, बच्ची टॉय ट्रेन के चक्कों के नीचे आ गई। इसके साथ ही मुस्कान नामक एक अन्य युवती भी घायल हो गई। उन्हें घायलावस्था में मथुरादास माथुर अस्पताल ले जाया गया, जहां बच्ची को मृत घोषित कर दिया गया। वहीं घायल युवती का फिलहाल इलाज चल रहा है। इस घोर लापरवाही को लेकर मृतका के पिता ने स्थानीय पुलिस थाने में टॉय ट्रेन ड्राइवर के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई है। परिजनों का आरोप है कि ड्राइवर की लापरवाही और तेज गति से ट्रेन चलाने के कारण ही उनकी बेटी की जान गई है और एक अन्य युवती अस्पताल पहुंच गई।

- आरोप है कि ड्राइवर ट्रेन को बेहद तेज गति से चला रहा था और इसी दौरान उसने अचानक बेहद तेजी से ब्रेक लगा दिया
- घटना से गुस्साए बच्ची के परिजनों और समाज के लोगों ने कार्रवाई की मांग को लेकर अस्पताल की मोर्चरी के बाहर प्रदर्शन किया

# भीषण गर्मी व लू के चलते ट्रंप की बेटी टिफनी ट्रंप ने जैसलमेर यात्रा बीच में छोड़ी

## सोमवार सुबह टिफनी ट्रंप का जैसलमेर के दो सबसे प्रमुख पर्यटन स्थलों पटवों की हवेली गड़ीसर सरोवर का दौरा प्रस्तावित था

**जैसलमेर,** (निसं)। मरुस्थलीय क्षेत्र में पड़ रही अत्यधिक गर्मी और रिकॉर्ड तोड़ लू के चलते अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की छोटी बेटी टिफनी ट्रंप को अपना जैसलमेर का सोमवार का तय कार्यक्रम रद्द करना पड़ा है।

टिफनी ट्रंप अपने पति माइकल बोलस के साथ एक निजी सांस्कृतिक यात्रा पर रविवार को जैसलमेर पहुंची थीं। रविवार शाम को जब टिफनी ट्रंप प्राइवेट जेट से जैसलमेर सिविल एयरपोर्ट उतरीं, तो जिला प्रशासन द्वारा उनका राजस्थानी परंपरा के अनुसार स्वागत किया गया। उन्होंने रविवार शाम को ही ई-गोल्फ कार्ट में बैठकर विश्व प्रसिद्ध सोनार दुर्ग का भ्रमण किया था। किले के इतिहास और वहां आज भी रह रहे स्थानीय लोगों के बारे में जानकर उन्होंने इसे " अविश्वसनीय" बताया। रात में वे सम रोड स्थित पांच सितारा होटल के बेहद आलीशान विला में रुकी थीं, जहां अमेरिकी सीक्रेट सर्विस और भारतीय सुरक्षा एजेंसियों का कड़ा पहरा था। सोमवार सुबह टिफनी ट्रंप का जैसलमेर के दो सबसे प्रमुख पर्यटन स्थलों पटवों की हवेली गड़ीसर सरोवर का दौरा प्रस्तावित था।

- टिफनी ट्रंप जैसलमेर सिविल एयरपोर्ट से अपने प्राइवेट विमान द्वारा गुजरात के जामनगर के लिए रवाना हो गई
- टिफनी ट्रंप अपने पति माइकल बोलस के साथ एक निजी सांस्कृतिक यात्रा पर रविवार को जैसलमेर पहुंची थीं

**कार्यक्रम रद्द होने की मुख्य वजह :-**जैसलमेर में इन दिनों नौतपा के चलते आसमान से आग बरस रही है। भीषण गर्मी और लू के चलते सुरक्षा मानकों तथा स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए इस खुले पर्यटन क्षेत्र के कार्यक्रम को सोमवार सुबह रद्द कर दिया गया। शेड्यूल में अचानक आए इस बदलाव के बाद, टिफनी ट्रंप सोमवार सुबह ही जैसलमेर सिविल एयरपोर्ट से अपने प्राइवेट विमान द्वारा गुजरात के जामनगर के लिए रवाना हो गईं। एयरपोर्ट पर जिला कलैक्टर अनुपमा जोरवाल और पुलिस अधिकारियों ने उन्हें विदाई दी। भले ही भीषण मौसम के कारण उनका सोमवार का कार्यक्रम पूरा नहीं हो सका, लेकिन भारत की इस ऐतिहासिक धरोहर को करीब से देखकर वे बेहद प्रभावित नजर आईं। जामनगर पहुंचने के तुरंत बाद टिफनी ट्रंप अपने पति माइकल बोलस के साथ रिलायंस इंडस्ट्रीज के मशहूर वन्यजीव संरक्षण केंद्र वंतारा को देखने के लिए रवाना हुईं। जामनगर एयरपोर्ट से लेकर वंतारा परिसर तक उनकी सुरक्षा के बेहद कड़े इंतजाम किए गए हैं।

# कोटा के ज्वैलर्स से धोखाधड़ी करने का आरोपी यूपी से गिरफ्तार

## नकली चांदी व सोने के नाम पर धोखाधड़ी की थी

**कोटा,** (निसं)। नकली चांदी व सोने के नाम पर ज्वैलर्स से धोखाधड़ी करने के दर्ज मामले में कुन्हाडी पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को उत्तरप्रदेश के आगरा से गिरफ्तार किया है।

शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि 19 नवम्बर 2024 को फरियादी दिनेश जैन ने कुन्हाडी थाने में रिपोर्ट दी। फरियादी ने रिपोर्ट में कहा कि सर्राफा व्यवसायी है, उसने कहा कि 16 अक्टूबर 2024 को स्वयं को दिल्ली निवासी बताते हुए विनित बंसल नाम का व्यक्ति उसकी दूकान पर आया और स्वयं को सोने चांदी की तेज मंडी का व्यवसाय करना बताया और अपना परिचय देकर दुकान से चला गया। 19 नवम्बर को वापस आया और उसने मुझे चांदी की सिल्ली 29 किलो 869 ग्राम की दिखाई जिसकी जांच करने पर सही पाया, लेकिन सौदा नहीं बैठने पर वह चला गया और 26 नवम्बर 2024 को विनित बंसल घर पर आया और 360 ग्राम शुद्ध सोना बुक करवा लिया और अगले दिन ले जाने की बात कही। रिपोर्ट में कहा कि विनित बंसल आया और उसे 360.250 ग्राम सोना मुझसे ले लिया और मेरे द्वारा भुगतान मांगने पर उसने सिक्योरिटी बाबत् चांदी की सिल्ली वजन 29 किलो 869 ग्राम सौंप कर अगले दिन भुगतान करने का आश्वासन देकर चला गया। सिल्ली की जांच करवाई तो नकली मिली, जिस पर धोखाधड़ी होने का शक हुआ।

गिरफ्तार आरोपी

शहर एसपी ने बताया कि फरियादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया, मामले को गंभीरता से लेते हुए विशेष टीम का गठन किया। टीम ने मामले में अनुसंधान के दौरान घटनास्थल के फोटो एवं सीसीटीवी फुटेज लिये गये। घटनाकारित करने वाले अज्ञात आरोपी का रुट मैप बनाकर ट्रेस किया गया, जिसमें आरोपी को नामजद कर तलाश शुरु की गई। टीम ने पूर्व में मुख्य अभियुक्त मोहित कुमार वर्मा, सहअभियुक्त छत्रपाल सिंह, देवेन्द्र सिंह को पूर्व में गिरफ्तार किया जा चुका है। शेष अभियुक्त के के शर्मा की अपराध में संलिप्तता आने पर तलाश शुरु की गई।

मामले में फरार चल रहे आरोपी की तलाश के लिये पुलिस उप अधीक्षक डॉ.पूनम चौहान के सुपरविजन में कुन्हाडी थानाधिकारी देवेश भारद्वाज के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया। गठित टीम ने आरोपी की तलाश की, आरोपी शातिर प्रवृति का था गिरफ्तारी से बचने के लिये बार-बार अपने ठिकाने बदल रहा था, आरोपी पर 15 हजार का ईनाम राशि घोषित की गई। शहर एसपी ने बताया कि विशेष टीम ने 2 सालों से फरार चल रहे 15 हजार के ईनामी आरोपी जिला धोलपुर के राजाखेड़ा निवासी के.के. शर्मा को शमशाबाद गेह आगरा से डिटेन कर प्रकरण में गिरफ्तार किया गया।

## अपहरण व वसूली मामले में दो गिरफ्तार

**उदयपुर,**(कासं)। शहर के सविना थाना पुलिस ने बदमाशों के खिलाफ पीड़ित का अपहरण कर अवैध वसूली के लिए मारपीट करने का प्रकरण दर्ज किया।

प्रकरण के अनुसार पीड़ित नवीन माहेश्वरी पुत्र जीवन माहेश्वरी निवासी रोशन नगर सविना सेक्टर 12 ने पुलिस थाने में 30 मई को रात में रिपोर्ट दी कि रात में मेरा पुत्र तेजस माहेश्वरी घर के बाहर सामान लेने गया था। तभी प्रेमसिंह चौहान, कुशाल मेघवाल उर्फ मारतुस व अरदीन व अन्य 7-8 जने बाईकों पर सवार होकर आए एवं पुत्र से रूपये की मांग की। इसमे असमर्थता जताने पर पुत्र का अपहरण कर हिरणमगरी सेक्टर 5 में एक के पास ले गए, जहां मारपीट शुरू कर दी। पुत्र की सूचना पर मेरे मित्र अनिल जाखड़ के साथ मौके पर पहुचे तो बदमाश नशे में रूपयों की मांग की। इनकार करने पर मेरी कार के कांच फोड़ दिए। इसको देख जान बचाकर मौके से भागे। इस दौरान बदमाशों ने जान से मारने की धमकी दी। इस मामे में प्रकरण दर्ज होने पर पुलिस टीम ने प्रेमसिंह पुत्र रोशनसिंह राजपूत निवासी भुताला गोगुन हॉल महाराणा प्रताप कॉलोनी गवरी चौक सेक्टर 11 सविना तथा कुशाल मेघवाल पुत्र भगवतीलाल निवासी पावटिया अगड़ लसाड़िया हॉल पथिक नगर कच्ची बस्ती सविना को गिरफ्तार किया।

# ड्यूटी से घर लौट रहे गार्ड पर बदमाशों ने हमला किया

**डूंगरपुर,** (निसं)। गत देर रात ड्यूटी से लौट रहे एक सुरक्षाकर्मी पर 6 बदमाशों ने जानलेवा हमला कर दिया। बदमाशों ने गार्ड को बुरी तरह पीटा और उसकी बाइक व मोबाइल फोन लूटकर फरार हो गए। गंभीर रूप से घायल गार्ड को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह घटना कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत सिंटेक्स मिल के सामने डीपीएस स्कूल के पास हुई।

जानकारी के अनुसार देवभूमि कॉलोनी निवासी बृजराज सिंह बियोला सिंटेक्स मिल में सुरक्षाकर्मी के तौर पर कार्यरत हैं। बृजराज सिंह देर रात अपनी ड्यूटी खत्म कर बाइक से घर लौट रहे थे। इसी दौरान पीछे से आए 6 बदमाशों ने उन्हें घेर लिया और अचानक हमला कर दिया। हमले से बृजराज का संतुलन बिगड़ गया और वह बाइक सहित सड़क पर गिर पड़े। बोतलों, पत्थरों, लाठियों से किए वार इसके बाद बदमाशों ने बियर की बोतलों, पत्थरों और लाठियों से बृजराज पर वार किए। उन्हें लहूलुहान करने के बाद बदमाश उनका मोबाइल फोन और बाइक छीनकर अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से भाग गए। गंभीर रूप से घायल बृजराज किसी तरह हिम्मत जुटाकर रेंगते हुए सिंटेक्स मिल के मुख्य गेट तक पहुंचे। वहां मौजूद दूसरे सुरक्षाकर्मी को उन्होंने पूरी घटना बताई, जिसके बाद तुरंत कोतवाली पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची और घायल बृजराज को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज चल रहा है। पुलिस ने मामला दर्ज कर बदमाशों की तलाश और मामले की जांच शुरू कर दी है।

- स्कूल के पास छह बदमाशों ने गार्ड का सिर फोड़ा, बाइक और मोबाइल लूटा

# महिला पर हमले के आरोपी को 10 साल की सजा

**अलवर,** (निसं)। अलवर जिले में करीब तीन साल पहले महिला को लाठी-डंडों से मारपीट के दोषी को कोर्ट ने 10 साल की सजा सुनाई है। एडीजे कोर्ट संख्या-3 ने आरोपी को दोषी मानते हुए 66 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया।

जानकारी के अनुसार रामगढ़ कस्बे के गुर्जर मोहल्ले में महिला अत्री देवी के साथ 30 जुलाई 2023 को आरोपी हरमुख ने मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया था। लोक अभियोजक अजीत यादव ने बताया कि रामगढ़ के बहादुरपुर रोड स्थित गुर्जर मोहल्ले में अत्री देवी अपने बेटे हरमान को बुलाने के लिए गई थी। इस दौरान अत्री देवी ने देखा कि हरमुख उनके बेटे को शराब पिला रहा है। महिला ने इसका विरोध करते हुए हरमुख को बेटे को बिगाड़ने पर उलाहना दिया। इसी बात से नाराज होकर हरमुख ने लाठी से महिला पर हमला कर दिया और उसके साथ जमकर मारपीट की। हमले में अत्री देवी के सिर में गंभीर चोटें आई थीं। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत गंभीर होने पर आईसीयू में इलाज किया गया। घटना के बाद बेटे हरमान ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने हत्या के प्रयास सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर जांच की और न्यायालय में चालान पेश किया। मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने 13 गवाहों के बयान और 26 दस्तावेजी साक्ष्यों का अवलोकन किया। साक्ष्यों के आधार पर एडीजे कोर्ट संख्या-3 ने आरोपी हरमुख को दोषी करार देते हुए दस वर्ष के कारावास तथा 66 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई।

## जेईई-एडवांस्ड में शुभम कुमार ऑल इंडिया टॉपर

**कोटा,** (निसं)। आईआईटी रुड़की द्वारा जारी जेईई-एडवांस्ड 2026 रिजल्ट्स में एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट कोटा ने लगातार तीसरे वर्ष ऑल इंडिया रैंक-1 देकर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। इन रिजल्ट्स के साथ एलन ने अब तक आईआईटी-जेईई में 7 बार ऑल इंडिया रैंक-1 दिए हैं तथा अपने इतिहास में दूसरी बार ऑल इंडिया रैंक-1, 2 और 3 को दोहराया है। इससे पहले वर्ष 2016 में भी एलन ने यह उपलब्धि हासिल की थी। एलन के विद्यार्थियों ने देश की टॉप-10 रैंक में से 6, टॉप 50 में 24 क्लासरूम स्टूडेंट्स रहे हैं। देशभर में एलन की सफलता की अगुवाई एलन के कोटा क्लासरूम स्टूडेंट शुभम कुमार ने की। शुभम ने 360 में से 330 अंक प्राप्त कर ऑल इंडिया रैंक-1 हासिल की। श्रेष्ठता के दौर को जारी रखते हुए एलन के ही क्लासरूम स्टूडेंट कबीर छिल्लर ने 360 में से 329 अंकों के साथ ऑल इंडिया रैंक-2 तथा जतिन चाहर ने 319 अंकों के साथ ऑल इंडिया रैंक-3 प्राप्त की।

# अलवर में मंदिर से 100 मीटर दूरी पर शराब ठेका खुलने से आक्रोश

**अलवर,** (निसं)। अलवर शहर में अंबेडकर नगर विस्तार कॉलोनी के मुख्य रोड पर सोमवार सुबह शराब का ठेका खुलने की भनक लगते ही कॉलोनीवासी महिलाएं विरोध करने पहुंच गई, जहां महिलाओं के विरोध करने के बावजूद भी मंदिर से महज 100 मीटर की दूरी पर ही शराब का ठेका खोल दिया गया।

- महिलाओं ने प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन कर शराब ठेका बंद करने की मांग की

महिलाओं ने विरोध प्रदर्शन कर प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और तुरंत शराब ठेका बंद करने की मांग की। महिलाओं का कहना है कि अब यहां से निकलना मुश्किल हो जाएगा। ठेका बंद कराने के लिए अलवर कलैक्टर के पास भी पहुंचे हैं।

अलवर के अंबेडकर नगर विस्तार कॉलोनी के मुख्य रोड पर मंदिर के पास शराब ठेका हटाने की मांग को लेकर महिलाओं ने नारेबाजी की।

अंबेडकर नगर विस्तार निवासी हल्दीना स्कूल की व्याख्याता पूनम कुमारी का कहना है कि कॉलोनी में सभ्य लोग रहते हैं। दूर-दूर के गांवों से आकर यहां रहने लगे, ताकि अच्छे से बच्चों को पढ़ा सके। अब यहां शराब का ठेका खोल दिया है। बगल में मंदिर भी बना हुआ है। पूनम कुमारी ने कहा कि ऐसे में बहन-बेटियों का देर शाम निकलना मुश्किल हो जाएगा। अभद्र व्यवहार होने की पूरी आशंका रहेगी। स्कूली बच्चों को आने-जाने में असहज महसूस होगा।

सुबेदार बाबूलाल जाटव का कहना है कि रातोंरात शराब का ठेका खोल दिया। किसी को शिकायत करने का मौका नहीं दिया। अब सोमवार सुबह दुकान पर शराब का ठेका लिखा हुआ देखा। इसके तुरंत बाद पूरी कॉलोनी के लोग एकत्रित हो गए, यहां सबने शराब ठेका खुलने पर विरोध जताया है।

इस मामले में आबकारी विभाग की अधिकारी अर्चना जैमन से बात करने का प्रयास किया गया, लेकिन कोई बात नहीं हो पाई। उधर, पुलिस का कहना है कि यह आबकारी विभाग का मामला है। पब्लिक की शिकायत मिलने के बाद आगे कार्रवाई की जाएगी।

## अवैध बजरी परिवहन करते चार गिरफ्तार

**जोधपुर,** (कासं)। कमिश्नरेट के जिला पश्चिम में बजरी का अवैध खनन एवं परिवहन जारी है। पुलिस द्वारा लगातार कार्रवाई कर अवैध बजरी से भरे डंपर और ट्रैक्टर-ट्रॉलियां जब्त की जा रही है। रविवार को भी लूणी पुलिस की दो टीमों ने भटिण्डा गांव में अवैध बजरी परिवहन के आरोप में चार लोगों को पकड़ा और अवैध बजरी डंपरों को जब्त किया। आरोपियों के खिलाफ माइनिंग एक्ट में दो प्रकरण बनाए गए।

लूणी पुलिस थाने के एएसआई मुकेश कुमार ने बताया कि वे रविवार को गश्त पर थे। तब भटिण्डा गांव की सरहद में बजरी से भरे वाहन को रोका गया। चालक बजरी को लेकर संतोषजनक जवाब नहीं दे पाया। इस पर पुलिस ने तोडियाना आसोप निवासी श्यामलाल देवासी, आंकला खींवसर निवासी देवीसिंह को माइनिंग एक्ट में गिरफ्तार कर लिया। इसी तरह लूणी थाने के ही एएसआई भगवानाराम ने भटिण्डा गांव में अवैध बजरी के साथ रामलाल एवं हरसुखराम को गिरफ्तार किया।

# जोधपुर में बारिश हुई

**जोधपुर,** (कासं)। जोधपुर में सोमवार को एक बार फिर से मौसम बदला। शाम करीब 4 बजे बाद तेज हवा के साथ आंधी चल पड़ी। कहीं हल्की तो कहीं तेज बारिश शुरु हो गई। इससे पहले सुबह धूप रही। दोपहर दो बजे बाद बादल छाने शुरू गए थे। दो दिन पहले 30 मई को भी शहर में तेज अंधड़ और बारिश आई थी। इससे एक यूनिपोल और पेड़ गिर गए थे। सोमवार को अधिकतम तापमान 41 डिग्री दर्ज किया गया था। इधर, मौसम विभाग ने 2 और 3 जून को आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया है। सोमवार को शहरी तथा ग्रामीण इलाकों में हल्की बारिश से मौसम सुहावना हो गया।


**कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सा. नि. वि. जिला खण्ड इटावा**

क्रमांक: 295 दिनांक :- 22.05.2026

**निविदा सूचना संख्या 04/2026-27**

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से भवन एवं सड़क निर्माण कार्यके लिये उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवम् दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के ए्ए, ए बी, सी, डी श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से कार्यों हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेंगी। निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट Www.dipronline.org व http://www.pwd.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। निविदा अपलोड करने की तारीख 08.6.2026 को 06:00 बजे तक।

| S.No | UBN No | S.No | UBN No |
|---|---|---|---|
| 1 | PWD2627WSOB03276 | 2 | PWD2627WSOB03277 |
| 3 | PWD2627WSOB03278 | 4 | PWD2627WSOB03279 |
| 5 | PWD2627WSOB03280 | 6 | PWD2627WSOB03281 |
| 7 | PWD2627WSOB03282 | 8 | PWD2627WSOB03283 |
| 9 | PWD2627WSOB03284 | 10 | PWD2627WSOB03285 |
| 11 | PWD2627WSOB03286 | 12 | PWD2627WSOB03287 |
| 13 | PWD2627WSOB03288 | 14 | PWD2627WSOB03289 |
| 15 | PWD2627WSOB03288 | | |

(हेमराज चौधरी)
अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. जिला खण्ड इटावा

DIPR/C/9333/2026

# अशोक गहलोत की बौखलाहट ही डबल इंजन सरकार की लोकप्रियता का प्रमाण : सुमित गोदारा

## 'उपदेश देने के बजाय अपनी पूर्ववर्ती सरकार की विफलताओं को याद करें अशोक गहलोत'

**जयपुर** (कासं)। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने अशोक गहलोत के बयानों पर तीखा पलटवार करते हुए कहा कि प्रदेश में डबल इंजन सरकार के सुशासन, विकास कार्यों और बढ़ती जनस्वीकृति से कांग्रेस तथा अशोक गहलोत पूरी तरह बौखला गए हैं। यही कारण है कि वे तथ्यहीन और अनर्गल बयानबाजी कर मीडिया की सुर्खियों में बने रहने का असफल प्रयास कर रहे है।

गोदारा ने कहा कि अशोक गहलोत को दूसरों पर उंगली उठाने से पहले अपने पांच वर्षों के कुशासन, भ्रष्टाचार और प्रशासनिक विफलताओं को याद कर लेना चाहिए। उनके शासनकाल में राजस्थान पेपर लीक, महिला अपराध, माफिया राज और भ्रष्टाचार का पर्याय बन गया था। आज वही गहलोत सुशासन पर उपदेश देने का प्रयास कर रहे हैं, जिसे प्रदेश की जनता गंभीरता से नहीं लेती।

- **खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने किया पूर्व मुख्यमंत्री पर पलटवार**

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के सक्षम नेतृत्व में प्रदेश की डबल इंजन सरकार ने कानून व्यवस्था को सुदृढ़ किया है और अपराधियों तथा माफियाओं पर प्रभावी कार्रवाई कर कानून का राज स्थापित किया है। वर्षों से लंबित रामजल सेतु लिंक परियोजना और यमुना जल समझौते जैसी महत्वपूर्ण परियोजनाओं को गति देकर राजस्थान के जल भविष्य को सुरक्षित करने की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाए गए हैं। राइजिंग राजस्थान जैसे वैश्विक निवेश सम्मेलनों के माध्यम से प्रदेश में निवेश और रोजगार के नए अवसर सृजित किए जा रहे हैं।

गोदारा ने कहा कि पेपर लीक माफिया पर कड़ा प्रहार कर भर्ती प्रक्रियाओं में पारदर्शिता और विश्वास बहाल किया है। जल जीवन मिशन में हुए भ्रष्टाचार के दोषियों को कानून के शिकंजे तक पहुंचाकर यह स्पष्ट संदेश दिया गया है कि भ्रष्टाचार करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि अशोक गहलोत पांच वर्षों की उपलब्धियों का दावा करते हैं, जबकि सच्चाई यह है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व वाली सरकार ने मात्र ढाई वर्षों में विकास, सुशासन और जनकल्याण के ऐसे आयाम स्थापित किए हैं जो पूर्ववर्ती सरकार अपने पूरे कार्यकाल में नहीं कर सकी। आज किसान, युवा, महिला, गरीब, श्रमिक और समाज के प्रत्येक वर्ग को सरकार की योजनाओं का प्रत्यक्ष लाभ मिल रहा है।

विकसित ग्राम चौपाल और रात्रि विश्राम कार्यक्रमों पर उठाए जा रहे सवालों को निराधार बताते हुए गोदारा ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सुशासन का एक नया मॉडल प्रस्तुत किया है। वे गांव-गांव जाकर आमजन के बीच बैठते हैं, उनकी समस्याएं सुनते हैं और मौके पर ही समाधान सुनिश्चित करते हैं। मुख्यमंत्री का रात्रि विश्राम केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि जनभावनाओं को समझने और प्रशासन को जवाबदेह बनाने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि वैश्विक परिस्थितियों और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि का प्रभाव पूरे देश पर पड़ा है, लेकिन केंद्र और राज्य सरकार ने आमजन पर इसका बोझ कम करने के लिए हरसंभव प्रयास किए हैं। सरकार पंचायत-निकाय चुनाव करवाने के लिए पूरी तरह तैयार है। ओबीसी आयोग की रिपोर्ट प्राप्त होते ही अन्य पिछड़ा वर्ग को उनके संवैधानिक अधिकारों का पूर्ण लाभ सुनिश्चित करते हुए निष्पक्ष, पारदर्शी और लोकतांत्रिक चुनाव संपन्न कराए जाएंगे।

# शातिर नकबजन मोटा व कासिफ गिरफ्तार

## आरोपियों से सोने-चांदी के जेवरात व बर्तन बरामद

**जयपुर**। नाहरगढ़ थाना पुलिस ने सूने मकानों को निशाना बनाने वाली एक शातिर अंतरराज्यीय नकबजन गैंग का पर्दाफाश करते हुए दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने कार्रवाई कर ऐजास उर्फ मोटा और उसके साथी कासिफ को दबोचते हुए उनके कब्जे से चोरी किए गए सोने-चांदी के आभूषण एवं चांदी के बर्तन बरामद किए हैं।

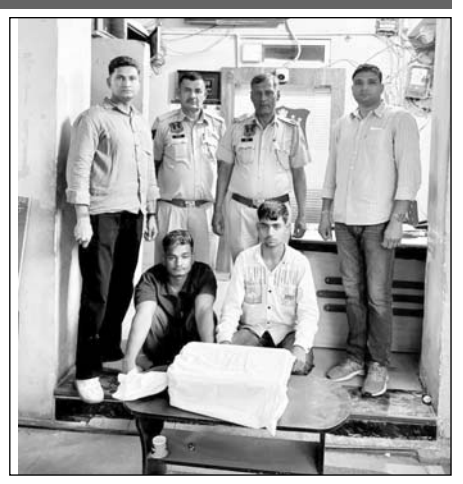

पुलिस उपायुक्त जयपुर (उत्तर) करण शर्मा ने बताया कि नाहरगढ थाना पुलिस ने सूने मकानों को निशाना बनाने वाली एक शातिर अंतरराज्यीय नकबजन गैंग के शातिर बदमाश कासिफ खान (19) निवासी जालुपुरा जयपुर और ऐजास उर्फ मोटा (24) निवासी कोतवाली टोंक हाल शिवपुरी (मध्य प्रदेश) को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों से चोरी का माल बरामद किया है, जिसमें सोने की चेन, अंगूठियां, चांदी की थाली, कटोरी, बगडी, ब्रेसलेट, चांदी का नारियल तथा 40 घुंघरू शामिल हैं।

थानाधिकारी दशरथ ने बताया कि मुख्य आरोपी ऐजास उर्फ मोटा आदतन अपराधी है, जिसके खिलाफ टोंक कोतवाली थाने में पूर्व में आधा दर्जन से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें चोरी, लूट, अपहरण एवं पॉक्सो एक्ट सहित गंभीर धाराएं शामिल हैं।

पुलिस के अनुसार मामले में शामिल टीम ने साइबर सेल की सहायता से लगातार तकनीकी निगरानी कर आरोपियों को ट्रैक किया। पुलिस ने आरोपियों को न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमांड लिया जा रहाह,ताकि शेष चोरी की नकदी एवं आभूषणों की बरामदगी की जा सके। थानाधिकारी दशरथ ने बताया कि 14 मई 2026 को माउंट रोड, नाहरगढ निवासी पीडित परिवादी ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनका जंवाई गंभीर बीमारी के कारण मालवीय नगर स्थित अपेक्स हॉस्पिटल में भर्ती था, जिसके चलते 11 मई 2026 को पूरा परिवार घर पर ताला लगाकर अस्पताल चला गया था। इसी दौरान 12 मई 2026 की रात जंवाई का निधन हो गया, जिसके चलते परिवार अस्पताल से सीधे कमानी फैक्ट्री, नारायण नगर स्थित निवास पर रुक गया। अगले दिन 13 मई की सुबह जब भतीजा घर पहुंचा तो मुख्य दरवाजे का ताला टूटा मिला और अंदर अलमारियां व तिजोरी के कुंदे कटे हुए पाए गए। घर का सारा सामान बिखरा पडा था। चोरों ने तिजोरी में रखे 1.50 लाख रुपये नकद सहित सोने-चांदी के कीमती आभूषण चुरा लिए। चोरी गए सामान में सोने के 2 जोडी हार, 3 जोड़ी झुमकी, बोरडे, रखड़ी, गोखरू, कड़े, 7 जेंट्स अंगूठी, 10 लेडीज अंगूठी, 2 जंतर, मंगलसूत्र, आड, 2 चेन, लॉकेट, ब्रेसलेट एवं अन्य आभूषण शामिल हैं। वहीं चांदी के आभूषणों व बर्तनों में पायल, हार, रखडी, गोखरू, पोछी, चांदी के बर्तन, नारियल, 20 सिक्के तथा गणेश-लक्ष्मी की मूर्तियां शामिल थीं। इस संबंध में थाने में मामला दर्ज कर विशेष टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने करीब 250 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और तकनीकी विश्लेषण के आधार पर आरोपियों की पहचान कर घेराबंदी कर दोनों को गिरफ्तार किया।

# 4 नए सहायक अभियन्ता कार्यालय खुलेंगे

**जयपुर** । जयपुर शहर में तेजी से विकसित हो रहे पृथ्वीराज नगर-उत्तर एवं दक्षिण, नारायण विहार तथा सवाई माधोपुर के टोडरा में विद्युत उपभोक्ताओं को जल्द ही बेहतर विद्युत सेवाएं मिलेंगी। राज्य सरकार ने जयपुर विद्युत वितरण निगम में चार नए सहायक अभियन्ता (विद्युत) कार्यालय के सृजन के प्रस्ताव को स्वीकृति दी है। इनके लिए सहायक अभियन्ता के चार नए पद सृजित करने की भी मंजूरी दी गई है। उल्लेखनीय है कि बजट 2026-27 के सामान्य वाद-विवाद तथा वित्त एवं विनियोग विधेयक पर चर्चा के दौरान इन कार्यालयों को खोलने की घोषणा की गई थी। इसकी अनुपालना में वित्त विभाग ने यह मंजूरी दी है। जयपुर डिस्कॉम की ओर से इन कार्यालयों को खोलने के आदेश जारी किए जा चुके हैं। नवसृजित नारायण विहार तथा पीआरएन (उत्तर) विद्युत सब डिवीजन को जयपुर नगर वृत्त (उत्तर) सर्किल के सीडी (प्रथम) खंड तथा नवसृजित पीआरएन (दक्षिण) सहायक अभियंता कार्यालय को जयपुर नगर वृत्त दक्षिण के खंड सीडी-6 के क्षेत्राधिकार में रखा गया है।

# वाहन चोर गैंग के 8 बदमाश पुलिस के हत्थे चढ़े

## आरोपियों के कब्जे से दो लग्जरी कारें व 1.96 लाख रु. नकदी बरामद

**-कार्यालय संवाददाता-**

**जयपुर।** खोह नागोरियान थाना पुलिस ने चौपहिया वाहन चुराने वाले चोरों और उनके संगठित सिंडिकेट के खिलाफ कार्रवाई करते हुए चोरी हुई स्कॉर्पियो बरामद कर दो मुख्य वाहन चोरों सहित चोरी का वाहन खरीदने वाले और नेटवर्क में शामिल आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया है। साथ ही पुलिस ने इनके कब्जे से दो लग्जरी कारें तथा 1.96 लाख रुपये नकद भी बरामद किए गए हैं। फिलहाल आरोपितों से पूछताछ की जा रही है।

खोह नागोरियान पुलिस ने चौपहिया वाहन चोर और खरीददार दबोचे।

पुलिस उपायुक्त (जयपुर पूर्व) रंजीता शर्मा ने बताया कि खोह नागोरियान थाना पुलिस ने चौपहिया वाहन चुराने वाले चोरों और उनके संगठित सिंडिकेट के खिलाफ कार्रवाई करते हुए चोरी हुई स्कॉर्पियो बरामद कर मुख्य वाहन चोर जयप्रकाश मीणा उर्फ टिंकू (19) निवासी मण्डावर जिला (दौसा) हाल खोह नागोरियान सुनील मीणा (25) निवासी रैणी जिला (अलवर) हाल इंदिरा गांधी नगर खोह नागोरियान सहित चोरी का वाहन खरीदने वाले एवं नेटवर्क सदस्य अनिल कुमार कीर (24) निवासी निम्बाहेडा (चित्तौड़गढ), रवि धोबी (32) निवासी कीरखेडा (चित्तौड़गढ),मनीष कुमार तिवारी (46), निवासी मंदसौर (मप्र) हाल नीमच (मप्र)लादूलाल जाट (41), निवासी कशमोर (चित्तौड़गढ), इन्द्र कीर (22) निवासी कीरखेड़ा (चित्तौड़गढ) और राहुल भाट (20) निवासी कीरखेडा कच्ची बस्ती (चित्तौड़गढ) को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने उसके पास से बरामदगी में चोरी की स्कॉर्पियो के साथ दो लग्जरी वाहन-स्विफ्ट डिजायर और वरना सहित 1,96,000 रुपये नकदी बरामद की है। खोह नागोरियान थानाधिकारी ओमप्रकाश मातवा ने बताया कि वाहन खरीदने वाले कई आरोपी लूट, चोरी और एनडीपीएस जैसे गंभीर अपराधों में पहले से संलिप्त हैं तथा इनके खिलाफ विभिन्न थानों में मामले दर्ज हैं। पुलिस टीम गिरोह से जुड़े अन्य फरार आरोपियों की तलाश जारी है तथा पूरे नेटवर्क की गहन जांच की जा रही है। इस पूरी कार्रवाई में हेड कांस्टेबल कमलेश कुमार, अशोक कुमार, कांस्टेबल रामावतार, हरेन्द्र, अशोक कुमार, दिनेश, रविन्द्र, विनोद सहित अन्य जवानों ने तकनीकी व जमीनी स्तर पर महत्वपूर्ण योगदान दिया। गौरतलब है कि 27 मई 2026 को परिवादी देवेंद्र मीणा (23) निवासी नारायण सिटी, कंचनजंगा अपार्टमेंट के पास जगतपुरा ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 26 मई 2026 की तड़के करीब 4:30 बजे घर के बाहर पार्क की गई उनकी काले रंग की स्कॉर्पियो चोरी हो गई। इस पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 303(2) के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस की विशेष टीम ने घटनास्थल और आसपास के क्षेत्रों के सीसीटीवी फुटेज खंगालकर आरोपियों की पहचान की तथा तकनीकी निगरानी के आधार पर उनका पीछा शुरू किया। पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए चित्तौड़गढ़ क्षेत्र में दबिश देकर मुख्य आरोपियों सहित वाहन खरीदने वाले पूरे नेटवर्क को गिरफ्तार किया।

# सराफ ने किया ट्यूबवेल का शिलान्यास

**जयपुर** । मालवीय नगर विधायक कालीचरण सराफ ने वार्ड 137 आदर्श बाजार गली नंबर 17 में जलदाय विभाग द्वारा लगाए गए ट्यूबवेल का शिलान्यास किया। नटवर कुमावत ने बताया की गली नंबर 17 और आसपास की कॉलोनी में पानी की समस्या रहती थी,और गर्मी के दिनों में गंभीर हो जाती है। ट्यूबवेल लग जाने से स्थानीय लोगों को पानी की समस्या से निजात मिलेगी। स्थानीय लोगों एवं व्यापारियों ने सराफ का जोरदार स्वागत कर आभार प्रकट किया।इस अवसर पर पूर्व पार्षद दिनेश गौड़ मंडल अध्यक्ष दीनदयाल सैनी, मोहित मूलचंदानी एक्सईएन नंदिनी गुप्ता, श्यामसुंदर शर्मा, विजय सैनी, गीता खंडेलवाल रजत परनामी,रघुनाथ, रमेश सैनी, सुभाष परवाल, सी के गुप्ता, एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

## सार-समाचार

### 80 देशों में मनाया इवेंट मैनेजर्स डे

**जयपुर**। विश्व के कोने-कोने में मौजूद इवेंट मैनेजर्स को समर्पित "इवेन्ट मैनेजर्स डे" 31 मई, को दुनिया के 80 देशों और अनगिनत शहरों में धूमधाम से मनाया गया। इवेंट मैनेजर्स डे के ग्लोबल कन्वीनर, अरशद हुसैन ने बताया कि इस ग्लोबल इनीशिएटिव के अन्तर्गत इस साल की थीम ग्लोबल पीस थ्रू इवेंट्स को लेकर पिंकसिटी के आमेर रोड स्थित होटल इंडियाना पैलेस में मुख्य समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में आतिशी नजारों के बीच भव्य समारोह में एंटरटेनमेंट में सेलिब्रेट हुआ। उल्लेखनीय है कि 2013 पूर्व इवेंट मैनेजर्स डे की शुरुआत जयपुर से ही हुई थी। इस समारोह में इवेंट प्रोफेशनल्स की मेहनत और समर्पण को समर्पित एक "इवेंट मैनेजर्स एंथम" भी जारी किया गया। कार्यक्रम के दौरान एक सत्र "लेट्स टॉक इवेंट्स" का आयोजन भी हुआ, जिसमें इवेंट इंडस्ट्री की भूमिका, चुनौतियों और भविष्य की संभावनाओं पर चर्चा हुई जिसमें प्रीतेश शर्मा, गुंजन सिंघल, अजीत सिंह, एस.के. रॉय, सुमन रैना और हितेंद्र शर्मा ने अपने विचार रखे। इस अवसर पर फोरम के पूर्व, अध्यक्ष, मोहित महेश्वरी, महावीर शर्मा, हरप्रीत बग्गा, जर्नल सेक्रेटरी, भुवनेश अग्रवाल (चावल वाला) उपस्थित रहे।

### ट्रैफिक पुलिस ने वितरित किए हेलमेट

**जयपुर**। राजधानी में सड़क सुरक्षा को लेकर जागरूकता बढ़ाने और दुपहिया वाहन चालकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जयपुर ट्रैफिक पुलिस ने सोमवार को फिनोवा कैपिटल प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से विशेष हेलमेट जागरूकता अभियान की शुरुआत की। यह अभियान अजमेरी गेट स्थित यादगार भवन के पास यादगार तिराहे पर चलाया गया, जहां बिना हेलमेट वाहन चलाने वाले दुपहिया चालकों को रोककर उन्हें सड़क सुरक्षा के नियमों की जानकारी दी गई तथा उन्हें आईएसआई मार्क हेलमेट वितरित किए गए। इस कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए पुलिस उपायुक्त (यातायात) योगेश गोयल ने कहा कि राज्य सरकार सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम को लेकर अत्यंत संवेदनशील है और इसी दिशा में ट्रैफिक पुलिस द्वारा लगातार जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हेलमेट न पहनने के कारण सड़क दुर्घटनाओं में मृत्यु का खतरा सबसे अधिक रहता है, इसलिए इसका उपयोग जीवन सुरक्षा के लिए अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि यातायात पुलिस के प्रयासों से सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने में काफी सफलता मिली है और इस प्रकार के अभियान आमजन के व्यवहार में सकारात्मक बदलाव लाने में सहायक सिद्ध होंगे। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (यातायात दक्षिण) रानू शर्मा ने इस पहल को समाज के लिए अत्यंत सकारात्मक बताते हुए सहयोगी संस्था का आभार व्यक्त किया।

### लुटेरी दुल्हन जेवरात-नकदी लेकर फरार

**जयपुर** । करधनी क्षेत्र में शादी के नाम पर ठगी करने वाली एक 'लुटेरी दुल्हन' और उसके गिरोह का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोप है कि दुल्हन शादी के मात्र 8 दिन बाद अपने पति को आगरा रेलवे स्टेशन पर पानी लेने भेज कर करीब 3.50 लाख रुपये के जेवरात और नकदी लेकर फरार हो गई। वहीं, शादी करवाने वाले बिचौलिये भी 1.50 लाख रुपये ऐंठकर मोबाइल बंद कर गायब हो गए। पुलिस ने बताया कि पीड़ित ने कोर्ट इस्तगासे के जरिए मामला दर्ज कराया, जिसके बाद करधनी थाना पुलिस ने लुटेरी दुल्हन, उसकी मां और बिचौलियों सहित पूरी गैंग के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एएसआई धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि कालवाड़ रोड निवासी 42 वर्षीय पीड़ित जनवरी 2026 में किसी कार्य से आगरा गया था। वहां उसकी मुलाकात विक्की पंडित, राकेश और एक महिला से हुई, जिन्होंने शादी न होने की बात जानकर एक लड़की का रिश्ता बताया। आरोपियों ने शर्त रखी कि लड़की गरीब परिवार से है, इसलिए शादी का पूरा खर्च पीड़ित को उठाना होगा। इसके बाद सौदा तय हुआ और शादी के नाम पर 1.50 लाख रुपये एडवांस वसूले गए। इसके बाद पीड़ित ने दुल्हन के लिए करीब 3 लाख रु. के जेवरात और एक मोबाइल फोन खरीदा। 15 जनवरी को वह जेवरात लेकर आगरा पहुंचा, जहां 16 जनवरी को कोर्ट में लिखित प्रक्रिया के तहत दोनों की शादी करवाई गई। इस दौरान दुल्हन की मां भी मौजूद थी। शादी के बाद 20 जनवरी को पीड़ित अपनी नवविवाहिता पत्नी को लेकर जयपुर लौट आया। लेकिन 29 जनवरी को दोनों आगरा घूमने गए, जहां आगरा कैंट रेलवे स्टेशन पर दुल्हन ने पति को पानी लेने भेजकर उसे धोखे से गायब हो गई। जब पीड़ित वापस लौटा तो दुल्हन वहां से फरार थी और उसका मोबाइल भी बंद आ रहा था। बाद में जयपुर आकर जब अलमारी जांची तो 3 लाख रुपये के जेवरात और 50 हजार रुपये नकद गायब मिले।

# दिनदहाड़े मंदिर में चोरी करने वाला गिरफ्तार

**जयपुर** । खोराबीसल थाना पुलिस ने दिनदहाड़े सूनसान मंदिर में चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर की सूचना के आधार पर आरोपी को दबोचते हुए वारदात में प्रयुक्त पिकअप भी बरामद किया।

थानाधिकारी सुरेंद्र सिंह ने बताया कि हनुमान मंदिर, खानडा चदरिया वाला बालाजी में हुई चोरी की घटना का खुलासा किया गया है। डीसीपी (वेस्ट) प्रशांत किरण ने बताया कि 31 मई को लालचंदपुरा निवासी फूलचंद यादव ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 29 मई को अज्ञात चोर मंदिर से नकदी, चांदी का पॉलिश किया हुआ छत्र, गेहूं के कट्टे तथा नारियल के कट्टे चोरी कर ले गए। प्रकरण दर्ज होने के बाद पुलिस ने मंदिर एवं आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। जांच के दौरान फुटेज में एक संदिग्ध पिकअप वाहन में कट्टे एवं अन्य सामान ले जाते हुए नजर आया। इसके आधार पर पुलिस ने मंशारामपुरा रोड क्षेत्र में निगरानी बढ़ाई और मुखबिर की सूचना पर एक संदिग्ध युवक को हिरासत में लिया। पूछताछ में आरोपी की पहचान भैरु नायक उर्फ बच्चा उर्फ धर्मेश (23), निवासी भोपा बस्ती, बैनाड़ के रूप में हुई। आरोपी ने अपने साथी रामबाबू भोपा के साथ मिलकर मंदिर में चोरी की वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया। इसके बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। उसकी निशानदेही पर वारदात में प्रयुक्त पिकअप वाहन भी बरामद कर लिया गया है। पुलिस के अनुसार आरोपी का एक साथी रामबाबू भोपा अभी फरार है, जिसकी तलाश जारी है।

# फसल को कीटों से बचाने के लिए मैविलॉन पेश

**जयपुर** । फसलों को कीटों से सुरक्षित करने का समाधान पेश करते हुए, कॉर्टेवा ने मैविलॉन लॉन्च किया है। मैविलॉन एक नई ग्रेन्युलर इंसेक्टिसाइड तकनीक है, जिसे धान की फसल में कीट नियंत्रण को नुकसान होने के बाद के बजाए पहले से रोकथाम करने यानि रिएक्टिव से प्रोएक्टिव बनाने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। बताया जा रहा है कि मैविलॉन को रोपाई के 30 से 35 दिनों बाद केवल एक बार इस्तेमाल करना होता है। यह फसल में नुकसान दिखाई देने से पहले ही सुरक्षा देना शुरू कर देता है। इसकी खास ग्रेन्युलर फॉर्मूलेशन बीपीएच के खिलाफ 60 दिनों तक और स्टेम बोरर के खिलाफ 15 दिनों तक सुरक्षा देती है।

**नगर निगम जयपुर की टीम ने सोमवार को शहर में अस्थायी अतिक्रमणों पर कार्रवाई करते हुए 25 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूला और 17 केन्टर सामान जब्त किया। टीम ने बड़ी चौपड़, जौहरी बाजार, संजय बाजार सब्जी मंडी सांगानेरी गेट, घाटगेट रोड, ट्रांसपोर्ट नगर, पुराना घाट, दिल्ली बाईपास रोड, बंगाली बाबा की बगीची, इंडिया गेट सीतापुरा रीको, श्योपुर रोड, रीको पुलिया मानसरोवर सांगानेर, रामपुर फाटक, रिद्धि सिद्धि से मोहन नगर कट तक, किंग्स रोड निर्माण नगर मानसरोवर तक कार्रवाई की।**

# सीजीडी संस्थाओं द्वारा राज्य में 132 एलपीजी फ्री जोन चिन्हित

## 15 दिनों 7400 परिवारों को डीपीएनजी कनेक्शन जारी : मुख्य सचिव

**जयपुर** (कासं)। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने बताया है कि राज्य की सीजीडी संस्थाओं द्वारा 132 एलपीजी फ्री जोन चिन्हित किये गये हैं, वहीं औद्योगिक और व्यावसायिक संस्थाओं को पाइप लाइन से गैस कनेक्शन जारी करने में उल्लेखनीय प्रगति की है। उन्होंने सीजीडी संस्थाओं को निर्देश दिए कि पूर्वनिर्धारित लक्ष्यों के अनुसार जून अंत तक 43 हजार परिवारों तक पाइप लाइन से घरेलू गैस कनेक्शन जारी किये जाने हैं। उन्होंने बताया कि पिछले 15 दिनों में सीजीडी संस्थाओं द्वारा 7400 डीपीएनजी कनेक्शन जारी किये जा चुके हैं। अब चिन्हित एलपीजी फ्री जोन में प्राथमिकता से डीपीएनजी कनेक्शन जारी करें ताकि जोन के सभी परिवारों को डीपीएनजी सेवाओं से जोड़ा जा सके।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास सोमवार को सचिवालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में राज्य की सीजीडी संस्थाओं की बैठक को संबोधित कर रहे थे। राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों व समन्वय का ही परिणाम है कि राज्य में प्रतिदिन डीपीएनजी कनेक्शन पहले की तुलना में

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास सोमवार को शासन सचिवालय में राज्य की सीजीडी संस्थाओं की बैठक ली।

- **'प्रदेशवासी एलपीजी से डीपीएनजी में शिफ्ट होने की करें पहल'**

दो गुणा से भी अधिक जारी होने लगे हैं। उन्होंने प्रदेशवासियों से आग्रह किया कि जिन क्षेत्रों में पाइपलाइन से घरेलू गैस कनेक्शन के लिए पाइप लाइन बिछा दी है वहां के नागरिक आगे बढ़कर डीपीएनजी कनेक्शन सुविधा से जुड़े। उन्होंने कहा कि केन्द्र और राज्य सरकार घरेलू गैस की सस्ती और सहज उपलब्धता के लिए डीपीएनजी सुविधाओं के विस्तार के लिए लगातार प्रयासरत है। वी. श्रीनिवास ने जिला रसद अधिकारियों को भी निर्देशित किया कि वे सीजीडी संस्थाओं से समन्वय बनाते हुए आधारभूत संरचना युक्त इलाकों में प्राथमिकता से डीपीएनजी कनेक्शन जारी कराएं। उन्होंने अवेयरनेस कार्यक्रम भी चलाने की आवश्यकता प्रतिपादित की।

अतिरिक्त मुख्य सचिव माइंस एवं पेट्रोलियम अपर्णा अरोरा ने बताया कि राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों से गत 2 माह में 33 औद्योगिक कनेक्शनों सहित 669 पाइप लाइन से औद्योगिक गैस कनेक्शन जारी किये जा चुके हैं। 2 माह में 133 व्यावसायिक कनेक्शनों सहित 740 पाइप लाइन से व्यावसायिक गैस कनेक्शन जारी किये जा चुके हैं।

अपर्णा अरोरा ने बताया कि विभागीय मोनेटरिंग का ही परिणाम है कि पाइपलाइन से घरेलू गैस कनेक्शन जारी करने के कार्य में भी तेजी आई है। गत 15 दिनों में 7400 परिवारों को डीपीएनजी सुविधा से जोड़ा जा चुका है। उन्होंने सभी 13 सीजीडी संस्थाओं से आधारभूत संरचना विकसित करने के काम में भी तेजी लाने और उपलब्ध संरचना क्षेत्र में निर्धारित लक्ष्यानुसार डीपीएनजी कनेक्शन जारी करने के निर्देश दिए। बैठक में निदेशक पेट्रोलियम अवधेश सिंह और प्रबंध निदेशक आरएसजीएल विनय पाटनी ने विस्तार से सीजीडी संस्थाओं की प्रगति से अवगत कराया। बैठक में विशिष्ठ सचिव माइंस नम्रता वृष्णि, पेट्रोलियम से दीलिप राज शर्मा, रोहित मल्लाह, सुषील हुड्डा, गगनदीप राजोरिया व सीजीडी संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

# एसएमएस स्टेडियम में 12 जून को जुटेगें किसान

**जयपुर।** भाजपा किसान मोर्चा की एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक सोमवार को प्रांतीय मुख्यालय में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी ने की। बैठक में राजस्थान में प्राकृतिक खेती को बड़े पैमाने पर बढ़ावा देने और किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए एक व्यापक कार्ययोजना तैयार की गई। बैठक में मुख्य रूप से आगामी 12 जून को जयपुर में होने वाले राज्य स्तरीय एक दिवसीय किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा और रणनीतियों पर विस्तार से चर्चा की गई।

- **हर मंडल से चुने जाएंगे 5 किसान, प्रत्येक जिले से 150 की भागीदारी**
- **गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत की टीम देगी गुरुमंत्र**

मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष कैलाश चौधरी ने बताया कि आगामी 12 जून को सवाई मान सिंह (एसएमएस) स्टेडियम में एक विशाल एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम होगा। इस शिविर की सबसे बड़ी विशेषता यह होगी कि इसमें प्राकृतिक खेती के क्षेत्र में वैश्विक पहचान बना चुके गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत और उनकी विशेषज्ञ टीम विशेष रूप से जयपुर आएगी। राज्यपाल और उनकी टीम खुद राजस्थान के प्रगतिशील किसानों को प्राकृतिक खेती के गुर, जीवमृत तैयार करने की विधि, भूमि की उर्वरा शक्ति बढ़ाने के वैज्ञानिक तरीके और कम लागत में अधिक मुनाफे के व्यावहारिक सूत्र सिखाएगी। इस कार्यक्रम में राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े, भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार चाहर, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ भी मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम को पूरी तरह जमीनी और प्रभावी बनाने के लिए संगठन स्तर पर एक त्रिस्तरीय चयन प्रक्रिया शुरू की गई है। भाजपा किसान मोर्चा की जिला इकाइयां पार्टी के प्रत्येक संगठनात्मक मंडल से 5-5 ऐसे जागरूक किसानों का चयन करेंगी जो प्राकृतिक खेती करने के इच्छुक हैं। प्रत्येक मंडल से चयनित इन नामों को संकलित कर हर जिले से कुल 150 किसानों की सूची तैयार की जाएगी। जिला इकाइयां इन सभी चयनित किसानों की अंतिम सूची तुरंत मोर्चा के प्रदेश कार्यालय को भेजेंगी, जिन्हें 12 जून को जयपुर में मुख्य प्रशिक्षण दिया जाएगा।

ARBiT
it happens here...

**Telangana Formation Day: Birth of India's Youngest State**

On June 2, 2014, Telangana officially became India's 29th state after separating from Andhra Pradesh, marking the culmination of a decades-long movement for regional identity and self-governance. The demand for statehood was rooted in concerns over water sharing, employment opportunities, and equitable development. Hyderabad was designated as the joint capital for a transitional period, while Telangana began building its own administrative and political framework. The formation was seen as a landmark moment in India's federal structure, reflecting the country's ability to accommodate regional aspirations within its democratic system while opening a new chapter of growth and governance for the region.

राष्ट्रदूत
TUESDAY
02 June 2026
A-B

#ODE

## The Unfiltered Crew

No one had labels, no DSM tags, no ADHD,
no dyslexia flags. We were just kids, some slow,
some fast, no diagnosis to make it last

I loved this n it's so true
Ode for the Unsterilised, Unapologetic Generation
My mum wielded one knife like Vishwakarma's blade-
Tomatoes, dhaniya, butter brigade.
No separate boards, no sterile rites,
Yet we lived, no blanting, no ambulance lights.
Our sandwiches wore recycled couture-
Wax paper from bread, tea foil demure.
E. coli, fatty.. No never.

We ate, we ran, we laughed, with a healthy liver.
We cycled through germs like warriors of lore,
Played on roads, lawns, gravel galore.
Made mud utensils, sculpted divine,
No Dettol wipes, yet we felt fine.
P.T. shoes, canvas, flat as fate,
No air-cushion soles to elevate.
We ran, we fell, we bruised, we healed,
No orthopedic drama was ever revealed.

The cane, the duster, the slap of truth-
Discipline wasn't abuse, it was youth.
We bowed to elders, not trauma charts,
Respect was earned, not torn apart.
Forty kids in one chalk-dusted den,
We learned to spell, to count, to pen.
No apps, no AI, no grammar bots-
Just teachers, books, and ink blots.

We prayed in chorus, sang the anthem loud,
No one sued, no one disavowed.
Religion was rhythm, not a fight-
Unity wasn't a copyright.
Detention meant shame, not therapy's gate,
We didn't "process," we just stayed late.
Pride was earned, not self-declared,
Trophies came when we truly dared.

No PlayStation, no cable maze,
Yet boredom never set ablaze.
We climbed trees, not leaderboards,
Our dopamine came from dusty chords.
Bee stings? Gravel wounds? Divine rites!
Iodine dabbed, then parental smites.
No ER drama, no legal fuss-
Just a scolding and a healing crust.

No one had labels, no DSM tags,
No ADHD, no dyslexia flags.
We were just kids-some slow, some fast,
No diagnosis to make it last.
No Prozac parades, no therapy squads,
We vented through cricket, not mental facades.
We were duped, they say, by simpler times-
Yet we survived without pills or rhymes.

So here's to us- the unfiltered crew,
Who drank tap water and still grew.
LOVE to all who shared this age,
And to those who missed it, sorry, stage.

So so truthfully nostalgic!

# The Woman Who Survived Henry VII

Catherine Parr.

King Henry in 1542.

Catherine engaged in discussions on theology and religious matters with leading reformers, and her views were seen by some at court as heretical. As a result, a warrant for her arrest was even issued, accusing her of heresy. This was a terrifying moment in her life, being at odds with Henry VIII, who had brutally punished those he considered enemies of the crown, was a grave risk. However, Catherine learned of the warrant before any action could be taken. In a dramatic turn of events, she is said to have fallen to her knees before Henry and explained that her debates were not meant to challenge his authority, but rather to learn and grow in her faith. Henry, who had come to rely on Catherine for both emotional and intellectual companionship, believed her, and the charges were dropped.

Catherine Parr.

**Bulbul Joshi**

#CATHERINE PARR

Born in 1512 to Sir Thomas Parr and Maud Green, Catherine was well-educated and highly regarded for her intelligence. Her initial education was similar to other well-born women, but she developed a passion for learning which would continue throughout her life. She was fluent in French, Italian, and Latin, and began learning Spanish after becoming queen. Catherine was raised as a Catholic but like Anne Boleyn, at some point, turned to Protestantism. According to biographer Linda Porter, the story that as a child, Catherine could not tolerate sewing and often said to her mother that "my hands are ordained to touch crowns and sceptres, not spindles and needles" is very likely apocryphal.

Her first marriage was to Sir Edward Burgh, who died shortly after their union. Following her first husband's death, Catherine Parr may have spent time with the Dowager Lady Strickland, Katherine Neville, who was the widow of Catherine's cousin Sir Walter Strickland, at the Stricklands' family residence of Sizergh Castle in Westmorland (now in Cumbria). In the summer of 1534, Catherine married, secondly, John Neville, 3rd Baron Latimer, her father's second cousin and a kinsman of Lady Strickland. With this marriage, Catherine became only the second woman in the Parr family to marry into the peerage.

The twice-widowed Latimer was nearly twice Catherine's age. From his first marriage to Dorothy de Vere, sister of John de Vere, 14th Earl of Oxford, he had two children, John and Margaret. Although Latimer was in financial difficulties after he and his brothers had pursued legal action to claim the title of Earl of Warwick, Catherine now had a home of her own, a title and a husband with position and influence in the north.

### Pilgrimage of Grace and later

Latimer was a supporter of the Catholic Church and had opposed the King's first annulment, his subsequent marriage to Anne Boleyn, and the religious consequences. In October 1536, during the Lincolnshire Rising, Catholic rebels appeared before the Latimers' home, threatening violence if Latimer did not join their efforts to reinstate the links between England and Rome. Catherine watched as her husband was dragged away. Between October 1536 and April 1537, Catherine lived alone in fear with her step-children, struggling to survive. It is probable that, in these uncertain times, Catherine's strong reaction against the rebellion strengthened her adherence to the reformed Church of England. In January 1537, during the uprising known as the Pilgrimage of Grace, Catherine and her step-children were held hostage at Snape Castle in North Yorkshire.

The tomb of Catherine Parr.

The rebels ransacked the house and sent word to Lord Latimer, who was returning from London, that if he did not return immediately, they would kill his family. When Latimer returned to the castle, he managed to talk the rebels into releasing his family and leaving, but the aftermath was taxing on the whole family.

The King and Thomas Cromwell heard conflicting reports as to whether Latimer was a prisoner or a conspirator. As a conspirator, he could be found guilty of treason, forfeiting his estates and leaving Catherine and her step-children penniless. The King himself wrote to Thomas Howard, 3rd Duke of Norfolk, pressing him to make sure that Latimer would "condemn that villain (Robert) Aske and submit to our clemency" Latimer complied. It is likely that Catherine's brother William Parr and her uncle, William Parr, 1st Baron Parr of Horton, who both fought against the rebellion, intervened to save Latimer's life.

Although no charges were laid against him, Latimer's reputation, which reflected upon Catherine, was tarnished for the rest of his life. Over the next seven years, the family spent much of their time in the south. In 1542, the family spent time in London as Latimer attended parliament. Catherine visited her brother William Parr, 1st Marquess of Northampton and her sister Anne Parr, countess of Pembroke at court. It was here that Catherine became acquainted with her future fourth husband, Sir Thomas Seymour. The atmosphere of the court was greatly different from that of the rural estates she knew. There, Catherine could find the latest trends, not only in religious matters, but in less weighty secular matters such as fashion and jewellery.

By the winter of 1542, Lord Latimer's health had worsened. Catherine nursed her husband until his death in 1543. In his will, Catherine was named as guardian of his daughter, Margaret, and was put in charge of his affairs until his daughter's majority. Latimer left Catherine a life interest in the manor of Stowe in Northamptonshire, eleven miles from Horton, and other properties. He also bequeathed money for supporting his daughter, and in the case that his daughter did not marry within five years, Catherine was to take £30 a year out of the income to support her. Catherine was left a rich widow, but after Lord Latimer's death, she faced the possibility of having to return north. It is likely that Catherine sincerely mourned her husband; she kept a remembrance of him, his New Testament with his name inscribed inside, until her death.

Using her late mother's friendship with Henry's first queen, Catherine of Aragon, Catherine took the opportunity to renew her own friendship with the former queen's daughter, Lady Mary. By 16 February 1543, Catherine had established herself as part of Mary's household, and it was there that Catherine caught the attention of the King. Although she had begun a romantic friendship with Sir Thomas Seymour, the brother of the late queen Jane Seymour, she saw it as her duty to accept Henry's proposal over Seymour's. Seymour was given a posting in Brussels to remove him from the King's court.

At the age of 31, Catherine found herself a widow for the second time, which set the stage for a significant change in her life. Having lived through the loss of two husbands, Catherine was now thrust into the orbit of England's most famous monarch: King Henry VIII.

Rose Maiden heraldic badge used by Catherine.

### Henry VIII and the Marriage Proposal

By the time Catherine met Henry VIII, the king was 52, severely overweight, and suffering from chronic health issues. His last wife, Catherine Howard, had been executed for adultery, and he had grown increasingly desperate for companionship. Enter Catherine Parr, an intelligent, articulate, and resourceful woman who could provide the king with a calm, thoughtful presence in his later years. In 1543, Henry proposed to Catherine Parr, despite the vast age difference and the fact that she had already been married twice before. Catherine was now in the prime of her life and had no real desire to be a third-time widow, but she had to accept. She married Henry in July 1543.

### Catherine's Role as Stepmother and Caregiver

Her marriage to Henry was a somewhat pragmatic union. At this point in his life, Henry's primary concerns were his health and securing the future of his dynasty. Catherine had a nurturing role, both as his wife and the stepmother to his three children: Mary, Elizabeth and Edward. She was also expected to take care of Henry's complex medical needs, which included nursing him during his many illnesses.

One of Catherine's significant roles was acting as a calming influence on Henry, particularly as the king became more erratic due to his declining health. She took charge of Henry's court, managing domestic affairs, advising on political matters, and, perhaps most importantly, taking charge of his children's upbringing.

Catherine enjoyed a close relationship with Henry's three children, Mary, Elizabeth and Edward. She was personally involved in the education of Elizabeth and Edward. She was influential in Henry's passing of the Third Succession Act in 1543 that restored his daughters Mary and Elizabeth to the line of succession to the throne. Catherine was appointed regent from July to September 1544 while Henry was on a military campaign in France; in the event that he lost his life, she was to rule as regent until Edward came of age. However, he did not give her any function in government in his will.

### Religious Debates and the Heresy Warrant

Although Catherine's primary duties involved managing the household and caring for Henry, she was also a woman of considerable intellect. She was particularly interested in theological debates and was influenced by Protestant reformist ideas. This caused her to challenge some of Henry's more traditional Catholic views, which was a dangerous move at a time when the king was highly sensitive about his religious policies.

Catherine engaged in discussions on theology and religious matters with leading reformers, and her views were seen by some at court as heretical. As a result, a warrant for her arrest was even issued, accusing her of heresy. This was a terrifying moment in her life, being at odds with Henry VIII, who had brutally punished those he considered enemies of the crown, was a grave risk.

However, Catherine learned of the warrant before any action could be taken. In a dramatic turn of events, she is said to have fallen to her knees before Henry and explained that her debates were not meant to challenge his authority, but rather to learn and grow in her faith. Henry, who had come to rely on Catherine for both emotional and intellectual companionship, believed her, and the charges were dropped. Catherine's diplomatic ability to explain her actions saved her from what could have been a tragic fate, and she continued to hold her position at court.

### The Marriage to Thomas Seymour

On 25 April 1544, Catherine published her first book, *Psalms or Prayers*, anonymously. Her book *Prayers or Meditations* became the first original book published by an English queen under her own name on 2 June 1545. She published a third book, *The Lamentation of a Sinner*, on 5 November 1547, nine months after the death of King Henry VIII.

After Henry's death on 28 January 1547, Catherine was allowed as queen dowager to keep the queen's jewels and dresses. She assumed the role of guardian to her stepdaughter Elizabeth, and took Henry's great-niece Lady Jane Grey into her household.

After Henry VIII's death in 1547, Catherine Parr was once again a widow. In a surprising turn, she remarried quickly, this time to Thomas Seymour. This marriage was controversial, Thomas was known for his flirtations and his ambitions, and Catherine's remarriage raised eyebrows at court.

Despite the scandalous nature of the marriage, Catherine and Thomas had a passionate relationship. Catherine became pregnant with Thomas' child, and they welcomed a daughter.

### Tragic Death and Legacy

Just days after giving birth, Catherine died, likely due to complications from childbirth. Her death was a tragic end to a life that had been filled with tumult, loss, and extraordinary political drama. Catherine was only 36 years old. Her funeral, held on 7 September 1548, was the first Protestant funeral in England, Scotland or Ireland to be held in English.

Catherine's legacy as the last wife of Henry VIII and as a significant figure in the religious and political landscape of England remains strong. She was a woman of remarkable intelligence, resilience, and courage, whose life was filled with high stakes and difficult choices. Catherine Parr's role in history as a stepmother, caregiver, and intellectual has earned her a place in the annals of English history, where she is remembered not just as Henry VIII's final wife but as a woman who defied expectations and survived one of the most dangerous courts in Europe. During the English Civil War, Sudeley Castle was used as a base by King Charles I, leading to its siege and sack by Parliamentarians in January 1643, during which Catherine's grave was probably disturbed and her monument destroyed. Contemporary writer Bruno Ryves reported that:

"There is in the castle a goodly fair church, here they dug up the graves, and disturb the ashes of the dead, they break down the monuments of the Chandoses."

rajeshsharma1049@gmail.com

Coat of Arms of Catherine Parr.

#DYNASTIES

# The House Of Yamato

The Oldest Royal Bloodline You Were Never Taught About: The House of Yamato

When most of us think of ancient dynasties, names like the Pharaohs of Egypt, the Roman emperors, or the British monarchy come to mind. Yet, there exists a royal family whose origins predate all of them, a lineage that has endured for more than 2,600 years. This is the House of Yamato, Japan's imperial family, and it is recognized by historians and the Guinness World Records alike as the world's oldest continuing hereditary monarchy.

### Myth and the Divine Origins

According to Japanese tradition, the imperial line began with Emperor Jimmu, a direct descendant of the sun goddess Amaterasu, around 660 BCE. Jimmu's story is part of Japan's foundational mythology, recorded in the Kojiki ("Records of Ancient Matters") and Nihon Shoki ("Chronicles of Japan"), the earliest written histories of the Japanese people.

These texts describe the emperors as descendants of the gods (kami), chosen to bring order and prosperity to the land. While modern historians treat the divine elements as myth, archaeological and cultural evidence does suggest that powerful clans coalesced around sacred leadership in central Japan roughly during that same period.

### The Emergence of the Yamato State

By the 4th century CE, the Yamato clan, based in what is now Nara Prefecture, had consolidated power over other regional chieftains. Through alliances, military strength, and divine symbolism, they established the foundation of what would become the Japanese state.

Unlike many dynasties that fractured under internal conflict or invasion, the Yamato rulers adapted. They borrowed heavily from Chinese political models, established a bureaucracy, and maintained legitimacy through Shinto ritual and ancestral continuity.

### A Dynasty That Survived Everything

Japan's emperors reigned through:

- The rise and fall of the samurai and shogunates, where real power often rested with military rulers but imperial authority remained symbolically supreme.
- The Meiji Restoration (1868), when the emperor was restored to political power and Japan modernized at lightning speed.
- The Second World War, after which Emperor Hirohito renounced his divine status, yet the monarchy itself endured, transitioning into a constitutional and ceremonial institution.

Today, Emperor Naruhito, enthroned in 2019, is the 126th emperor in this unbroken line.

### Why You Were Never Taught About It

Western education often centers on European dynasties, while Asian royal histories are sidelined. The House of Yamato's quiet endurance, largely free from the coups, usurpations, and collapses that define Western monarchies, makes it less dramatic to storytellers, but no less remarkable.

It represents a unique model of continuity, where adaptability, symbolism, and cultural unity preserved a lineage for over two millennia.

### The Living Thread of Japanese Identity

Today, the imperial family's role is strictly ceremonial under Japan's postwar constitution. Yet, their presence remains a living link to the country's mythic origins, a reminder that Japan's sense of identity, from ancient shrines to modern society, is deeply tied to the idea of unbroken heritage.

The House of Yamato isn't just Japan's royal family; it's a living monument to how tradition and transformation can coexist across the span of human history.

**THE WALL**

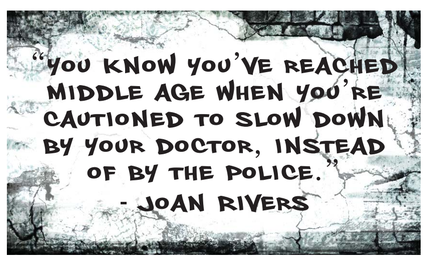


**BABY BLUES** By Rick Kirkman & Jerry Scott

**ZITS** By Jerry Scott & Jim Borgman

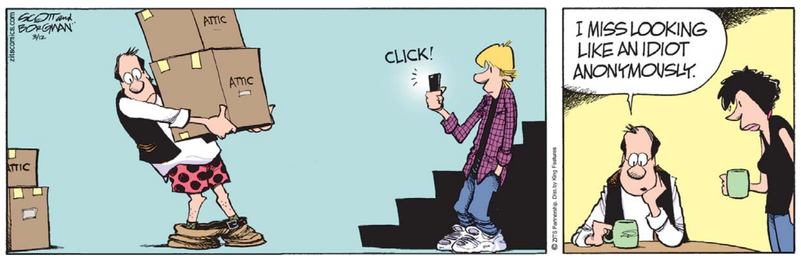

# कोटपूतली में खनन माफिया के विरोध में धरने पर बैठे ग्रामीणों पर बदमाशों ने फायरिंग की

## फायरिंग में 10 ग्रामीण घायल हुये, 3 की हालत गंभीर होने पर जयपुर रेफर किया

फायरिंग में घायल हुये ग्रामीण।

बदमाशों ने मौके पर खड़ी बाइकों में तोड़फोड़ कर दी।

**कोटपूतली,** (निसं)। निकटवर्ती सरूण्ड थाना क्षेत्र के ग्राम अजीतपुरा-कुजोता में खनन माफिया के विरोध में धरने पर बैठे ग्रामीणों पर फायरिंग किये जाने का मामला सामने आया है। हमले में 10 ग्रामीण घायल हो गये। वहीं 3 की हालत गंभीर बताई जा रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सोमवार को कुछ लोगों ने धरना स्थल पर पहुंचकर ग्रामीणों पर कथित रूप से फायरिंग और पथराव कर दिया, जिसमें 10 ग्रामीण घायल हो गये। घायलों में 3 की हालत गंभीर होने पर उन्हें जयपुर रैफर किया गया है। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में तनाव का माहौल बन गया तथा घटनास्थल पर डीएसपी राजेन्द्र कुमार बुरडक के नेतृत्व में सरूण्ड थानाधिकारी यशपाल सिंह, कोटपूतली थानाधिकारी राजेश शर्मा, पनियाला थानाधिकारी रणवीर सिंह सहित तीनों थानों का बड़ी संख्या में पुलिस बल मौके पर तैनात किया गया। उल्लेखनीय है कि ग्रामीण पिछले करीब 300 दिन से आबादी क्षेत्र में संचालित खनन कार्य एवं डीप होल ब्लास्टिंग का विरोध कर रहे थे। प्रशासन द्वारा 30 मई को धरना स्थल हटाने और सामान जब्त करने के बाद ग्रामीणों ने सोमवार को पुनः धरना शुरू करने का निर्णय लिया था। ग्रामीणों का आरोप है कि जब वे श्मशान भूमि के निकट पूर्व निर्धारित स्थल पर पहुंचे तो वहां रास्ते में पत्थर डालकर अवरोध खड़ा कर दिया गया था। ग्रामीणों के अनुसार कुछ लोग समस्या के समाधान के लिए प्रशासनिक अधिकारियों से मिलने गए थे, जबकि अन्य लोग धरना स्थल पर मौजूद थे। इसी दौरान तीन कैंपर वाहनों में सवार होकर आए कुछ बदमाशों ने ग्रामीणों पर फायरिंग और पथराव शुरू कर दिया। हमले से वहां भगदड़ मच गई और लोगों ने जान बचाने के लिए इधर-उधर भागकर शरण ली। हमलावरों ने मौके पर खड़ी कई मोटरसाईकिलों को भी पत्थरों और डंडों से क्षतिग्रस्त कर दिया। घटनाक्रम में मदन लाल वर्मा (69), सुगनचंद आर्य (65), दशरथ बावरिया (40), करिश्मा (16), महेंद्र कुमार मीणा (46), जगदीश योगी (60), कालू (60), विनय सिंह (26), दीपक (29), कालू खान (65) घायल हो गये, जिन्हें एम्बुलेंस की सहायता से यहां के राजकीय बीडीएम जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से गंभीर रूप से घायल विनय सिंह, दीपक, कालू खान को उपचार के लिये जयपुर रैफर किया गया है।

- तीन कैंपर वाहनों में सवार होकर आए कुछ बदमाशों ने ग्रामीणों पर फायरिंग और पथराव शुरू कर दिया, मौके पर भगदड़ मची
- घटनास्थल पर डीएसपी राजेन्द्र कुमार बुरडक के नेतृत्व में सरूण्ड, कोटपूतली और पनियाला थानों का जाब्ता तैनात किया गया

जिला पुलिस अधीक्षक सतवीर सिंह ने बताया कि सुबह करीब 11.30 बजे घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी गई। घटनास्थल से कारतूस के दो खोल बरामद हुए हैं, गोली लगने से कितने लोग घायल हुए हैं, इसकी पुष्टि चिकित्सकीय रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी। पुलिस आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दे रही है। ग्रामीणों ने खनन माफियाओं पर सुनियोजित हमले का आरोप लगाते हुए दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की मांग की है। घटना के बाद गांव में भारी पुलिस बल तैनात कर स्थिति पर नजर रखी जा रही है। वहीं प्रशासन और पुलिस अधिकारियों द्वारा मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है।

फायरिंग की घटना को लेकर ग्रामीणों व पुलिस की ओर से अलग-अलग दावे किये गये हैं। ग्रामीणों का कहना है कि हमलावरों द्वारा .315 राईफल्स से 12 बोर के दो दर्जन से अधिक राउण्ड फायर किये गये हैं, जबकि पुलिस का कहना है कि मौके पर 4-5 राउण्ड ही फायरिंग हुई हैं। सरपंच प्रतिनिधि नेतराम ताखर ने बताया कि करीब 300 दिनों पूर्व ग्रामीणों की ओर से नेशनल लाईमस्टोन कंपनी की ओर से आबादी क्षेत्र में खनन और डीप होल ब्लास्टिंग के विरोध में धरना प्रदर्शन शुरु किया। 30 मई को प्रशासन की ओर से धरने को जबरदस्ती हटा दिया गया और सामान जप्त कर लिया था। ग्रामीणों ने तय किया था कि सोमवार सुबह 9 बजे से जिला कलेक्ट्रेट पर ज्ञापन देने के बाद धरना प्रदर्शन शुरु किया जायेगा। सुबह एसडीएम योगेश सिंह देवल की ओर से ग्रामीणों को फोन आया कि आप अपना धरना प्रदर्शन का जब्त किया हुआ सामान ले जाओ। कलेक्ट्रेट की जगह जहां पहले धरना प्रदर्शन कर रहे थे वहीं करो। इसके बाद ग्रामीण कोटपूतली जाकर सामान लेकर आ गए। सामान लेकर गांव के पास स्थित श्मशान भूमि के पास धरना देने पहुंचे। लेकिन खनन माफियाओं ने पहले जगह को पत्थर डालकर बंद कर दिया था।

वहीं पूर्व संसदीय सचिव रामस्वरूप कसाना ने राजकीय बीडीएम जिला अस्पताल में पहुंचकर घायल ग्रामीणों के हाल चाल जाने। कांग्रेस जिलाध्यक्ष इन्द्राज गुर्जर, वरिष्ठ कांग्रेस नेता रामनिवास यादव आदि ने भी घटना की निंदा की है।

# राजलदेसर के पास बिनादेसर गांव में दो साल से पेयजल संकट

ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर शीघ्र समस्या समाधान की मांग की।

**राजलदेसर,** (निसं)। राजलदेसर कस्बे के निकटवर्ती ग्राम पंचायत बिनादेसर में दो वर्ष से जारी पेयजल संकट को लेकर सोमवार को ग्रामीणों और किसानों का आक्रोश खुलकर सामने आया। लंबे समय से पानी की समस्या से जूझ रहे ग्रामीणों ने तहसील कार्यालय पहुंचकर प्रदर्शन किया और मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर शीघ्र समस्या समाधान की मांग की।

ग्रामीणों का आरोप है कि गांव में एक वर्ष पूर्व पेयजल टंकी का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है, लेकिन आज तक उसमें पानी की सप्लाई शुरू नहीं की गई है। इसके चलते गांव के लोगों को भीषण गर्मी में पेयजल के लिए भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि इस संबंध में कई बार उच्च अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को अवगत कराया जा चुका है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। प्रदर्शन के दौरान कामरेड भादर भामू ने कहा कि

- समस्या को लेकर लेकर ग्रामीणों ने तहसील कार्यालय पर किया प्रदर्शन
- ग्रामीणों को मजबूरन 1000 रुपए टैंकर के देकर पानी डलवाना पड़ता है

गर्मी के इस मौसम में आमजन पानी की एक-एक बूंद के लिए संघर्ष कर रहे हैं, जबकि जिम्मेदार अधिकारी और जनप्रतिनिधि समस्या के प्रति गंभीर नजर नहीं आ रहे हैं। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि पांच दिनों के भीतर पेयजल समस्या का समाधान नहीं किया गया और नई टंकी से जलापूर्ति शुरू नहीं हुई, तो ग्रामीण उपखंड कार्यालय के सामने धरना-प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे।

सरपंच प्रतिनिधि तुलसीराम सारस्वत ने कहा कि ग्रामीणों को मजबूरन 1000 रुपए टैंकर के देकर पानी डलवाना पड़ता है, पशुओं के लिए भी पीने का पानी का बहुत बड़ा संकट है। एडवोकेट शिव भगवान सारस्वत ने कहा कि कांग्रेस विधायक, कांग्रेस सांसद केवल जीत के चले जाते हैं उनको इस महत्वपूर्ण समस्या के बारे में अनेकों बार अवगत करवा चुके हैं, लेकिन किसी तरह की कोई सुनवाई नहीं हो रही है। इस अवसर पर मेघवाल समाज के तहसील अध्यक्ष कालूराम मेघवाल, भीम आर्मी सेना के अध्यक्ष श्रवण बारूपाल, कालूराम नाई, मनोज सारस्वत, राजू सारस्वत, तोलाराम जाट, शिव भगवान शर्मा, राजूराम मेघवाल सहित सैकड़ों ग्रामीण और किसान मौजूद रहे। ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द से जल्द नई टंकी से जलापूर्ति शुरू कर बिनादेसर की पेयजल समस्या का स्थायी समाधान करने की मांग की है।

# पाटन के हाईवे पर स्कॉर्पियो पलटी, एक की मौत

## मेहंदीपुर बालाजी के दर्शन कर हनुमानगढ़ लौट रहे थे युवक

**नोहर,** (निसं)। सिकंदरा थाना क्षेत्र स्थित नेशनल हाईवे-21 पर रविवार को रेटा गांव के समीप दर्दनाक सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य घायल हो गए।

मेहंदीपुर बालाजी दर्शन कर हनुमानगढ़ लौट रहे युवकों की स्कॉर्पियो बाइक सवार को बचाने के प्रयास में अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई और चार बार पलटते हुए 10 फीट गहरी खाई में जा गिरी। हादसा घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, जिसमें स्कॉर्पियो को बेकाबू होकर पलटते हुए देखा जा सकता है। टक्कर इतनी भीषण थी कि वाहन के परखच्चे उड़ गए और दो युवक गाड़ी से उछलकर बाहर जा गिरे। हादसे में बालोतरा निवासी राजपाल (22) ने

- बाइक को बचाने के प्रयास में हादसा हुआ, पांच घायल
- हादसे का कारण तेज रफ्तार माना जा रहा है

मौके पर ही दम तोड़ दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय ग्रामीणों की मदद से घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया। गंभीर रूप से घायल करण सिंह को प्राथमिक उपचार के बाद जयपुर रेफर किया गया है। अन्य घायलों का उपचार जारी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक तौर पर हादसे का कारण तेज रफ्तार माना जा रहा है।

# मधुमक्खियों के हमले में महिला की मौत, एक घायल

**मसूदा,** (निसं)। निकटवर्ती देवमंगरी गांव में मधुमक्खियों के हमले से एक महिला की मौत हो गई, जबकि दूसरी महिला घायल हो गई।

जानकारी के अनुसार शनिवार सुबह कमला पत्नी संग्राम और मानी पत्नी भाला खेत में कृषि कार्य कर रही थीं। इसी दौरान खेत में स्थित नीम के पेड़ पर लगे मधुमक्खियों के छत्ते से निकली मधुमक्खियों ने दोनों महिलाओं पर हमला कर दिया। अचानक हुए हमले से दोनों महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गईं। परिजनों को घटना की जानकारी मिलने पर दोनों को तत्काल नसीराबाद चिकित्सालय ले जाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय, अजमेर रेफर कर दिया गया। उपचार के बाद कमला को घर भेज दिया गया, लेकिन रविवार सुबह तबीयत बिगड़ने पर परिजन उसे पुनः चिकित्सालय ले जा रहे थे। रास्ते में उसकी मौत हो गई।

# डूंगरपुर में घर से निकली युवती का शव मिला

**डूंगरपुर,** (निसं)। साबला थाना क्षेत्र में खोडियार माता मंदिर के पास एक युवती का संदिग्ध शव मिला है। युवती की पहचान हो गई है। उसके पिता ने बेटी की मौत पर संदेह व्यक्त किया है, जिसके बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

साबला थाना एएसआई के अनुसार पेमा बरगोटा मीणा ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। रिपोर्ट में बताया गया है कि उनकी बेटी 25 मई की सुबह करीब 8 बजे किसी काम से घर से निकली थी। वह अपनी सहेली के साथ थी। देर शाम तक घर न लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। 29 मई को भाई गणेश के मोबाइल पर एक अज्ञात व्यक्ति का फोन आया। फोन करने वाले ने बताया कि दोनों खोडियार माता मंदिर, साबला के पास पड़े हुए हैं और उन्होंने कथित तौर पर गोली खा ली है। 30 मई, शनिवार सुबह परिजनों को मौत की सूचना मिली। बाद में निठाऊवा पुलिस ने भी युवती की मौत की पुष्टि की। सूचना मिलने पर परिजन और रिश्तेदार मौके पर पहुंचे।

# तीन गिरफ्तार

**मसूदा/ब्यावर,** (निसं)। छह माह पूर्व ब्यावर शहर में हुई नकबजनी की वारदात का खुलासा करते हुए पुलिस ने अजीत काठात, इरफान और महावीर काठात को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने चोरी गए आभूषण बरामद करने के साथ ही चोरी की रकम से खरीदी गई पुरानी कार और वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल भी जब्त कर ली है। पुलिस के अनुसार 18 दिसंबर 2025 को हाउसिंग बोर्ड निवासी जितेंद्र जैन अपने परिवार के साथ एक सामाजिक कार्यक्रम में गए हुए थे। जांच करने पर अलमारी खुली मिली और घर से लगभग 10 तोला सोने के आभूषण, दो जोड़ी चांदी की पायजेब, चांदी की बिछिया, चांदी के आभूषण तथा अन्य सामान चोरी होना सामने आया।

# युवक के खाते में सायबर फ्रॉड के 5.51 लाख रुपये आये

**सीकर,** (निसं)। सीकर शहर के रहने वाले एक युवक के अकाउंट में सायबर फ्रॉड के 5.51 लाख रुपए आने का मामला सामने आया है। युवक ने इनमें से 4 लाख से ज्यादा रुपए उस दिन ही निकाल लिए। युवक के अकाउंट के खिलाफ सायबर पोर्टल पर भी शिकायत दर्ज है। उद्योग नगर एसएचओ राजेश कुमार बुडानिया ने बताया कि ऑपरेशन म्यूल हंटर के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। सीकर के वार्ड नंबर 48 निवासी मोहम्मद रिहान के अकाउंट के खिलाफ सायबर क्राइम स्टेट विंग से इनपुट मिला था। जब अकाउंट की जांच की गई तो पता चला कि 14 अगस्त 2025 को युवक के अकाउंट में चार लाख 83 हजार 565 क्रेडिट हुए, जो उसने चैक के जरिए उस दिन ही वापस निकाल लिए। जांच में सामने आया कि युवक के अकाउंट पर 13 अगस्त से 14 अगस्त के बीच हुए ट्रांजैक्शन पर सायबर पोर्टल पर दो शिकायत दर्ज हुई। दोनों शिकायतों का अमाउंट 5 लाख 51 हजार 565 रुपए है। शिकायत भी फर्स्ट लेयर की है, जिसका मतलब है कि जो भी पीड़ित सायबर फ्रॉड का शिकार हुआ उसने अमाउंट डायरेक्ट रिहान के अकाउंट में ट्रांसफर किया।

# पांच लाख का चोरी का माल सहित चार आरोपी गिरफ्तार

**कोटा,** (निसं)। दिल्ली-मुम्बई एक्सप्रेस-वे पर उम्मेदपुरा नयागांव में टनल निर्माण कार्य के दौरान पानी निकालने के लिये लगी दो मोटर व कंक्रीट के सेट्रींग की लोहे की प्लेटें चोरी के दर्ज मामले में मंडाना पुलिस टीम ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम ने पकड़े गये आरोपियों के पास से चोरी का करीब पांच लाख रूपये का माल बरामद किया। पकड़े गये आरोपियों के पास से पुलिस टीम ने छह लोहे की प्लेटें और दो पानी की मोटर बरामद की है। साथ ही वारदात में प्रयुक्त लोडिंग टेम्पो को भी जप्त किया है।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि 28 मई को संतोष कुमार सिंह ने रिपोर्ट दी। रिपोर्ट में कहा कि दिलीप बिल्डकॉन लि. कम्पनी में लाईजनिंग ऑफिस का कार्य करता हूँ, जिनकी कम्पनी वर्तमान में दिल्ली-मुम्बई एक्सप्रेस हाईवे के उम्मेदपुरा नयागांव में टनल निर्माण का कार्य कर रही है। 6-7 बड़ी प्लेटें व दो पानी की मोटर को 27 मई की रात्रि को कोई

- छह लोहे की प्लेटें व दो पानी की मोटर बरामद की

अज्ञात व्यक्ति वाहन में डालकर चोरी करके ले गये, जिसका स्टोर कर्मचारी नवीन द्वारा निरीक्षण करने पर पता चला। फरियादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया। मामले में गठित टीम ने तकनीकी अनुसंधान व सूचना के आधार पर भवरिया डडवाडा थाना मण्डाना निवासी भागचंद, मंडाना निवासी जगदीश मेघवाल, मनोहरपुरा हाल डडवाडा थाना मंडाना निवासी दिनेश कुमार एवं मंडाना निवासी राजेन्द्र सुमन को गिरफ्तार किया। ग्रामीण एसपी ने बताया कि पुलिस टीम ने पकड़े गये आरोपियों से पूछताछ पर चोरी की गई 6 लोहे की प्लेटें व 2 पानी की मोटरें बरामद की, जिनकी कीमत करीब पांच लाख रूपये है। टीम ने वारदात में प्रयुक्त लोडिंग टेम्पो को जब्त किया।

# उदयपुर की पॉश कॉलोनी में दो मकानों से लाखों के जेवर व नकदी चोरी

## घरों में लगे सीसीटीवी कैमरे के डीवीआर तक ले गए बदमाश

**उदयपुर,** (कासं)। उदयपुर शहर में पॉश कॉलोनी गोल्ड लीफ के दो मकानों के ताले तोड़ रविवार रात बदमाश लाखों के जेवर नकदी चोरी कर ले गए। दोनों ही घरों के परिवार पारिवारिक कार्य से गुडगांव गए थे। बदमाशों ने न सिर्फ घरों के सभी कमरों के इंटरलॉक तोड़े, बल्कि अलमारी में रखे बॉक्स में लगे स्ट्रॉन्ग लॉक तक तोड़कर सामान चोरी किया। बदमाश घरों में लगे सीसीटीवी कैमरे के डीवीआर तक उठा ले गए।

पुलिस ने बताया कि गोल्ड लीफ विला के क्यू 32 निवासी अनिल खंडेलवाल और क्यू 28 निवासी राजेश सिंघी के घरों में चोरी हुई। बदमाशों ने रात 2.30 बजे से 4 बजे

- बदमाशों ने घर के हर कमरे के दरवाजों पर लगे इंटरलॉक तोड़ दिए और अलमारियों को काफी डैमेज किया
- दोनों ही घरों के परिवार पारिवारिक कार्य से गुडगांव गए थे, पड़ोसी ने दी चोरी की सूचना

के बीच दोनों घरों में चोरी को अंजाम दिया है। क्षेत्रवासियों ने बताया कि पॉश कॉलोनी होने के बावजूद यहां पुलिस की गश्त नहीं है। इस क्षेत्र में पुलिस को गश्त के लिए कभी आते नहीं देखा। दोनों घरों से बदमाश करीब 15 से 20 लाख रूपए कीमत के जेवर-नकदी चोरी का ले गए हैं। इसके अलावा दरवाजों और अलमारियों की तोड़फोड़ कर लाखों का नुकसान किया है। गोल्ड लीफ विला क्यू 32 निवासी अनिल खंडेलवाल ने बताया कि वे परिवार के साथ दस दिन पहले गुडगांव गए थे। सोमवार सुबह पड़ोसी ने सूचना दी कि घर के ताले टूटे हुए हैं। हम गुडगांव से रवाना हो गए हैं पडोसियों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। बदमाशों ने घर के हर कमरे के दरवाजों पर लगे इंटरलॉक को तोड़ दिए हैं और अलमारियों को काफी डैमेज किया है। बदमाश घर में रखे करीब चार किलो चांदी के जेवर, 1 लाख रूपए कैश और कुछ ब्रांडेट घड़ियां चोरी कर ले गए।

दूसरी चोरी गोल्ड लीफ विला क्यू 28 विला निवासी राजेश सिंघी के यहां हुई है। राजेश सिंघी के अनुसार वे पारिवारिक कार्य के चलते गुडगांव में हैं। घर के परिसर की साफ-सफाई और पौधों को पानी देने के लिए काम करने वाली बाई आती है। आज सुबह बाई घर पहुंची तो सभी दरवाजों के ताले टूटे थे और सारा सामान बिखरा हुआ था। बाई ने पड़ोसियों को बुलाया और हमें कॉल किया। पता चला क्यू 32 में भी चोरी हुई है और पुलिस वहां आयी हुई है। इस पर पड़ोसियों ने क्यू 32 में मौका-मुआयना कर रही पुलिस को हमारे घर क्यू 28 में हुई चोरी की जानकारी दी। राजेश सिंघी के घर से बदमाश चांदी के जेवर 10 ब्रांडेड घड़ियां और डेढ लाख रूपए चोरी कर ले गए हैं। बदमाश इन दोनों घरों में लगे सीसीटीवी कैमरों के डीवीआर तक चोरी कर ले गए। पुलिस ने पड़ोसी के घरों में लगे सीसीटीवी फुटेज चेक किए। पड़ताल में सामने आया है कि बदमाशों ने रात करीब ढाई से सुबह चार बजे के बीच चोरी को अंजाम दिया है। इस दौरान बदमाशों की चहलकदमी कॉलोनी में दिखायी दी है।

# हादसे में एक की मौत, चार घायल

**माण्डलगढ़,** (निसं)। माण्डलगढ़-भीलवाड़ा नेशनल हाईवे सड़क पर बीगोद के पावनधाम के पद रविवार को बनाए गए नियम विरुद्ध स्पीड ब्रेकर से हुए हादसे ने एक बाइक सवार की जान ले ली। वहीं इस हादसे के शिकार हुए चार अन्य बाइक सवार गम्भीर रूप में घायल हो गए।

जानकारी के मुताबिक लाडपुरा से भीलवाड़ा तक 55 किलोमीटर तक एनएचएआई द्वारा करीब 15 वर्ष पूर्व बनाई गई टू लेन सड़क आए दिन हादसे पेश आ रहे हैं, इन हादसों ने कई परिवारों के चिराग बुझा दिए हैं, जो आज भी भारी सदमे में हैं। रविवार को बीगोद के पास सड़क के ब्लैक स्पॉट पर हादसों के बचाव को लेकर आनन-फानन में बेतरतीब ओर स्पीड ब्रेकर बना दिए और वाहन धारियों को सचेत करने के लिए मौक़े पर स्पीड ब्रेकर का कोई भी संकेत तक नहीं लगाया गया और न ही रिफ्लेक्टर लगाए गए। इस दौरान तेज रफ्तार से गुजर रही दो बाइकें अचानक हाईवे पर बने अनियमित स्पीड ब्रेकर की चपेट में आ गई, जिससे भीषण हादसा हो गया।

# पाटन के ग्राम मोहनपुरा खरकड़ा में मनरेगा में कथित अनियमितता का मामला सामने आया

**पाटन,** (निसं)। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत राजस्व ग्राम मोहनपुरा खरकड़ा में कथित अनियमितता का मामला सामने आया है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि सरकारी स्कूल जोहड़ी के विकास कार्य के नाम पर स्वीकृत मनरेगा कार्य वास्तविक रूप से मोक्ष धाम में कराया जा रहा है, जबकि सरकारी अभिलेखों में कार्य स्थल स्कूल जोहड़ी दर्शाया गया है।

ग्रामीणों के अनुसार मनरेगा योजना के तहत सरकारी स्कूल जोहड़ी के विकास और सुधार संबंधी कार्यों की

- स्कूल जोहड़ी के नाम पर स्वीकृत कार्य मोक्ष धाम में होने का ग्रामीणों ने आरोप लगाया
- ग्रामीणों ने प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष एवं उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग की है

स्वीकृति दी गई थी, लेकिन मौके पर जाकर देखने पर कार्य मोक्ष धाम में संचालित होता दिखाई दे रहा है। इससे योजना के क्रियान्वयन और भुगतान प्रक्रिया को लेकर कई सवाल खड़े हो गए हैं। ग्रामीणों ने यह भी सवाल उठाया है कि गांव में एक से अधिक मोक्ष धाम होने के बावजूद केवल एक ही स्थान पर कार्य क्यों कराया जा रहा है। अन्य मोक्ष धामों को विकास कार्यों से वंचित रखने के पीछे क्या कारण है, इसकी भी जांच होनी चाहिए। मामले को लेकर ग्रामीणों में रोष व्याप्त है। उनका कहना है कि स्वीकृत कार्य स्थल को बदलकर नियमों की अनदेखी की गई है। लोगों ने आशंका जताई है कि कहीं यह किसी विशेष मद से राशि निकालने या फंड के दुरुपयोग का प्रयास तो नहीं है। ग्रामीणों का आरोप है कि यदि कार्य स्थल परिवर्तन किया गया है तो इसकी वैधानिक अनुमति और प्रक्रिया सार्वजनिक की जानी चाहिए। ग्रामीणों ने प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष एवं उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग की है। साथ ही यह पता लगाने की भी मांग की है कि स्कूल जोहड़ी के नाम पर स्वीकृत कार्य मोक्ष धाम में कैसे कराया जा रहा है और इसके लिए कौन जिम्मेदार है।

ग्रामीणों का कहना है कि मनरेगा जैसी महत्वाकांक्षी योजना का उद्देश्य ग्रामीण गरीबों को रोजगार उपलब्ध कराना और सार्वजनिक परिसंपत्तियों का विकास करना है, लेकिन यदि योजनाओं में इस प्रकार की अनियमितताएं होती हैं तो इससे सरकारी धन के दुरुपयोग की आशंका बढ़ जाती है।

# कोटा : अवैध हथियार की खरीद फरोख्त में आरोपी गिरफ्तार

**कोटा,** (निसं)। बपावर कलां पुलिस टीम ने अवैध हथियार की खरीद-फरोख्त में फरार 10 हजार के ईनामी आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी को गिरफ्तारी को लेकर बपावर कलां पुलिस टीम के साथ मामले में साइबर व डीएसटी टीम ने संयुक्त रूप से कार्रवाई की।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि 23 फरवरी थाना बपावर कलां पुलिस टीम ने गश्त के दौरान आरोपी ईमरान उर्फ कालिया को अवैध पिस्टल सहित पकड़ा था। पिस्टल सहित पकड़े गये आरोपी से अनुसंधान किया तो आरोपी ने पिस्टल इस्लाम नगर निवासी लईक खान उर्फ अन्ना टाईगर से लाना बताया। मामले में आरोपी की गिरफ्तारी को लेकर विशेष टीम का गठन किया गया। ग्रामीण एसपी ने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी को लेकर टीम ने कोटा, बूंदी, टोंक एवं भीलवाड़ा में संभावित स्थानों पर दबिश दी। फरार आरोपी पर 10 हजार का ईनाम राशि घोषित की गई। ग्रामीण एसपी ने बताया कि टीम को मुखबिर से सूचना मिली कि प्रकरण का आरोपी लईक खान उर्फ अन्ना टाईगर कोटा आया हुआ है एवं अनन्तपुरा क्षेत्र में थड़ी पर है। सूचना पर थाना बपावर कलां पुलिस टीम, सायबर टीम एवं डीएसटी टीम को सांकेतिक स्थान पर रवाना कर तलाश किया गया तो आरोपी अनन्तपुरा में थड़ी पर बैठा नजर आया, जिसे विशेष टीम ने घेराबंदी कर इस्लाम नगर निवासी लईक खान उर्फ अन्ना टाईगर को गिरफ्तार किया। ग्रामीण एसपी ने बताया कि पकड़े गये आरोपी ने प्रारंभिक पूछताछ में घटना के बाद केरल, उड़ीसा, बेंगलूरु में फरारी काटना बताया, आरोपी से अनुसंधान जारी है।

## संक्षिप्त

### कोटपूतली में विशेष शिविर का आयोजन

कोटपूतली। स्वायत्त शासन विभाग के निर्देशानुसार भारत सरकार एवं राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी पीएम स्वनिधि योजना के अंतर्गत नगर परिषद कोटपूतली द्वारा विशेष शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर 01 जून 2026 से 30 जून 2026 तक नगर परिषद कार्यालय में आयोजित होगा। कार्यालय अवकाश को छोड़कर शिविर प्रतिदिन संचालित किया जाएगा। नगर परिषद के प्रभारी (एनयूएलएम) अभिषेक सैनी ने बताया कि योजना के तहत छोटे व्यवसाय करने वाले स्ट्रीट वेंडर्स एवं रेहड़ी-पटरी संचालकों को विभिन्न बैंकों के माध्यम से 15 हजार, 25 हजार एवं 50 हजार रुपये तक का ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही डिजिटल लेन-देन को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से पात्र लाभार्थियों को ब्याज में छूट की सुविधा भी प्रदान की जाएगी। उन्होंने बताया कि 18 से 60 वर्ष आयु वर्ग के पात्र वेंडर्स इस योजना का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। इच्छुक लाभार्थियों को शिविर में आवेदन के लिए आधार कार्ड, बैंक पासबुक तथा आधार से लिंक मोबाइल नंबर के साथ उपस्थित होना होगा। नगर परिषद प्रशासन ने अधिक से अधिक पात्र वेंडर्स से शिविर का लाभ उठाकर स्वरोजगार को सशक्त बनाने तथा अपनी आर्थिक गतिविधियों को आगे बढ़ाने की अपील की है। शिविर प्रतिदिन प्रातः 10:15 बजे से सायं 5:00 बजे तक संचालित रहेगा, जहां पात्र आवेदक मौके पर ही आवेदन प्रस्तुत कर सकेंगे।

### मंत्री रावत 2 को दौसा में

दौसा ( निसं. )। जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत मंगलवार को जिले के दौरे पर रहेंगे। जल संसाधन विभाग के अधिशासी अभियंता एमएल मीणा ने यह जानकारी देते हुए बताया कि मंत्री सुरेश सिंह रावत मंगलवार सुबह 8 बजे वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के अन्तर्गत कालाखो बांध का अवलोकन कर जल पूजन करेंगे। कार्यक्रम के अन्तर्गत कलश यात्रा, जल पूजन, पौधारोपण एवं जल संरक्षण के लिए संकल्प लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस मुख्य कार्यक्रम के अतिरिक्त जिले के सैंथल सागर बांध, सिंथोली बांध, माधोसागर बांध एवं जगरामपुरा बांध आदि पर भी विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

### दो कांस्टेबल लाइन हाजिर

लालसोट। स्मैक तस्करी के एक मामले में गिरफ्तार 10 हजार रुपये के इनामी आरोपी के खुलासे के बाद पुलिस विभाग में हलचल मच गई है। आरोपी ने पूछताछ के दौरान मंडावरी थाने के दो कांस्टेबलों पर सहयोग और लेन-देन के आरोप लगाए हैं। आरोपों को गंभीरता से लेते हुए दौसा एसपी ने दोनों कांस्टेबलों को लाइन हाजिर कर दिया है। मामला नवंबर 2025 में दर्ज एनडीपीएस एक्ट के प्रकरण से जुड़ा है। पुलिस के अनुसार, हाल ही में गिरफ्तार इनामी आरोपी ने पूछताछ में दावा किया कि उसका संपर्क मंडावरी थाने के दो पुलिसकर्मियों से था और उन्हें रुपये देने की बात भी कही। इसके बाद प्रारंभिक जांच में लापरवाही सामने आने पर दोनों कांस्टेबलों को लाइन हाजिर कर विभागीय जांच शुरू कर दी गई। एसपी ने कहा है कि मामले की गहन जांच की जा रही है आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस महकमे में इस घटनाक्रम को लेकर चर्चाओं का दौर तेज हो गया है।

### शहीदों के सम्मान में दो मिनट का मौन

लालसोट। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय इन्दावा में रविवार को अध्यापक कमलेश कुमार शर्मा के सेवानिवृत्त होने पर भावभीनी विदाई समारोह आयोजित किया गया।समारोह में प्रधानाचार्य राम लखन मीणा ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उनकी सेवाओं की सराहना की। उप प्रधानाचार्य पंकज कुमार आर्य ने उन्हें कर्तव्यपरायण एवं कर्मठ शिक्षक बताया।


नम्बर मिलाइए
8890333139



सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।


# काम में लापरवाही नहीं चलेगी, अधिकारी समय पर लक्ष्य को पूरा करें : अतुल प्रकाश

- खैरथल सचिवालय पर हुई कलेक्टर की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक, फार्मर रजिस्ट्री, पेंशन सत्यापन और जनगणना पर रहा फोकस, लापरवाही पर दिए सख्त निर्देश
- तिजारा में पेंडिंग पेंशन मामलों पर नाराजगी, टपूकड़ा और भिवाड़ी में धीमी जनगणना पर जताई चिंता दिए तेजी लाने के आदेश



जिला कलेक्टर अतुल प्रकाश ने खैरथल जिला सचिवालय पर समीक्षा बैठक ली।

खैरथल। जिला कलेक्टर अतुल प्रकाश की अध्यक्षता में सोमवार को जिला सचिवालय में साप्ताहिक समीक्षा बैठक हुई। बैठक में फार्मर रजिस्ट्री अभियान, पेंशन सत्यापन, जनगणना, वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान और संपर्क पोर्टल सहित कई योजनाओं की प्रगति जांची गई। कलेक्टर ने काम में लापरवाही पर नाराजगी जताते हुए अधिकारियों को समय पर लक्ष्य पूरे करने के सख्त निर्देश दिए।

बैठक के दौरान वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग पर जिला कलेक्टर ने सभी एसडीएम को फार्मर रजिस्ट्री अभियान में तय लक्ष्यों की शत-प्रतिशत पूर्ति करने को कहा। उन्होंने लंबित पेंशन सत्यापन प्रकरणों को एक सप्ताह में पूरा करने के आदेश दिए। तिजारा खंड में सबसे ज्यादा पेंशन मामले लंबित होने पर उन्होंने तुरंत कार्ययोजना बनाकर निस्तारण के निर्देश दिए।जनगणना कार्यों की समीक्षा में टपूकड़ा, नगर पालिका टपूकड़ा और नगर परिषद भिवाड़ी क्षेत्र में कम प्रगति पर कलेक्टर ने चिंता जताई। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को काम में तेजी लाने को कहा। सभी एसडीएम को पटवारियों की नियमित बैठक लेने और सीएलएफ भवनों के चिन्हीकरण के लिए फील्ड विजिट कर रिपोर्ट देने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने सार्वजनिक निर्माण विभाग को सड़कों का डिमार्केशन कार्य प्राथमिकता से पूरा करने को कहा। वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत सभी विभागों को तय कार्यक्रम के अनुसार गतिविधियां प्रभावी तरीके से चलाने के निर्देश दिए। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग की समर कंटीजेंसी योजना का एक बचा हुआ काम बिजली विभाग के साथ मिलकर जल्द पूरा करने को कहा। संपर्क पोर्टल पर फिर से खोले गए मामलों में परिवादियों से बात कर गुणवत्तापूर्ण समाधान करने के निर्देश दिए। साथ ही जीएसएस और चंबल परियोजना से जुड़े भूमि आवंटन मामलों की भी समीक्षा की। बैठक में अतिरिक्त जिला कलेक्टर शिवपाल जाट, उप अधीक्षक लालसिंह यादव, उप अधीक्षक तिजारा शिवराज, सहायक निदेशक वेद प्रकाश सैनी, अधीक्षण अभियंता पीडब्ल्यूडी ओमप्रकाश किराड़, संयुक्त निदेशक वीरेंद्र त्यागी, सीएमएचओ डॉ. अरविंद गेट, समाज कल्याण अधिकारी रमेश दहमीवाल, कोषाधिकारी सुरेश कुमार बंसल, अधीक्षण अभियंता पीएचडी धर्मवीर यादव, उपनिदेशक उद्यानिकी गोपाल मीणा मौजूद रहे।

## चोरी गई स्कोर्पियो बरामद

दौसा (निसं.)। दौसा कोतवाली पुलिस ने बड़ा खुलासा करते हुये अन्तर्राज्यीय वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश करते हुये वाहन चोर गिरोह सरगना को गिरफ्तार कर एक सप्ताह पूर्व दौसा से चुराई स्कोर्पियो बरामद की है। इधर कोतवाली पुलिस वाहन चोर गिरोह के सरगना से पुछताछ कर रही है, जिसके चलते प्रदेश से तकरीबन चार दर्जन से अधिक चोरी हुये वाहनों का राज खुलने की संभावना है। पुलिस अधीक्षक पीयूष दीक्षित ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में बताया कि 23 मई को परिवादी सुनील कुमार शर्मा पुत्र तुलसीराम शर्मा उम्र 50 साल निवासी गणेश नगर आगरा रोड दौसा ने थाना कोतवाली दौसा रिपोर्ट दर्ज कराई कि प्रार्थी के पास चौपहिया वाहन स्कोर्पियो रंग काला रजिस्ट्रेशन नम्बर आरे 29 यूए 8412 चेचिस नम्बर 122220894 इंजन नम्बर 477473 उक्त वाहन को प्रार्थी ने अपने गणेश नगर आगरा रोड स्थित मकान पर अच्छे तरीके से लॉक करके रखा था। उक्त वाहन को कुछ लोग 23 मई को प्रात:4 से 4.30 बजे के बीच मे चोरी करके ले गये।

# नकली नोट छापने व बेचने के मुख्य सरगना सहित दो पकड़े

- गिरोह के पास से नकली करेन्सी छापने की सामग्री 11 प्रिन्टर व 2 लेपटोप सहित करीब 24 लाख 84 हजार के नकली नोट बरामद किए

दौसा ( निसं.)। सदर थाना पुलिस ने बड़ी कार्यवाही करते हुये नकली भारतीय करेन्सी छापने एवं बेचने के मुख्य सरगना सहित अन्य दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है।

साथ ही गिरोह के पास से नकली करैन्सी छापने की सामग्री 11 प्रिन्टर व 2 लेपटोप, 6 पेपर रोल, 2 डिब्बा केमिकल, बुश, कटर, 10 वाटर मार्क डाई, कागजात व अन्य उपकरण सहित करीब 24 लाख 84 हजार के नकली नोट बरामद किये है। इधर पुलिस गिरफ्तार आरोपितों से पुछताछ कर रही है। पुलिस अधीक्षक पीयूष दीक्षित ने मुख्यालय पर आयोजित प्रेसवार्ता में बताया कि 28 मई को परिवादी कोतवाली थाना के थानाधिकारी भगवान सहाय पु.नि. ने अवैध 40 हजार रुपये की नकली भारतीय मुद्रा के साथ अभियुक्त आयुष कुमार मीना को गिरफ्तार किया था। प्रकरण में अनुसंधान के दौरान विधि से संघर्षरत किशोर को निरुध कर 47 हजार रु. की नकली भारतीय करेन्सी बरामद की गई। उन्होंने बताया कि इस प्रकरण की गहना से जांच एवं मुख्य सरगना को गिरफ्तार करने के लिए, पुलिस उपाधीक्षक धर्मेन्द्र कुमार शर्मा के सुपरविजन एवं सदर थानाधिकारी मुकेश कुमार के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम में भूपसिंह स.उ.नि. पुलिस थाना सदर, अरविन्द कुमार हैड कानि., पत्रालाल हैड कानि., कैलाश कानि., निरोत्तम कानि एवं मुकेश कानि को शामिल किया गया। गठित टीम ने फरीदाबाद में दबिश देकर नकली करेन्सी छापने व विक्रय करने के मुख्य सरगना संतोषसिंह वाल्मिकी सहित उसके साथी विशाल उपाध्याय गिरफ्तार किया गया। तथा एक विधि से संघर्षरत बालक को किया निरूध किया गया। अभियुक्तों के कब्जे से 24 लाख 37 हजार रूपये के नकली नोट कागज पर प्रिन्ट किये हुये तथा नोट छापने के लिये भारी मात्रा में कागज, पेपर, स्याही, वाटर मार्क डाई, लेपटॉप, प्रिन्टर व अन्य उपकरण जब्त किये गये। अभियुक्त पुलिस रिमाण्ड पर जिनसे अवैध नकली करेन्सी के सम्बन्ध में अनुसंधान जारी है। पुलिस अधीक्षक पीयूष दीक्षित ने बताया कि इस प्रकरण में आयुष कुमार मीना पुत्र राजेन्द्र कुमार उम्र 19 साल निवासी बीड की ढाणी तन मांगाभाटा पुलिस थाना सदर दौसा जिला दौसा, संतोष सिंह पुत्र प्रतापसिंह वाल्मीकी उम्र 33 साल निवासी तारापुर पुलिस थाना गौण्डा जिला अलीगढ उत्तरप्रदेशफरिदाबाद, हरियाणा, विशाल उपाध्याय पुत्र शंकर उपाध्याय निवासी खरोन्दा पुलिस थाना बेलहथ जिला गढ़वा झारखण्ड को गिरफ्तार किया गया है तथा एक बालक निरुद्ध किया गया है।

## महंगाई के खिलाफ प्रदर्शन

लालसोट। ब्लॉक चांदसेन कांग्रेस टीम के तत्वावधान में सोमवार को पूर्व चिकित्सा मंत्री परसादीलाल मीणा के नेतृत्व में भाजपा सरकार के खिलाफ बढ़ती महंगाई को लेकर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया गया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उपखंड कार्यालय पहुंचकर धरना-प्रदर्शन किया और पेट्रोल, डीजल सहित आवश्यक वस्तुओं की लगातार बढ़ती कीमतों पर सरकार को घेरा। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्र व राज्य सरकार की नीतियों के खिलाफ नारेबाजी की।

आमजन पर बढ़ रहे आर्थिक बोझ को लेकर नाराजगी जताई। इसके बाद उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर पेट्रोल-डीजल तथा दैनिक उपयोग की वस्तुओं की बढ़ती कीमतों पर नियंत्रण करने और आम जनता को राहत देने की मांग की। इस अवसर पर बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। वक्ताओं ने कहा कि लगातार बढ़ती महंगाई से आम आदमी का बजट बिगड़ गया है और सरकार को जनता के हित में ठोस कदम उठाने चाहिए।

# ग्रीष्मकाल में पेयजल, बिजली व स्वास्थ्य सेवाओं को सुचारु बनाए रखने पर विशेष जोर

- कलेक्टर ने की फ्लैगशिप योजनाओं, बजट घोषणाओं की समीक्षा

कोटपूतली। जिला कलेक्टर अर्पणा गुप्ता की अध्यक्षता में सोमवार को जिला कलेक्ट्रेट सभागार में साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में राज्य सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं, बजट घोषणाओं, विकास कार्यों, सम्पर्क पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों तथा आमजन से जुड़ी आधारभूत सुविधाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। उपखंड स्तर से ब्लॉक स्तरीय अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक से जुड़े।

बैठक में जिला कलेक्टर ने विभिन्न फ्लैगशिप योजनाओं की राज्य स्तरीय रैंकिंग एवं ब्लॉकवार प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए तथा सभी विभाग निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप कार्य करें। ग्रीष्मकालीन परिस्थितियों को देखते हुए जिला कलेक्टर ने पेयजल, विद्युत एवं स्वास्थ्य सेवाओं को सुचारु बनाए रखने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने विद्युत विभाग को आंधी-तूफान से प्रभावित विद्युत व्यवस्था की नियमित मॉनिटरिंग करते हुए आवश्यक सुधार एवं अपग्रेडेशन कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए, ताकि आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो। बैठक में वर्ष 2024-25, 2025-26 एवं 2026-27 की लंबित बजट घोषणाओं की विभागवार समीक्षा की गई। जिला कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को कार्यों की प्रगति में तेजी लाने तथा निर्धारित समयावधि में उन्हें पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही नीमराना-बहरोड़ क्षेत्र में संचालित महत्वपूर्ण परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। सम्पर्क पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों की समीक्षा करते हुए जिला कलेक्टर ने अधिकारियों को आमजन की समस्याओं का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिकायतों के समाधान में संवेदनशीलता एवं जवाबदेही का विशेष ध्यान रखा जाए। बैठक में सार्वजनिक निर्माण विभाग, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, सहकारिता, वन, राजस्व तथा स्वायत्त शासन विभाग से संबंधित बजट घोषणाओं एवं विकास कार्यों की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई। चिकित्सा विभाग की विभिन्न बजट घोषणाओं की वस्तुस्थिति का सत्यापन करने के निर्देश भी दिए गए।

# 50 हजार पौधारोपण का लक्ष्य पूरा करने पर चर्चा

दौसा (निसं.)। दौसा-बांदीकुई नगर विकास न्यास की बैठक सोमवार को जिला कलक्टर एवं न्यास अध्यक्ष डॉ. सौम्या झा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में इस साल 50 हजार पौधारोपण का लक्ष्य पूरा करने सहित विभिन्न विकास कार्यों पर चर्चा कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। सर्वप्रथम गत बैठक की कार्यवाही विवरण की समीक्षा की गई। जिला कलक्टर ने पूर्व बैठक में दिए गए निर्देशों के अनुपालन की बिंदुवार समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। इस वर्ष न्यास क्षेत्र में 50 हजार पौधे लगाने के लक्ष्य पर विस्तृत चर्चा की गई। इसके तहत प्रथम चरण में 11 हजार पौधों के रोपण की कार्ययोजना प्रस्तुत की गई। जिला कलक्टर ने शेष पौधारोपण के लिए भी शीघ्र विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर समयबद्ध रूप से क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने नगरीय क्षेत्रों के पार्कों, प्रमुख सड़कों तथा जल स्त्रोतों के आसपास अधिक से अधिक पौधे लगाने पर विशेष जोर दिया। बैठक में रीको, सार्वजनिक श्मशान, विद्यालय खेल मैदान एवं अन्य सार्वजनिक प्रयोजनार्थ भूमि आवंटन से संबंधित प्रस्तावों पर चर्चा की गई। इस दौरान राज्य सरकार की भूमि आवंटन नीति के नियमों की पूर्ण अनुपालना सुनिश्चित करते हुए आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए।

# लंबित मांगों पर कार्रवाई न होने पर प्रदेशव्यापी आंदोलन की चेतावनी

टोंक। निवाई में पंचायतीराज मंत्रालयिक कर्मचारी संगठन की उपशाखा ने सोमवार को उपखंड अधिकारी अजीत सिंह और विकास अधिकारी नंदकिशोर को ज्ञापन सौंपा। कर्मचारियों ने अपनी विभिन्न लंबित मांगों पर शीघ्र कार्रवाई न होने पर प्रदेशव्यापी आंदोलन की चेतावनी दी है। संगठन के अध्यक्ष प्रेमचंद माली और महामंत्री सुनील कुमार गुर्जर के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि पंचायतीराज विभाग दो साल से मंत्रालयिक संवर्ग की मांगों पर विचार नहीं कर रहा है। कर्मचारियों का कहना है कि कनिष्ठ लिपिक भर्ती-2013 की जांच के नाम पर उनकी सेवा संबंधी मांगों को लगातार लंबित रखा जा रहा है, जिससे उनमें रोष है। ज्ञापन में ग्राम पंचायतों में कार्यरत कनिष्ठ एवं वरिष्ठ सहायकों को ग्राम विकास अधिकारियों के समान अधिकार और जॉब चार्ट जारी करने की मांग की गई है। इसके अतिरिक्त, पंचायत लेखों में पारदर्शिता के लिए मेकर-चेकर-अप्रूवर व्यवस्था लागू करने, मंत्रालयिक संवर्ग का कैडर पुनर्गठन करने और अंतरजिला स्थानांतरण की अनुमति देने की भी मांग शामिल है।

- ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि पंचायतीराज विभाग दो साल से मंत्रालयिक संवर्ग की मांगों पर विचार नहीं कर रहा है।



टोंक में मंत्रालयिक कर्मचारियों ने एसडीएम-बीडीओ को ज्ञापन सौंपा।

## आरोपी गिरफ्तार

दौसा (निसं.)। सिकन्दरा थाना पुलिस ने बड़ा कारनामा करते हुये घटना के मात्र 70 घंटे में नाबालिक के साथ दुष्कर्म करने वाले आरोपित की पहचान कर गिरफ्तार कर लिया है। इधर पुलिस ने दुष्कर्म के आरोपित को न्यायालय मे पेश किया जहां उसे न्यायालय ने जेल भेज दिया। पुलिस अधीक्षक पीयूष दीक्षित ने बताया कि सिकन्दरा थाना में 26 मई को अबोध बालिका के पिता द्वारा रिपोर्ट पेश की कि मेरी 10 वर्षीय पुत्री का रात 12 बजे कोई अनजान व्यक्ति घर से उठाकर ले गया तथा उसके साथ दुष्कर्म जैसा कुकृत्य किया गया एवं बच्ची के साथ छेड़छाड व लोहे की चेन से जान से मारने की कोशिश की। उन्होंने बताया कि प्रकरण दर्ज कर घटना की गंभीरता का मध्यनजर रखते हुये अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महिला अपराध त्वरित अनुसंधान सैल दौसा योगेन्द्र फौजदार को जांच के निर्देश दिये गये। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक योगेन्द्र फौजदार ने मौके पर एमओबी, एफएसएल टीम तथा डॉग स्कॉवड टीम को बुलाकर भौतिक साक्ष्यो का संकलन किया गया।


**आम-सूचना** सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि फ्लेट न. 105 प्रथम फ्लोर खसरा नम्बर 163 गॉयल ऐवन्यू ग्राम रामसिंहपुरा उर्फ धौलाई जयपुर के असल दस्तावेजो पर ऋण प्राप्त कर राजदुलारी माथुर द्वारा एचडीएफसी बैंक लिमिटेड में रहन किये गये थे। राजदुलारी माथुर का निधन दिनांक 03.01.2025 को हो गया जिसकी मृत्यु के पश्चात उसके कानूनी वारिसान मे उसके पति मुकेश माथुर, पुत्र विधु माथुर, पुत्री अंजली माथुर ही एक मात्र कानूनी वारिसान बताये गये है तथा उपरोक्त सम्पत्ति के दस्तावेजो को मुकेश माथुर एवं अंजली माथुर ने विधु माथुर को दिये जाने के सन्दर्भ में अपनी सहमति दे दी है इसलिये उपरोक्त सम्पत्ति के असल दस्तावेज विधु माथुर को दिया जाना है यदि इसमें किसी भी व्यक्ति, वित्तीय संस्था अथवा बैंक आदि को कोई आपत्ति हो तो 10 दिवस के अन्दर अधोहस्ताक्षरकर्ता के पास लिखित में मय सबूत सम्पर्क करे अन्यथा बाद गुजरने मियाद आपत्ति स्वीकार नहीं की जायेगी। सूचित रहे।

सतीश चन्द्र गुप्ता (एडवोकेट)
मो. 9414056003
87 प्रभात कॉलोनी, विजयबाडी
पथ नम्बर 07 सीकर रोड जयपुर

**आम-सूचना** सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा अभिभाष्य युसुफ उर्फ पप्पु पुत्र श्री छुट्टन कुरैशी उर्फ मोहम्मद छुट्टन निवासी-प्लॉट नम्बर ए-32, आजाद कॉलोनी, हरिजन बस्ती, सीकर हाउस डन्डे के पास, नाहरी का नाका, जयपुर, राजस्थान का हूँ जो कि मेरा गोद लिया पुत्र इमरान खान एवं पुत्र वधु शौकीना मेरे अभिभाष्या के कहे में नही है मेरे अभिभाष्या का कहना नही मानते है तथा ना ही मेरे अभिभाष्या की सेवा सुश्रा करते है जिस कारण मेरे अभिभाष्या ने अपने गोद लिये पुत्र व पुत्र वधु को अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। अब गोद लिये पुत्र व पुत्र वधु का मेरे अभिभाष्या की समस्त प्रकार की चल व अचल सम्पत्ति से किसी प्रकार का कोई सम्बन्ध व सरोकार नही रहा है यदि कोई व्यक्ति या संस्था इनसे किसी प्रकार का कोई लेन देन या संव्यवहार करता है तो उसके लिये वह स्वयं जिम्मेदार होगा। सूचित रहें।

भवदीय
जयपुर ( मोहम्मद शाहिद कुरैशी ) एडवोकेट
दिनांक 01/06/26 मों नं. 9929011582

**खोया पाया**

मेरे प्लाट नम्बर 22, सिद्धी नगर धावास, जयपुर के मूल कागजात आवटंन पत्र, रसीद, मानचित्र जो भैरव गृह निर्माण सहकारी समिति लि. द्वारा दिंनाक 30.12.1998 को जारी किये गये थे, वह पालडी मीणा से जयपुर के बीच कही पर गिर गये है मिलने पर सूचित करे। अजय मो. 8209427748

**NAME CHANGE**

I have changed my name from Pramod Kumar Sharma to Pramod Sharma S/o Shrwan Lal Sharma R/o Plot No 70, Govindam Green City-20, Kalwar Road, Govindpura, Jaipur. For all purpose.

मैंने अपना नाम AMITA JAISWAL से बदलकर SAHIBA QURESHI धर्मपत्नी वसीम कुरैशी निवासी 142, कश्यम मार्ग, सम्राट सिनेमा के पीछे, सुभाष चौक जयपुर रख लिया है भविष्य में मुझे SAHIBA QURESHI के नाम से जाना पहचाना जावें।

मैं आर्मी नंबर JC878520Y रैंक NB/SUB दिसले संजय बापूराव, पोस्ट गाँव- राजपुर, तह.- खटाव, सतारा, महाराष्ट्र, ने अपने सर्विस रिकॉर्ड में अपने पुत्र का नाम हिमांशु से बदलकर हिमांशु संजय दिसले कर दिया है।

मेरा नाम राधेश्याम समोता टीकाराम समोता पुत्र सूजाराम निवासी निमड़ी ढाणी वाटिका है मुझे भविष्य में राधेश्याम समोता के नाम से जाना जाये।

**कार्यालय उप आवासन आयुक्त राजस्थान आवासन मण्डल वृत अलवर**
**आवश्यक सूचना**

मूलतः आवास संख्या 5/151, एन.ई.बी. विस्तार योजना, अलवर जो कि श्री नृपेन शर्मा पुत्र श्री ओम प्रकाश शर्मा को आवंटन पत्रांक 3938 दिनांक 10.01.2011 के द्वारा आवंटित किया गया था। आवास का अदेय प्रमाण पत्र क्रमांक 475 दिनांक 30.04.2012 को श्री नृपेन शर्मा पुत्र श्री ओम प्रकाश शर्मा के नाम जारी कर दिया गया। श्री नृपेन शर्मा द्वारा उक्त आवास के लिये जर्ये पंजीकृत मुख्तयारनामा दिनांक 28.04.2011 को श्रीमती शशी बत्रा पत्नी श्री राकेश बत्रा को अपना मुख्तयारआम नियुक्त किया गया। श्रीमती शशी बत्रा द्वारा आवास की रजिस्ट्री स्वयं के नाम से दिनांक 15.05.2012 को उप पंजीयक कार्यालय अलवर में पंजीकृत करवाई जा चुकी है। श्रीमती शशी बत्रा बहैसियत मुख्तयारआम आवास का बेचान जर्ये पंजीकृत बयनामा दिनांक 16.05.2012 को श्री करूण नरूला पुत्र स्व. श्री कंवलनयन नरूला को कर दिया गया। श्री करूण नरूला द्वारा आवास का बेचान जर्ये पंजीकृत बयनामा दिनांक 23.01.2025 को श्रीमती कैलाश देवी पत्नी श्री ओमप्रकाश को कर दिया गया। श्रीमती कैलाश देवी द्वारा उक्त आवास का मण्डल नियमानुसार लीज हस्तांतरण किये जाने हेतु दस्तावेज एवं शुल्क जमा करा कर आवेदन किया गया है। अतः जरिये इस विज्ञप्ति यह आगाह किया जाता है कि उक्त आवास संख्या 5/151, एन.ई.बी. विस्तार योजना, अलवर के सम्बन्ध में पिता, पुत्र, पुत्री, भाई, अन्य किसी रिश्तेदार व्यक्ति विशेष या हितकारी को एंव आम व्यक्ति विशेष को उजर एतराज हो तो वह इस विज्ञप्ति के प्रकाशित होने के 10 दिवस में, राजस्थान आवासन मण्डल वृत अलवर में अपना एतराज लिखित में प्रस्तुत करें अन्यथा श्रीमती कैलाश देवी पत्नी श्री ओमप्रकाश के पक्ष में आवास के लीज हस्तांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

उप आवासन आयुक्त, राजस्थान आवासन मण्डल वृत अलवर

**प्रपत्र-7**
**(देखिये नियम 21)**
**कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को**
(नाम, वर्णन तथा निवास स्थान)
मुकदमा नम्बर 638/2026

चूंकि श्री दिनेश मिश्रा निवासी तम्बाकू पारा, वार्ड-7 लालसोट दौसा ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत. प्रन्यास श्री सनातन धर्म शास्त्री संस्कृत महाविधालय समिति लालसोट दौसा जिला दौसा राजस्थान के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है। 1

अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारां प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।

और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां प्रस्तुत नही की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 27/5/26...को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 31/7/26

(मोहर अदालत) सहायक आयुक्त (प्रथम)
देवस्थान विभाग, जयपुर

**प्रपत्र-7**
**(देखिये नियम 21)**
**कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को**
(नाम, वर्णन तथा निवास स्थान)
मुकदमा नम्बर 635/2026

चूंकि श्री हनुमान सहाय मीना निवासी 28 कमाण्डर्स कॉलोनी पाच्यावालां, सिरसी रोड जयपुर राजस्थान ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत सरस्वती बाल शिक्षा निकेतन समिति ग्राम पोस्ट बोबास, तहसील दूदू जिला जयपुर राजस्थान के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।

अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारां प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।

और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां प्रस्तुत नही की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 25/5/26 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया। आइदा तारीख पेशी 30/7/26

(मोहर अदालत) सहायक आयुक्त (प्रथम)
देवस्थान विभाग, जयपुर

**उद्घोषणा (इश्तिहार)**
**अपर जिला एंव सेशन न्यायाधीश कम्र- 11, जयपुर महानगर प्रथम मु. सांगानेर**
व्यवहार मिश्रित (मुत्तफरिक) वाद सं- 13/2026
विषय : उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन प्राप्त करने हेतु प्रार्थना-पत्र।
प्रार्थी- नाम सत्यनारायण मीणा पुत्र स्व.श्री फूलचन्द जाति मीणा विवाद स्थान ग्राम चक करोल तह. सांगानेर जयपुर मृतक स्व.श्री फूलचन्द मीणा की सम्पत्ति के विषय में।
पेशी दिनांक 20/7/26

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, उपरोक्त प्रार्थी/प्रार्थीगण ने इस न्यायालय में इस आशय का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है कि मृतक, नाम स्व. फूलचन्द मीणा पुत्र स्व. गंगाबख्श जाति मीणा निवासी ग्राम चक करोल, तह. सांगानेर, जयपुर का उतराधिकारी स्वीकार कर उसके पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र, प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशिन, प्रदान किया जावे। अतः उक्त प्रार्थना-पत्र की स्वीकृति में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस न्यायालय में दिनांक...20....माह..07 सन् 2026.. को न्यायालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रमाण सहित प्रस्तुत करें। उक्त दिवस के पश्चात् कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी। आज दिनांक 25 माह 5 सन् 2026 को मेरे हस्ताक्षर से एवं न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।

मोहर
आज्ञा से
अपर जिला एंव सेशन न्यायाधीश कम्र- 11, जयपुर महानगर प्रथम मु. सांगानेर

**प्रपत्र-7**
**(देखिये नियम 21)**
**कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को**
(नाम, वर्णन तथा निवास स्थान)
मुकदमा नम्बर 645/2026

चूंकि श्री डा. निखिल बंसल पुत्र डा. ओ.पी. बंसल निवासी विकास कॉलोनी, बंसल हॉस्पिटल दौसा ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यांस पुण्यसेतु ट्रस्ट, प्रन्यास कार्यालय का पता 539, हनुमान नगर, झोटवाडा जयपुर राजस्थान के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।

अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारां प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।

और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां प्रस्तुत नही की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 27/5/26 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 3/8/26

(मोहर अदालत) सहायक आयुक्त (प्रथम)
देवस्थान विभाग, जयपुर

**OFFICE THE GRAM PANCHAYAT HAANSPUR PS- SHRIMADHOPUR (SIKAR)**
No. Eproe/2026-271/45 **E-Tender Notice No. 01/2026-27** Date:-01/06/2026

Bids for open tender of procurement Of Construction Material for Work in MGNREGA And Other Scheme in Gram Panchayat HAANSPUR Panchayat Samiti SHRIMADHOPUR (Sikar) are invited from Firms/Suppliers Registered Under the GST act 2017, 6.00 PM UPTO 11-06-2026. Other particulars of the bid may be visited on the procurement Portal http://sppp.raj.nic.in and http://eproc.rajasthan.gov.in) of the state and at Gram Panchayat HAANSPUR Office in all working days.

UBN:- SMD2627GLRC00045

Administrator, Gram Panchayat Haanspur, Panchayat Samiti Shrimadhopur
Village Development Officer, Gram Panchayat Haanspur, Panchayat Samiti Shrimadhopur

**आम-सूचना** सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य श्री खेमचन्द पुत्र श्री त्रिलोक चन्द, निवासी- जे.पी कॉलोनी-द्वितीय, बगरू, जिला जयपुर के पुत्रानं योगेश कुमार, सचिन कुमार व घनश्याम त्रिपाठी मेरे अभिभाष्य के कहने व सुनने में नही है। मेरे अभिभाष्य की चल व अचल सम्पत्ति से मेरे अभिभाष्य के तीनों पुत्रों योगेश कुमार, सचिन कुमार व घनश्याम त्रिपाठी का कोई संबंध व सरोकार नही है। अतः मेरे अभिभाष्य द्वारा अपने तीनों पुत्रों योगेश कुमार, सचिन कुमार व घनश्याम त्रिपाठी को अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता है तथा इनके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य, अपराध व किसी भी तरह की लेन देन या संव्यवहार के लिए जिम्मेदार मेरे अभिभाष्य नहीं होंगे, यदि कोई व्यक्ति, संस्था, इत्यादि किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध संव्यवहार योगेश कुमार, सचिन कुमार व घनश्याम त्रिपाठी से करेगा या रखेगा तो उसकी कोई जिम्मेदारी मेरे अभिभाष्य की नही होगी।

दिनेश चन्द शर्मा)
एडवोकेट
जयपुर
दिनांक : 01/06/2026 मो.न. 9928956595

**राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद**
सवाई मानसिंह स्टेडियम, जनपथ, जयपुर कार्यालय दूरभाष नं0 0141-2744283
फैक्स नं0 0141-2740568, ईमेल आईडी - rsscjaipur@gmail.com
क्रमांक :- एफ. 9/खेल उप./2026-27/राजकाज दिनांक :- 27/05/2026
**निविदा संख्या 03/2026-27**

राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद, जयपुर की ओर से निर्माता/अधिकृत विक्रेताओं से राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के तीरंदाजी खेल उपकरण (रिकर्व धनुष) की आपूर्ति हेतु सील बन्द लिफाफों में एतद् द्वारा निविदा आमंत्रित की जाती हैं। निविदा राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद, जयपुर कार्यालय में दिनांक 27.05.2026 को प्रकाशित कर दिनांक 03.06.2026 को अपराह्न 1.00 बजे तक प्राप्त की जावेगी तथा उसी दिन सायं 4.00 बजे उपस्थित निर्माता/अधिकृत विक्रेताओं अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जावेगी। निविदा का सम्पूर्ण विवरण http://sppp.rajasthan.gov.in & www.rssc.in पर देखी जा सकती है। UBN No.: RSC2627GSOB00003

राज.संवाद/सी/26/3848 सचिव

**आम-सूचना** सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी अभिभाष्या श्रीमती सरला, फाउण्डर व जन्मदाता डायरेक्टर राजस्थान बाईबल इन्स्टीट्यूट जयपुर पंजीकृत कार्यालय मुबारक बाग, अजमेर रोड, जयपुर की है। मेरी अभिभाष्या द्वारा उक्त राजस्थान बाईबल इन्स्टीट्यूट जयपुर के संबंध मे वाद-विवादो व संबंधित अन्य आवश्यक कार्यवाहियां करने हेतु दिनांक 31.12.2025 को सुरेन्द्र पैट्रिक, पुत्र स्व० श्री एस एम लाल, निवासी गोविन्दपुरी, राकडी, सोडाला, जयपुर-302006 के हित में एक मुखत्यारनामा खास निष्पादित किया था, जो नोटरी पब्लिक श्री सतीश सी अग्रवाल, एडवोकेट द्वारा तस्दीक हुआ है। उक्त मुखत्यारनामा खास को मेरी अभिभाष्या द्वारा पूर्व मे जनवरी 2026 मे मौखिक रूप से एवं जरिए लिखित नोटिस दिनांकित 27/05/2026 से निरस्त कर दिया है। इस बाबत उक्त सुरेन्द्र पैट्रिक के द्वारा भविष्य मे उक्त राजस्थान बाईबल इन्स्टीट्यूट जयपुर के बाबत किसी प्रकार की कार्यवाहियां किसी दीगर व्यक्ति के हित में किया जाता है तो वह अमान्य माना जावेगा और उसकी समस्त जिम्मेदारी उक्त सुरेन्द्र पैट्रिक एवं संबंधित व्यक्ति की होगी, उससे मेरी अभिभाष्या का कोई सरोकार नही होगा। अगर भविष्य में उक्त मुखत्यारनामा खास मे वर्णित उक्त सुरेन्द्र पैट्रिक द्वारा कोई भी कार्यवाहियां, किसी भी व्यक्ति के साथ की जाती है तो वह कानूनी रूप से अमान्य समझी जावेगी और उससे उत्पन्न किसी भी जिम्मेदारी से मेरी अभिभाष्या का कोई सरोकार नही होगा।

हरीश अग्रवाल,
एडवोकेट
मो०-9413346087

**राजस्थान सरकार**
**कार्यालय डॉ. भीमराव अम्बेडकर फाउण्डेशन, (अम्बेडकर पीठ)**
(सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग), ग्राम-मूण्डला, पो.-रूपवास, तहसील-जमवारामगढ़, जिला-जयपुर, राजस्थान-302027, Email:- secretaryapj@gmail.com Govt. Mail Id: ambedkarfoundation@RAJASTHAN.GOV.IN

**नीलामी सूचना**

इस कार्यालय के भण्डार में उपलब्ध अप्रचलित/अनुपयोगी आई.टी./ ईलेक्ट्रिकल सामानों (कम्प्यूटर, प्रिन्टर, UPS इत्यादि) जिनकी कीमत लगभग राशि 16,70,115.00 रूपये है, की नीलामी कार्यालय परिसर में दिनांक 18.06.2026 को अपराह्न 12.00 बजे व यदि आवश्यक हुआ तो दिनांक 19.06.2026 अपराह्न 12.00 बजे नीलामी हेतु गठित समिति द्वारा खुली बोली से की जावेगी। नीलामी की शर्ते नोटिस बोर्ड, कार्यालय की वेबसाईट www.ambedkarfoundationjaipur.in, SPPP पोर्टल एवं कार्यालय में मौके पर बता दी जावेगी।

NIB Code: SOC2627A0034, UBN Code: SOC2627GLOB00037
राज.संवाद/सी/26/3863 सचिव

**कार्यालय नगरपालिका मण्डल मनोहरपुर जिला जयपुर**
E-mail: npmanoharpur@rajasthan.gov.in
क्रमांक :- न.पा.मनो./ भूमि/2026-27/ 450 दिनांक :- 01/06/2026
प्रारूप 10 | नियम 6 (7) देखिये |
**लोक सूचना**

आवेदनकर्ता 1. श्री दीपक चंद वर्मा पुत्र श्री भैरूमल वर्मा, 2. श्री मुकेश चन्द कुम्हार पुत्र श्री भैरू मल कुम्हार जाति कुम्हार, निवासी बागावास चौरासी, तह. विराटनगर जिला जयपुर (राज.), ने इस कार्यालय में नीचे उल्लेखित भूमि का गैर कृषिक प्रयोजन (वाणिज्यक प्रयोजनार्थ) उपयोग हेतु ऐसी भूमि अपने अभिवृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है। अर्थात् **जिले सहित तहसील का नाम:** जिला जयपुर तहसील शाहपुरा, **ग्राम का नाम:** मनोहरपुर, **खसरा नंबर:** 9097/5289, **क्षेत्रफल:** 1140 वर्गमीटर, **प्रयोजनार्थ:** वाणिज्यक। इसलिए इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम 1956 की धारा 63 के अधिनियम पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिवृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 07 दिवस के भीतर किसी कार्यालय दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थन दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपरोक्त वर्णित समय के भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जावेगा कि किसी को कोई आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निस्तारण किया जाएगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक.................... को जारी की गई है।

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका मनोहरपुर, जिला जयपुर

**कार्यालय नगर निगम, भरतपुर**
क्रमांक : न.नि.भ./2026-27/4562 दिनांक : 27.05.2026
**सार्वजनिक सूचना**

न्यू पुष्पवाटिका कॉलोनी फेज-1 योजना भरतपुर के भूखण्ड संख्या 356 क्षेत्रफल 166.67 वर्गगज का आवासीय रूपान्तरण पट्टा विलेख क्रमांक 47 दिनांक 20.10.2021 नगर निगम, भरतपुर द्वारा श्रीमती आशा दिवाकर पत्नी श्री रामनाथ दिवाकर जाति धोबी निवासी-डी 56, जवाहर नगर, भरतपुर के नाम जारी किया गया। श्रीमती आशा दिवाकर पत्नी श्री रामनाथ दिवाकर ने उक्त भूखण्ड जरिये रजिस्टर्ड मुख्यारनामा आम दिनांक 17.07.2023 के द्वारा श्री मनोज कुमार पुत्र श्री प्रेमचंद के नाम कर दिया। श्री मनोज कुमार पुत्र श्री प्रेमचंद ने उक्त भूखण्ड जरिये रजिस्टर्ड बयनामा दिनांक 27.09.2023 के द्वारा श्रीमती संजू देवी पत्नी श्री मानिक चंद को विक्रय कर दिया। विक्रय होने के पश्चात् उक्त भूखण्ड का नाम परिवर्तन नगर निगम, भरतपुर के पत्रांक 16323-325 दिनांक 03.02.2024 के द्वारा श्रीमती संजू देवी पत्नी श्री मानिक चंद के नाम पूर्व में हो चुका है। श्रमती संजू देवी पत्नी श्री मानिक चंद ने उक्त भूखण्ड जरिये रजिस्टर्ड बयनामा दिनांक 03.07.2024 के द्वारा श्रीमती राधा कुमारी पत्नी श्री गजेन्द्र सिंह को विक्रय कर दिया। आवेदिका श्रीमती राधा कुमारी पत्नी श्री गजेन्द्र सिंह जाति जाट निवासी - मगोर्रा तहसील व जिला मथुरा उ०प्र० हाल निवासी शाहपुर तहसील वैर जिला भरतपुर उक्त भूखण्ड का नाम परिवर्तन कराना चाहती हैं।

भूखण्ड संख्या 356, न्यू पुष्पवाटिका कॉलोनी फेज-1, भरतपुर का नाम परिवर्तन करने की कार्यवाही इस कार्यालय द्वारा की जानी है। इस सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो अन्दर अवधि सात दिवस में कार्यालय नगर निगम, भरतपुर में अपनी आपत्ति दर्ज करावें अन्यथा गुजरने म्याद भूखण्ड संख्या 356, न्यू पुष्पवाटिका कॉलोनी फेज-1, भरतपुर का नाम परिवर्तन करने की कार्यवाही कर दी जावेगी एवं कोई आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी।

प्रभारी अधिकारी, स्कीम शाखा, नगर निगम, भरतपुर

## संक्षिप्त

### राहगीरों को पिलाया शरबत

**पावटा।** केंद्र सरकार द्वारा चलाए जा रहे वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान के तहत सोमवार को पुलिस थाना विराटनगर के सामने जल सेवा एवं जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान आने-जाने वाले वाहन चालकों, राहगीरों एवं आमजन को ठंडा शरबत पिलाकर गर्मी से राहत दी गई तथा जल संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। यह कार्यक्रम पुलिस अधीक्षक कार्यालय कोटपूतली-बहरोड़ के निर्देशानुसार आयोजित किया गया। सतवीर सिंह आईपीएस पुलिस अधीक्षक कोटपूतली-बहरोड़ के आदेश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नाजिम अली खान आरपीएस के निर्देशन एवं वृत्ताधिकारी विराटनगर उमेश कुमार निठारवाल आरपीएस के सुपरविजन में थाना प्रभारी सोहन लाल पुलिस निरीक्षक मय थाना स्टाफ ने कार्यक्रम को सफल बनाया। थाना परिसर के बाहर टेंट लगाकर आयोजित इस जल सेवा कार्यक्रम में पुलिसकर्मियों ने आमजन को जल का विवेकपूर्ण उपयोग करने, पानी की बर्बादी रोकने एवं वर्षा जल संठाहण अपनाने का संदेश दिया। साथ ही पारंपरिक जल स्त्रोतों जैसे कुएं, बावडी और तालाबों के संरक्षण, हरियालो राजस्थान अभियान, स्वच्छता तथा प्लास्टिक मुक्त वातावरण बनाए रखने के लिए भी प्रेरित किया गया। पुलिस अधिकारियों ने लोगों से अपने परिवार, समाज और कार्यस्थल पर जल संरक्षण की जिम्मेदारी निभाने का आव्हान किया। कार्यक्रम के दौरान जल-जंगल-ज़मीन एक प्राकृतिक बंधन का संदेश देते हुए पर्यावरण संरक्षण की शपथ भी दिलाई गई। सोहन लाल, थानाधिकारी विराटनगर ने बताया कि वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान के माध्यम से आमजन को जल बचाने और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया जा रहा है। पानी प्रकृति का अनमोल संसाधन है, इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को जल का सदुपयोग करना चाहिए।

### बरसात से मौसम हुआ खुशनुमा

**निवाई।** शहर सहित ग्रामीण क्षेत्र में सोमवार को सुबह से तेज धूप एवं गर्म हवाओं से जन जीवन अस्त व्यस्त हो गया। जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। शाम को हुई बरसात से तापमान में गिरावट आने से मोसम खुशनुमा हो गया। सुबह से ही आसमान से बरसती आग व थपेड़ मारती गर्म हवाओं से लोगों का घरों से बाहर निकलना दूभर हो गया। इस भीषण गर्मी व लू के चलते राहगीरों और दुपहिया वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। मौसम के इस मिजाज का सीधा असर व्यापार पर भी देखने को मिला। तेज हवाओं के साथ उडती धूल और मिट्टी से अपने सामानों को बचाने के लिए दुकानदारों को दुकानों के आधे शटर गिराने पडे। दिनभर की इस झुलसाने वाली गर्मी के बीच बिजली की अघोषित कटौती ने लोगों की परेशानियों को दोगुना कर दिया। घंटों तक बिजली गुल रहने के कारण लोग घरों के भीतर भी गर्मी से बेहाल होते रहे। दोपहर बाद अचानक मौसम का मिजाज बदला और आसमान में काले-घने बादलों का डेरा जमा होने लगा। देखते ही देखते ठंडी हवाओं के झोंके चलने लगे और बादलों की गडग़ड़ाहट के साथ बारिश का दौर शुरू हो गया। तेज गर्जना के साथ हुई इस झमाझम बारिश से देखते ही देखते शहर की सडक़ों पर पानी भर गया। बारिश ने लोगों को भीषण तपन से बड़ी राहत दिलाई। आसमान से बरसी राहत की बूंदों से वातावरण में गर्मी पूरी तरह शांत हो गई और तापमान में गिरावट दर्ज की गई। सुबह से जो लोग गर्मी से बेहाल थे, वह शाम सुहावने मौसम का आनंद लेते नजर आए। बारिश के बाद पूरे क्षेत्र का मौसम बेहद खुशनुमा और तरोताजा हो गया, जिससे लोगों ने राहत की सांस ली।

### सुरेन्द्र छेपट का सम्मान

**कोटपूतली, ।** राजस्थान दिव्यांग शक्ति संघ की ओर से राजपूताना कॉलेज परिसर में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें दिव्यांगजनों ने नेशनल अवॉर्ड से सम्मानित सुरेन्द्र छेपट का स्वागत एवं अभिनंदन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सुरेन्द्र छेपट ने नर सेवा-नारायण सेवा का संदेश दिया। उन्होंने दिव्यांगजनों के उत्थान के लिए शिक्षा और रोजगार को सबसे महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि आत्मनिर्भरता ही दिव्यांगजन सशक्तिकरण की कुंजी है। छेपट ने सरकारी योजनाओं पर चर्चा करते हुए दिव्यांगजनों को स्कूटी वितरण, पेंशन योजना, पालनहार योजना, स्वरोजगार के लिए ऋण और अन्य लाभकारी सरकारी सुविधाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता बालकिशन शर्मा ने की।

# कांग्रेस का प्रदेश में बढ़ती महंगाई, भ्रष्टाचार व पेपर लीक को लेकर विरोध प्रदर्शन

**किशनगढ़बास।** ब्लॉक कांग्रेस कमेटी किशनगढ़बास ने देश और प्रदेश में बढ़ती महंगाई, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी एवं पेपर लीक जैसी घटनाओं के विरोध विधायक दीपचंद खेरिया के नेतृत्व में में राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपकर आमजन से जुड़े मुद्दों पर ध्यान आकर्षित किया। ज्ञापन में केंद्र और राज्य सरकार की नीतियों को जनविरोधी बताते हुए आम जनता को राहत देने के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की गई। विधायक खैरिया के निजी सहायक सुनील कान्त गोल्डी ने बताया कि ज्ञापन में कहा गया कि रसोई गैस (एलपीजी), पेट्रोल और डीजल के दामों में लगातार वृद्धि होने से गरीब और मध्यम वर्ग का जीवन प्रभावित हो रहा है। महंगाई के कारण आम आदमी के लिए दैनिक जरूरतों को पूरा करना मुश्किल होता जा रहा है। सरकारी कार्यालयों और विभागों में व्याप्त भ्रष्टाचार पर भी चिंता जताई। ज्ञापन में कहा गया कि आम नागरिकों को छोटे-छोटे कार्यों के लिए भी रिश्वत और अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। युवाओं की बढ़ती बेरोजगारी का मुद्दा उठाते हुए कांठोस ने कहा कि रोजगार के पर्याप्त अवसर नहीं मिलने से युवाओं का भविष्य संकट में है। सरकार को रोजगार सृजन के लिए प्रभावी कदम उठाने चाहिए ताकि युवाओं को सुरक्षित भविष्य मिल सके। ज्ञापन में कांठोस ने नीट सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक मामलों पर भी कड़ी आपत्ति जताई। कांग्रेस ने कहा कि ऐसी घटनाएं लाखों विद्यार्थियों की मेहनत और भविष्य के साथ खिलवाड़ हैंइस मौके पर विधानसभा समन्वयक देव कसाना, प्रदेश महासचिव अजीत यादव, प्रधान बीपी सुमन, खैरथल-तिजारा महिला जिला अध्यक्ष विनोद कुमारी सांगवान, पीसीसी गिरीश डाटा, ब्लॉक अध्यक्ष किशनगढ़बास सन्दीप पाटिल, राम प्रसाद गुर्जरआदि शामिल थे।

किशनगढ़ बास में कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ विधायक दीपचंद खैरिया ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपा।

- किशनगढ़ बास में कांठोस ने विधायक के नेतृत्व में सौंपा ज्ञापन, सरकार होश में आओ के लगाए नारे

### ग्रेवल सड़क का निर्माण कार्य शुरू

**निवाई।** गांव बंशीपुरा से कायमनगर के रास्ते पर हो रहे अतिक्रमण को उपखण्ड अधिकारी अजीतसिंह राठौड के नेतृत्व में 4 जेसीबी मशीनों से हटाया गया। जिससे ग्रामीणों में खुशी की लहर दौड़ गई। तहसीलदार नरेश गुर्जर ने बताया कि जिला कलेक्टर टीना ढाबी द्वारा की गई जनसुनवाई में प्राप्त परिवाद के निस्तारण के तहत गांव बंशीपुरा की सिवायचक भूमि से अतिक्रमण हटाने कार्रवाई की गई। इस दौरान मौके उपखण्ड अधिकारी अजीतसिंह राठौड, पुलिस उपाधीक्षक रविप्रकाश शर्मा मय पुलिस जाब्ते के साथ आदेशानुसार सर्वे टीम द्वारा मौके पर बंशीपुरा से कायमनगर जाने वाले रास्ते का पुख्ता निशानात से सीमांकन कर रास्ते का निशानाद करवाया गया। यह रास्ता सिवायचक भूमि एवं डोटेड रास्ते के रूप में मौके पर कदीमी समय से आवागमन के उपयोग में आ रहा है, जिस पर सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा डामरीकरण सड़क बनवाया जाना प्रस्तावित है।

# भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के सम्मेलन में प्रदेशाध्यक्ष मेवाती ने गिनाई सरकार की उपलब्धियां

**कोटपूतली ।** भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा जयपुर जिला देहात उत्तर के तत्वाधान में ग्राम सुजातनगर में अल्पसंख्यक कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस महासम्मेलन में सैकड़ों की संख्या में मुस्लिम समाज और अल्पसंख्यक वर्ग के कार्यकर्ताओं ने शिरकत कर अपनी एकजुटता का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष हमीद खान मेवाती ने सम्मेलन में उमड़े जनसैलाब को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की नीतियों की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने अल्पसंख्यक समाज के उत्थान और सशक्तिकरण के लिए अनेक जनकल्याणकारी योजनाओं का दायरा बढ़ाया है। सरकार ने बिना किसी भेदभाव के समाज के अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक लाभ पहुंचाया है। मेवाती ने कहा कि केंद्र सरकार ने तीन तलाक जैसी सामाजिक कुप्रथा को कानूनी रूप से समाप्त कर मुस्लिम महिलाओं को समाज में सम्मान और न्याय दिलाने का ऐतिहासिक काम किया है। साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना और मुद्रा लोन सहित विभिन्न महत्वपूर्ण योजनाओं का सीधा लाभ देश के अल्पसंख्यक समाज तक बिना किसी बाधा के पहुंच रहा है। राजस्थान की कानून व्यवस्था और विकास कार्यों का जिक्र करते हुए हमीद खान मेवाती ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार ने पिछले ढाई वर्षों में विकास के नए आयाम स्थापित किए हैं। राज्य सरकार ने 'सबका साथ, सबका विकास' के मूल मंत्र पर चलते हुए समाज के सभी वर्गों के साथ-साथ मुस्लिम समाज के सामाजिक और आर्थिक हित में कई महत्वपूर्ण योजनाएं लागू की हैं, जिनका जमीनी स्तर पर आम जनता को भरपूर लाभ मिल रहा है। कार्यकर्ता सम्मेलन के सफल समापन के पश्चात प्रदेशाध्यक्ष हमीद खान मेवाती के नेतृत्व में पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं का काफिला बाबा इनायत शाह रहमतुल्लाह अलैह की पवित्र दरगाह पर पहुंचा। जहां सभी ने पूरी अकीदत के साथ मजार शरीफ पर चादर पेश की। कार्यकर्ताओं ने देश और राजस्थान प्रदेश में शांति, आपसी भाईचारे, खुशहाली और निरंतर विकास के लिए सामूहिक रूप से दुआ मांगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता जयपुर जिला देहात उत्तर के जिलाध्यक्ष अब्दुल सत्तार खान ने की। उन्होंने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सभी अतिथियों, पदाधिकारियों और दूर-दराज से आए कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। सम्मेलन की खास बात यह रही कि इसमें पुरुषों के साथ-साथ सैकड़ों महिला कार्यकर्ताओं ने भी बेहद उत्साहपूर्ण भागीदारी निभाई। इस दौरान भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष जंग बहादुर पठान, प्रदेश कोषाध्यक्ष जमरुद्दीन, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य जावेद खान, जयपुर शहर महामंत्री परवेज खान, जिला महामंत्री निजामुद्दीन, पूर्व सरपंच गोपाल अठावाल, सरपंच हरिराम कटारिया, जिला उपाध्यक्ष वसीम खान लोहार, रफीक मनियार, सरफराज चौहान, जिला मंत्री शरीफ कुरैशी, एजाज कुरैशी, सरदार रणवीर सिंह सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी व प्रबुद्धजन उपस्थित रहें।

### कृष्ण कुमावत मलेशिया में बने रेफरी

**शाहपुरा।** ग्राम तिगरिया निवाणा निवासी जयपुर के युवा खेल प्रशासक एवं अंतरराष्ट्रीय तकनीकी अधिकारी कृष्ण कुमावत को मलेशिया में आयोजित होने वाली आधिकारिक रूप से सहभागिता करने का अवसर प्राप्त हुआ है।

उन्हें इस प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में (अंतरराष्ट्रीय रेफरी) की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है, जो जयपुर एवं पूरे राजस्थान के लिए अत्यंत गर्व और सम्मान की बात है। यह प्रतियोगिता 1 से 5 जून 2026 तक मलेशिया में आयोजित की जा रही है, जिसमें विभिन्न एशियाई देशों के सैकड़ों पैरा खिलाड़ी एवं अधिकारी भाग लेंगे। कृष्ण कुमार कुमावत की यह उपलब्धि न केवल उनकी खेलों के प्रति समर्पण और अनुभव को दर्शाती है, बल्कि राजस्थान की बढ़ती हुई पहचान को भी अंतरराष्ट्रीय पैरा खेल मंच पर मजबूत करती है। उनके अंतरराष्ट्रीय रेफरी के रूप में चयन से प्रदेश के खिलाड़ियों एवं खेल अधिकारियों को नई प्रेरणा मिलेगी तथा पैरा खेलों के विकास को और अधिक गति प्राप्त होगी। समस्त खेल प्रेमियों, खिलाड़ियों एवं राजस्थानवासियों की ओर से कृष्ण कुमार कुमावत को इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के लिए हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल सफल कार्यकाल की शुभकामनाएँ दी गई।

# अवैध शराब माफियाओं के खिलाफ विशेष अभियान के तहत पांच आरोपी पकड़े

**टोंक ।** जिला पुलिस अधीक्षक रोशन मीणा के निर्देशन में चलाये जा रहे अवैध शराब माफियाओं के खिलाफ विशेष अभियान के तहत बनेठा पुलिस ने अवैध शराब ब्रांचों पर छापा मारकर चार आरोपी गिरफ्तार का गिरफ्तार कर उनके कब्जे से देगी व अंगेजी शराब एवं 17 हजार 900 रुपए नकद राषि जब्त की गई है। बनेठा थानाधिकारी ने बताया कि पुलिस टीम ने अभियान के तहत कार्यवाही करते हुए चार आरोपी गिर्राज, मंगल सिंह, रोहित सिंह और रामअवतार को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से कई ब्रांड के 241 देशी शराब के पव्वे, 257 अंग्रेजी शराब के पव्वे और 2 हाफ बियर के साथ-साथ विभिन्न ब्रांड की 189 बोतल-केन बीयर जब्त की है। वही अवैध शराब बिक्री से प्राप्त 17 हजार 900 रुपए नकद भी जब्त किए गए। पुलिस ने अवैध शराब की ब्रांच चलाने वाले इन आरोपियों के खिलाफ आबकारी अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत बनेठा थाने में प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान जारी है। इसी प्रकार अलीगढ़ थाना पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ कार्यवाही करते हुए क्षेत्र में चल रही एक अवैध शराब की ब्रांच पर छापा मारकर भारी मात्रा में देषी-अंग्रेजी शराब और बीयर बरामद की है। इस मामले में आरोपी दिलखुश पुत्र हेमराज मीणा (उम्र 27 साल), निवासी देवली, थाना अलीगढ़ को गिरफ्तार किया। आरोपी के कब्जे से 812 पव्वे देशी शराब, विभिन्न ब्रांड्स की 30 बोतलें, 67 पव्वे और 132 पव्वे अंठोजी शराब, तथा 164 बोतलें और 108 केन बीयर शामिल हैं। पुलिस ने आरोपी दिलखुश मीणा के खिलाफ अलीगढ़ थाने में आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।

अवैध शराब माफियाओं के खिलाफ विशेष अभियान के तहत बनेठा पुलिस ने अवैध शराब ब्रांचों पर छापा मारकर शराब जब्त की।

- पुलिस ने कई ब्रांड के 241 देशी शराब के पव्वे, 257 अंठोजी शराब के पव्वे और 2 हाफ बियर के साथ-साथ विभिन्न ब्रांड की 189 बोतल-केन बीयर जब्त की है। वही अवैध शराब बिक्री से प्राप्त 17 हजार 900 रुपए नकद भी जब्त की

### अखंड हरिनाम संकीर्तन की धूम

**निवाई।** जमात में संत शिरोमणि कृष्णानंद महाराज की असीम कृपा से अखंड हरिनाम संकीर्तन का भव्य व दिव्य आयोजन किया जा रहा है। इस धार्मिक अनुष्ठान को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह और गहरी श्रद्धा देखी जा रही है। भगवान के भजनों व अखंड हरिनाम के जयकारों से आस-पास को क्षेत्र गुंजायमान हो उठा है, जिससे संपूर्ण वातावरण अत्यंत पवित्र और भक्तिमय बन गया है। श्रद्धालु मोंटी शर्मा ने बताया कि वर्तमान में चल रहे पवित्र पुरुषोत्तम मास के पावन उपलक्ष्य में अखंड हरिनाम संकीर्तन का बीड़ा उठाया गया है। उन्होंने बताया कि यह आध्यात्मिक आयोजन आगामी 15 जून तक लगातार इसी प्रकार बड़े ही हर्षोल्लास, गरिमा व धूमधाम के साथ मनाया जाएगा। प्रभु भक्ति का यह सिलसिला दिन-रात अनवरत रूप से चल रहा है। जिसको लेकर दिन भर बड़ी संख्या में श्रद्धालु पांडल में एकत्र होते हैं और पूरी तल्लीनता के साथ सामूहिक रूप से हरिनाम संकीर्तन करते हुए ईश्वर की आराधना में लीन रहते हैं। भक्ति की यह बयार सुबह से लेकर देर शाम तक अनवरत बहती रहती है। मोंटी शर्मा ने बताया कि प्रतिदिन शाम को 8 बजे भगवान की विशेष महाआरती का आयोजन किया जाता है, जो सभी के आकर्षण व श्रद्धा का मुख्य केंद्र होती है।

## सार-समाचार

### बिदारा में नालियां जाम, गंदगी से ग्रामीण परेशान

**शाहपुरा ।** नगर परिषद् के ग्राम बिदारा के वार्ड न. 10 व 11 सहित कस्बे के कई क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था बदहाल है। नगर परिषद मुख्यालय से लगभग तीन किलोमीटर दूर स्थित ग्राम बिदारा में नालियां लंबे समय से जाम पड़ी हैं, जिससे गंदगी और दुर्गंध फैल रही है। ग्रामीण इस समस्या से जूझ रहे हैं। कर्मचारी कुछ स्थानों पर सफाई कर केवल औपचारिकता पुरी करते है। नालियों में जमा गंदा पानी और कचरा संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ा रहा है। ग्रामीण डॉ. पूरणमल बुनकर,प्रभूदयाल ब्रजवाल, संतोष प्रजापत आदि ने बताया कि नगर परिषद के सफाई कर्मचारी समय पर नहीं आते, नालियों से कचरा निकाल कर वहीं पर छोड़ देते हैं जिससे दुर्गंध और मक्खी मच्छरों से ग्रामीण परेशान रहते हैं केवल एक दो जगह पर ही सफाई करते हैं अन्य जगहों पर आज तक सफाई नहीं की गई है जिस जगह कचरें के ढेर लगे हुए हैं,इस बारे में नगरपरिषद् आयुक्त,सफाई निरीक्षक, कार्मिकों को कई बार लिखित व मोखिक शिकायतें की जा चुकी हैं,सफाई व्यवस्था के नाम पर फर्जीवाड़ा किया जा रहा है, सफाई व्यवस्था केवल कागजों तक सिमटी हुई है। ग्रामीणों ने नगर परिषद से तत्काल जाम नालियों की सफाई कराने और नियमित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है, ताकि उन्हें गंदगी और संभावित बीमारियों से राहत मिल सके साथ ही सफाई व्यवस्था का आकस्मिक निरीक्षण कर लापरवाही करने वाले कर्मचारियों पर कार्रवाई करने की भी मांग की।

### प्रतिभाओं का सम्मान

**किशनगढ़ बास ।** अमन भारती विकास संस्थान की ओर से संचालित मदरसा नूरुल इस्लाम माहोंद के शुभारम्भ, शिक्षा संगोष्ठी एवं प्रतिभा सम्मान समारोह का भव्य आयोजन सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में शिक्षा, सामाजिक जागरूकता एवं प्रतिभाओं के सम्मान को केंद्र में रखते हुए विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों एवं विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. एम.पी.एस. चंद्रावत ने की, जबकि मुख्य अतिथि भाजपा नेता सालिम हुसैन रहे। विशिष्ट अतिथियों में यूनुस खान (जिला अध्यक्ष, फकीर कम्युनिटी वेलफेयर सोसायटी), फारूक शाह (प्रदेश अध्यक्ष, शाह समाज वेलफेयर सोसायटी), बिहारी सिंह बारेठ, गौरा सिंह, आकिब खान (जिला प्रवक्ता, कांग्रेस पार्टी, नूंह हरियाणा), हेमलता मेघवाल (जिला अध्यक्ष, मेघवाल समाज), शाहजहां (जयपुर), जुबेर खान (सचिव, फकीर कम्युनिटी वेलफेयर सोसायटी), धीरू सिंह (जिलाध्यक्ष, मजदूर यूनियन), रहमत शाह अल्वी, हाजी कमरुद्दीन, मोइनुद्दीन शाह (जोधपुर) एवं सिकंदर शाह बैलीम (मकराना) उपस्थित रहे। कार्यक्रम में भाजपा नेता सालिम हुसैन ने कहा कि शिक्षा समाज के विकास का आधार है तथा प्रतिभाओं को सम्मानित करना नई पीढ़ी को आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। सम्बोधन में अन्य वक्ताओं ने ग्रामीण क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं सामाजिक समरसता पर विस्तार बात रखी और अमन भारती विकास संस्थान के प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह में क्षेत्र की विभिन्न प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पत्रकारों को उनके निष्पक्ष एवं जनहितकारी योगदान के लिए सम्मान प्रदान किया गया। साथ ही कांस्टेबल माया यादव, पुष्पा सैनी(पुलिस थाना किशनगढ़ बास ) को उनके कार्यक्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाओं एवं विशेष योगदान के लिए विशेष सम्मान से नवाजा गया। कार्यक्रम में गांव एवं आसपास के क्षेत्र के उन विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया जिन्होंने बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त किया। अतिथियों ने मेधावी विद्यार्थियों को प्रशस्ति-पत्र एवं सम्मान प्रदान कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा अन्य विद्यार्थियों को भी उनसे प्रेरणा लेने का संदेश दिया। संगोष्ठी के दौरान नैतिक शिक्षा, आधुनिक शिक्षा, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं युवाओं की भूमिका पर विस्तृत चर्चा हुई। वक्ताओं ने कहा कि शिक्षा के साथ संस्कार और सामाजिक चेतना का समावेश ही एक मजबूत और विकसित समाज का निर्माण कर सकता है। कार्यक्रम के अंत में संस्थान के संस्थापक सैय्यद इस्लामुद्दीन ने सभी अतिथियों, पत्रकारों, सम्मानित प्रतिभाओं, विद्यार्थियों एवं ग्रामीणों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संस्थान भविष्य में भी शिक्षा, सेवा, सामाजिक जागरूकता एवं प्रतिभा प्रोत्साहन के क्षेत्र में निरंतर कार्य करता रहेगा।

### पदौन्नित तिथि अंकन कार्य की मांग

**कोटपूतली।** राजस्थान शिक्षा परिषद (प्रधानाचार्य) जिला शाखा कोटपूतली-बहरोड़ के प्रधानाचार्यों ने पदौन्नत प्रधानाचार्यों की पदौन्नित तिथि अंकन कार्य की मांग को लेकर प्रदेष के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नाम जिला कलक्टर अपर्णा गुप्ता को ज्ञापन सौंपा। जिलाध्यक्ष राजेश यादव ने बताया कि शिक्षा मंत्री द्वारा बार-बार दिए गए निर्देशों एवं शासन से जारी आदेशों के बावजूद सत्र 2015-16 से 2019-20 तक पदौन्नत प्रधानाचार्यों की पदौन्नित तिथि अंकन कार्य आज तक निदेशालय माध्यमिक शिक्षा बीकानेर स्तर पर लंबित है। सत्र 2017-18 में पदौन्नत हुये 1970 प्रधानाचार्यों (1410 प्रधानाध्यापक पद से एवं 560 प्राध्यापक पद से पदौन्नत) की पदौन्नित तिथि 01 अप्रैल 2017 का अंकन आदेश 07 दिसम्बर 2022 को जारी हो चुका है। जबकि वित्त विभाग द्वारा 03 मार्च 2015 को 4999 प्रधानाचार्य पदों की स्वीकृति के स्पष्ट आदेश जारी होने के बावजूद लगभग 08 हजार पदौन्नत प्रधानाचार्य आज भी तिथि अंकन से वंचित हैं। तिथि अंकन के अभाव में प्रधानाचार्यों को भारी वित्तीय नुकसान की आशंका है। यदि आगामी 07 दिवस में तिथि अंकन कार्य पूरा नहीं किया गया तो संगठन के प्रधानाचार्य 08 जून 2026 को शिक्षा निदेशालय बीकानेर पर एक दिवसीय धरना एवं घेराव करेंगे। आवश्यकता पड़ने पर नव सत्र प्रारम्भ होने के प्रथम दिन से ही संगठन आमरण अनशन एवं धरना-प्रदर्शन भी करेगा। इस दौरान एसीबीईओ पूरण चन्द कसाना, दयाराम चौरड़िया, गजेन्द्र सिंह यादव, संदीप यादव समेत अन्य मौजूद रहें।

# लालसोट में जल संरक्षण का संदेश, रैली निकाली

वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान के तहत अशोक शर्मा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में कार्यक्रम का आयोजन किया।

**लालसोट ।** वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान के तहत अशोक शर्मा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, लालसोट में ब्लॉक स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया।

प्रधानाचार्य मदन पारीक एवं मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सत्यनारायण मीना ने जल संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों व कर्मचारियों को जल बचाने की शपथ दिलाई। विद्यालय परिसर में पक्षियों के लिए परिंडे लगाए गए तथा उनमें नियमित पानी भरने की जिम्मेदारी विद्यार्थियों को सौंपी गई। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय से बाजार तक जागरूकता रैली निकालकर आमजन को जल संरक्षण का संदेश दिया गया। साथ ही अभिरुचि एवं कौशल विकास शिविर के माध्यम से पर्यावरण एवं जल संरक्षण संबंधी जनजागरण गतिविधियां भी संचालित की जा रही हैं।

### पुरानी मांगों का जल्द समाधान नहीं तो आंदोलन

**पावटा।** पंचायतीराज विभाग में लंबित मांगों को लेकर मंत्रालयिक कर्मचारियों का आक्रोश अब खुलकर सामने आने लगा है। पंचायतीराज मंत्रालयिक कर्मचारी संगठन राजस्थान, ब्लॉक उपशाखा पंचायत समिति पावटा के कर्मचारियों ने सोमवार को सरकार के नाम ज्ञापन सौंपकर चेतावनी दी कि यदि उनकी वर्षों पुरानी मांगों का जल्द समाधान नहीं किया गया तो प्रदेशभर में उठा आंदोलन किया जाएगा। ब्लॉक अध्यक्ष फूलाराम यादव के नेतृत्व में कर्मचारियों ने पावटा उपखंड अधिकारी डॉ. साधना शर्मा, विकास अधिकारी नीलू सैनी तथा तहसीलदार लोकेंद्र मीणा को मुख्यमंत्री, पंचायतीराज मंत्री, ठाामीण विकास मंत्री, मुख्य सचिव, शासन सचिव एवं आयुक्त पंचायतीराज विभाग के नाम ज्ञापन सौंपा। इस दौरान ब्लॉक अध्यक्ष फूलाराम यादव, ब्लॉक महामंत्री गिरिराज मौर्य, सोहन सिंह चौहान, संजीव कुमार आर्य, मुकेश कुम्हार, हरचंद गुर्जर, हरिसिंह चेलरवाल, पार्वती नेत्रीवाल, मालीराम जाट, साधुराम जाट सहित बड़ी संख्या में मंत्रालयिक कर्मचारी मौजूद रहे।

# पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने दिव्यांग मनीष शर्मा को भेंट की स्कूटी

**चौमूं / कालाडेरा ।** "नर सेवा ही नारायण सेवा" के संकल्प को चरितार्थ करते हुए भाजपा प्रदेश मुख्य प्रवक्ता व पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने एक बार फिर संवेदनशीलता की मिसाल पेश की है। श्री शर्मा ने ठााम इटावा भोपजी निवासी दिव्यांग मनीष शर्मा पुत्र विद्यासागर शर्मा को स्कूटी भेंट कर उन्हें आत्मनिर्भरता का संबल प्रदान किया। मनीष शर्मा दिव्यांगता के कारण अपने आवागमन और रोजमर्रा के दैनिक कार्यों के लिए काफी परेशानी व संघर्षपूर्ण जीवन जीने को मजबूर थे। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रामलाल शर्मा ने मनीष शर्मा का माल्यार्पण कर स्वागत किया और उन्हें स्कूटी की चाबी सौंपकर उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। स्कूटी मिलने से अब मनीष का आवागमन सुगम हो सकेगा और वे अधिक आत्मविश्वास के साथ अपने कार्य कर सकेंगे। इस मौके पर रामलाल शर्मा ने कहा कि समाज के वंचित और जरूरतमंद लोगों की सहायता करना हम सभी का परम दायित्व है। अंत्योदय की भावना के साथ हर जरूरतमंद की राह को आसान बनाना और उनके चेहरों पर मुस्कान लाना ही हमारा मुख्य ध्येय है। उन्होंने विश्वास जताया कि इस संबल से मनीष पूरे आत्मविश्वास के साथ जीवन में आगे बढ़ सकेंगे। इस अवसर पर भाजपा गोविन्दगढ मण्डल अध्यक्ष जितेन्द्र सिंह शेखावत, राजकुमार सैनी, पूर्व सरपंच भगवान सहाय यादव, बाबू लाल बिस्सलानिया, रामेश्वर बिरानिया, रामावतार भिंडा, महेन्द्र शर्मा, शैलेंद्र सिंह नाथावत, रामावतार जांगिड, अजय सिंह नाथावत, भंवर सिंह, एवं मूलशंकर मेहता सहित बडी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे। ग्रामीणों और मनीष के परिवारजनों ने इस सामाजिक पहल की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए एक प्रेरणादायक कदम बताया। रामलाल शर्मा ने कार्यक्रम में मिले अपार स्नेह, आत्मीय स्वागत और सम्मान के लिए सभी ग्रामवासियों व परिवारजनों का हृदय से आभार व्यक्त किया।

इटावा भोपजी में आयोजित कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि और सैकड़ों ग्रामवासी साक्षी रहे।

- ग्रामीणों ने की मानवीय पहल की सराहना
- नर सेवा ही नारायण सेवा की भावना से हर जरूरतमंद को संबल देना हमारा दायित्व : रामलाल शर्मा

कल रात रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने शानदार जीत दर्ज की। विराट कोहली 75 रन बनाकर नाबाद रहे और मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बने, लेकिन उनके साथ ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों जोश हेज़लवुड और टिम डेविड ने भी अहम भूमिका निभाई।

– रिचर्ड मार्ल्स

ऑस्ट्रेलियाई उपप्रधानमंत्री, कोहली की तारीफ करते हुए।




आज का खिलाड़ी

## रजत पाटीदार



रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को लगातार दूसरी बार आईपीएल का सरताज बनाने वाले कप्तान रजत पाटीदार इस ऐतिहासिक जीत के बाद बेहद भावुक और खुश नजर आए। गुजरात टाइटन्स को फाइनल में पटखनी देने के बाद कप्तान पाटीदार ने अपनी सफलता और टीम के शानदार सफर का श्रेय दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली और अपने गेंदबाजों को दिया है। मुझे कोहली भाई से बहुत मदद मिली। जब भी मैं उन्हें देखता हूं, वे हमेशा टीम और सभी खिलाड़ियों के लिए मौजूद रहते हैं। वे युवा खिलाड़ियों के पास खुद जाते हैं, भले ही वे उनके पास जाने में हिचकिचाते नहीं।

**क्या आप जानते हैं ?...** भारतीय फुटबॉल टीम के सबसे महान खिलाड़ी सुनील छेत्री हैं, जिनके नाम अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में 95 गोल का रिकॉर्ड है। पुरुष टीम फीफा रैंकिंग में वर्तमान में 136वें स्थान पर है।

# अक्सर सोचता था कि विनिंग शॉट मैं ही लगाऊं : विराट कोहली



अहमदाबाद, 1 मई। यह वही पल है जिसका हर खिलाड़ी सपना देखता है। मैंने कई बार इस क्षण की कल्पना की थी, खासकर विजयी रन बनाने की।'' यह भावुक बयान क्रिकेट जगत के बेताज बादशाह विराट कोहली का है, जिन्होंने एक बार फिर साबित कर दिया कि उन्हें दुनिया का सर्वश्रेष्ठ चेज मास्टर क्यों कहा जाता है। गुजरात टाइटंस के खिलाफ आईपीएल 2026 के फाइनल मुकाबले में नाबाद 75 रनों की जांबाज पारी खेलकर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को लगातार दूसरी बार खिताब दिलाने वाले विराट कोहली को उनके अद्भुत प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। 18वें ओवर की आखिरी गेंद पर अरशद खान को जड़ा उनका वह गगनचुंबी छक्का इतिहास के पन्नों में दर्ज हो गया, जिसने आरसीबी को लगातार दूसरा खिताब दिलाया। कोहली ने 42 गेंद में नौ चौके और तीन छक्कों की मदद से नाबाद 75 रन की पारी खेलने के बाद प्लेयर ऑफ द मैच चुने गये।

उन्होंने पुरस्कार समारोह में कहा, ''यह वही पल है जिसका हर खिलाड़ी सपना देखता है। मैंने कई बार इस क्षण की कल्पना की थी, खासकर विजयी रन बनाने की। बल्लेबाजी के लिए उतरते समय मैं पूरी तरह सहज था। हमारी टीम का संयोजन ऐसा है जो किसी भी परिस्थिति से बाहर निकलने का भरोसा देता है।'' उन्होंने कहा कि लक्ष्य का पीछा करते समय उन्हें अपनी भूमिका और रणनीति पूरी तरह स्पष्ट थी। कोहली ने कहा, ''मुझे पता था कि रन-चेज़ में क्या करना है। युवा खिलाड़ियों की मौजूदगी आपको लगातार अपने खेल में सुधार करने और नई चुनौतियां स्वीकार करने के लिए प्रेरित करती है।''

अपने आईपीएल करियर के सबसे तेज अर्धशतक (25 गेंद) पर उन्होंने कहा, ''यह आपको लगातार बेहतर करने का लक्ष्य देता है। मुझे अपने खेल में बहुत बड़ा बदलाव नहीं करना था, बल्कि सोच बदलनी थी। गेंदबाजों पर दबाव बनाकर अतिरिक्त रन जुटाने की जरूरत थी।'' कोहली ने कहा कि टीम का पहला लक्ष्य अंक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल करना था।

उन्होंने कहा, ''एक बार हम शीर्ष पर पहुंच गए तो हमारे सामने कौन-सी टीम है, इससे कोई फर्क नहीं पड़ा। हम सभी टीमों का सम्मान करते हैं और किसी को उकसाने में विश्वास नहीं रखते। हमारे पास अनुभवी और परिपक्व पेशेवर खिलाड़ी हैं और बड़े मुकाबलों में यही अनुभव काम आता है।'' उन्होंने कहा, ''बड़े अवसरों पर बड़े खिलाड़ियों को आगे आकर जिम्मेदारी निभानी होती है। मुझे पता था कि लक्ष्य का पीछा करते समय विपक्षी टीम मुझे जल्दी आउट करने की कोशिश करेगी, लेकिन मुझे अपनी टीम पर पूरा भरोसा था। मुझे विश्वास था कि हमारी चैंपियन टीम तीन-चार ओवर शेष रहते लक्ष्य हासिल कर सकती है।''

### आईपीएल 2026 एमवीपी बनने के बाद सूर्यवंशी बोले -

# इस साल मैंने खेल को परिस्थितियों के अनुसार ढालना सीखा



अहमदाबाद, 1 जून। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर (एमवीपी) का पुरस्कार जीतने वाले युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने कहा कि इस सीजन उन्होंने दबाव में बल्लेबाजी करना और मैच की परिस्थितियों के अनुसार अपने खेल को ढालना सीखा है।

रविवार देर रात आरसीबी और गुजरात के बीच खेले गए खिताबी मुकाबले के बाद आयोजित अवॉर्ड समारोह में पुरस्कार जीतने के बाद प्रसारकों से बातचीत में वैभव ने कहा, ''इस सीजन मैंने दबाव में बल्लेबाजी करना सीखा है। मैंने यह भी सीखा है कि परिस्थितियों के अनुसार अपने खेल को कैसे बदला जाए। आप हर मैच में एक जैसी बल्लेबाजी नहीं कर सकते। आपको मैच की स्थिति को समझकर उसी के अनुसार खेलना होता है, खासकर प्लेऑफ जैसे बड़े मुकाबलों में।'' महज 15 वर्षीय वैभव ने आईपीएल 2026 में धमाकेदार प्रदर्शन करते हुए 16 मैचों में 776 रन बनाए। उन्होंने 48.50 की औसत और 237.31 के अविश्वसनीय स्ट्राइक रेट से रन बनाकर राजस्थान रॉयल्स को क्वालिफायर-2 तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। इस दौरान उनके बल्ले से पांच अर्धशतक और एक शतक भी निकला।

वैभव ने इस सीजन व्यक्तिगत पुरस्कारों पर भी अपना दबदबा कायम रखा। उन्होंने एमर्जिंग प्लेयर ऑफ द सीजन, सुपर स्ट्राइकर ऑफ द सीजन, सुपर सिक्सेस ऑफ द सीजन, ऑरेंज कैप और एमवीपी ऑफ द सीजन जैसे सभी प्रमुख सम्मान अपने नाम किए। सीजन के बाद अपनी आगे की योजनाओं पर बात करते हुए वैभव ने कहा कि वह अब अपनी फिटनेस पर विशेष ध्यान देंगे।

उन्होंने कहा,''मुझे अपनी फिटनेस पर फोकस करना होगा क्योंकि मैं लंबे समय तक क्रिकेट खेलना चाहता हूं और चोटों से दूर रहना चाहता हूं।'' उन्होंने राजस्थान रॉयल्स के टीम प्रबंधन और सीनियर खिलाड़ियों का आभार जताते हुए कहा, ''सभी ने मेरा बहुत समर्थन किया है। टीम मैनेजमेंट और सीनियर खिलाड़ियों ने हमेशा मेरा हौसला बढ़ाया। मुझे उनसे बहुत कुछ सीखने को मिला है क्योंकि वे सभी उच्च स्तर पर क्रिकेट खेल चुके हैं। उनसे सीखने का मौका मेरे लिए बेहद महत्वपूर्ण रहा है।''

## अरावली क्रिकेट अकादमी जीती

जयपुर, 1 जून। अंडर-16 समर कप में अरावली क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 40 ओवर में 225 रन 7 विकेट के नुकसान पर बनाएं। चिराग यादव ने 58, गजेंद्र ने 57 और दक्ष ने 44 रनों का योगदान दिया द राजस्थान क्रिकेट अकादमी की ओर से मनीष ने 2 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी द राजस्थान क्रिकेट अकादमी 35 ओवर में 176 रन पर ऑल आउट हो गई। सचिन मीणा ने सर्वाधिक 39 रनों का योगदान दिया।

## आईसीसी का बड़ा फैसला : टेस्ट क्रिकेट में खराब रोशनी से निपटने के लिए गुलाबी गेंद का परीक्षण मंजूर

नई दिल्ली, 1 मई। आईसीसी ने टेस्ट क्रिकेट में खराब रोशनी की वजह से खेल रुकने की समस्या को कम करने के लिए एक नए प्रयोग को मंजूरी दे दी है। मौजूद जानकारी के अनुसार अब ऐसे टेस्ट मैचों में, जहां खराब रोशनी की संभावना होगी, लाल गेंद की जगह गुलाबी गेंद का इस्तेमाल किया जा सकेगा। हालांकि इसके लिए दोनों टीमों की पूर्व सहमति जरूरी होगी। गौरतलब है कि अब तक गुलाबी गेंद का उपयोग केवल दिन-रात्रि टेस्ट मैचों में किया जाता रहा है। विशेष रूप से ऑस्ट्रेलिया में इस तरह के मुकाबले नियमित रूप से खेले जाते हैं। लेकिन अब आईसीसी दिन के समय खेले जाने वाले टेस्ट मैचों में भी आवश्यकता पड़ने पर लाल गेंद से गुलाबी गेंद पर बदलाव का परीक्षण करना चाहता है, ताकि कृत्रिम रोशनी में खेल जारी रखा जा सके और खराब रोशनी के कारण होने वाले समय और ओवरों के नुकसान को कम किया जा सके। यह फैसला अहमदाबाद में आयोजित आईसीसी बोर्ड की बैठक में लिया गया। बोर्ड ने मुख्य कार्यकारी अधिकारियों की समिति की कई सिफारिशों को मंजूरी दी है। हालांकि बताया जा रहा है कि इस नई व्यवस्था को लागू करने की प्रक्रिया अभी पूरी नहीं हुई है, इसलिए 4 जून से शुरू होने वाली इंग्लैंड और न्यूज़ीलैंड की टेस्ट श्रृंखला में इसका इस्तेमाल संभव नहीं होगा। बता दें कि आईसीसी ने खराब रोशनी की समस्या से स्थायी समाधान खोजने के लिए अनुसंधान को भी मंजूरी दी है। परिषद अब मैच अधिकारियों और स्टेडियमों के लिए बेहतर प्रकाश व्यवस्था तकनीक पर शोध करेगी। इस परियोजना में मेरिलीबोन क्रिकेट क्लब यानी एमसीसी भी सहयोग करेगा। इसके अलावा सीमित ओवर क्रिकेट में भी एक महत्वपूर्ण बदलाव किया गया है।

## पिछले साल 11 मौतों से लिया सबक, आईपीएल खिताब जीतने के बाद भी आरसीबी नहीं निकालेगी विजय जुलूस

नई दिल्ली, 1 मई। पिछले साल की भगदड़ और 11 लोगों की मौत को ध्यान में रखते हुए रॉयल चैलेंज बेंगलुरु (आरसीबी) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में लगातार दूसरी खिताबी जीत के लिए विजय जुलूस नहीं निकालने का फैसला किया है। रॉयल चैलेंजर्स ने रविवार को यहां गुजरात टाइटन्स को पांच विकेट से हराकर लगातार दूसरी बार आईपीएल का खिताब जीता।

आरसीबी ने यह निर्णय कर्नाटक के नवनियुक्त मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के शपथ ग्रहण समारोह को ध्यान में रखते हुए भी लिया जो लोक भवन में आयोजित किया जाएगा। पिछले साल चार जून को जल्दबाजी में निकाले गए विजय जुलूस के दौरान चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास 11 प्रशंसकों की मौत हो गई थी।

### दूसरी अंडर-13 राजस्थान बॉयज फुटबॉल लीग 2025-26 का आगाज

# उद्घाटन मैच में राजस्थान फुटबॉल स्कूल ने जयपुर फुटबॉल क्लब को 7-1 से रौंदा

जयपुर, 1 जून। राजस्थान फुटबॉल संघ के तत्वावधान में अंडर-13 राजस्थान बॉयज फुटबॉल लीग 2025-26 का शुभारंभ रविवार को पूर्णिमा यूनिवर्सिटी, जयपुर के फुटबॉल मैदान पर हुआ।

1 जून से 27 जून 2026 तक चलने वाली इस लीग में कुल 56 मैच खेले जाएंगे।

राजस्थान फुटबॉल संघ के सचिव दिलीप सिंह शेखावत ने बताया कि उद्घाटन दिवस पर चार मुकाबले खेले गए:

**पहला मैच:** राजस्थान फुटबॉल स्कूल ने जयपुर फुटबॉल क्लब को 7-1 से हराया। राजस्थान फुटबॉल स्कूल: आराध्य (6, 19, 22, 50), उज्ज्वल (8), राघव (12), अयन (34) ने गोल किए। जयपुर फुटबॉल क्लब: अयानांश (30) ने एकमात्र गोल किया।

**दूसरा मैच:** जयपुर बॉयज एंड गर्ल्स ने जयपुर एलीट फुटबॉल क्लब को 4-0 से हराया। जयपुर बॉयज एंड गर्ल्स: महेश मीणा (28, 55), कृष रोशन (25), लवित्रा (35 2) ने गोल किए।

**तीसरा मैच:** रॉयल फुटबॉल क्लब ने ब्रदर्स यूनाइटेड को 2-1 से हराया। रॉयल एफसी के समर (23), मोबीन (50) ने गोल किए। ब्रदर्स यूनाइटेड: के नकुल (52) ने एकमात्र गोल किया।

**चौथा मैच:** एएसएलफुटबॉल क्लब ने रेड स्टोन फुटबॉल क्लब को 1-0 से हराया। एएसएल एफसी: सर्वसिद्ध (29) ने गोल किया। यह लीग राजस्थान में ग्रासरूट फुटबॉल को मजबूत करने की दिशा में आरएफए का एक और बड़ा कदम है।

**लीग विवरण:** इस लीग में प्रदेश की 8 सबसे अच्छी टीमें हिस्सा ले रही हैं:

1. रॉयल फुटबॉल क्लब, जयपुर
2. ब्रदर्स यूनाइटेड फुटबॉल क्लब, जयपुर
3. रेड स्टोन फुटबॉल क्लब, जयपुर
4. राजस्थान फुटबॉल स्कूल, जयपुर
5. एलीट फुटबॉल क्लब, जयपुर
6. एएसएलफुटबॉल क्लब, जयपुर
7. जयपुर बॉयज एंड गर्ल्स फुटबॉल क्लब
8. जयपुर फुटबॉल क्लब

# यूनियन फुटबॉल क्लब में रग्बी खेल का शुभारंभ, जयपुर की 13 टीमों ने भाग लिया



**टच रग्बी प्रतियोगिता परिणाम**

**बालिका वर्ग:** यूनियन रग्बी क्लब – विजेता
निकिता पब्लिक स्कूल – उपविजेता
**बालक वर्ग:** शौर्य जननी फाउंडेशन – विजेता, ब्लैक पैंथर – उपविजेता
टैकल रग्बी प्रतियोगिता परिणाम
**पुरुष वर्ग:** ब्लैक पैंथर – विजेता, शौर्य जननी फाउंडेशन – उपविजेता
**बालिका वर्ग:** ब्लैक पैंथर – विजेता, डी.आर. क्लब – उपविजेता

जयपुर, 1 जून। देश के सबसे प्राचीन खेल संस्थानों में से एक, वर्ष 1889 में स्थापित यूनियन फुटबॉल क्लब, जयपुर (ट्रस्ट) में आज रग्बी खेल का औपचारिक शुभारंभ किया गया। क्लब के कॉर्डिनेटर एवं ट्रस्टी अभिनव स्वामी ने जानकारी देते हुए बताया कि यूनियन फुटबॉल क्लब अपने खेल प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विस्तार करते हुए अब रग्बी खेल को भी अपने नियमित खेलों में शामिल किया।

रग्बी प्रतियोगिता का उद्घाटन क्लब ग्राउंड संख्या-2, रामनिवास बाग, जयपुर में क्लब पदाधिकारियों एवं राजस्थान रग्बी संघ के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में संपन्न हुआ। प्रतियोगिता में जयपुर की कुल 8 बालक एवं 5 बालिका टीमों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के अंतर्गत टच रग्बी तथा टैकल रग्बी के रोमांचक मुकाबले हुए।

इस अवसर पर यूनियन फुटबॉल क्लब के अध्यक्ष लोकेश कुमार सिंह 'साहिल', उपाध्यक्ष अनिल शर्मा, सचिव महिपाल स्वामी, राजेन्द्र सिंह शेखावत, आर. के. भट्ट, कोषाध्यक्ष योगिनी भाव्या राजावत, राजस्थान टच रग्बी एवं भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष शंकर गौरा, शारीरिक शिक्षा संघ के उपाध्यक्ष एवं दौसा जिला टच रग्बी संघ के अध्यक्ष जगदीश गोपाल गुरु शर्मा, चैना राम, राजस्थान रग्बी के पदाधिकारी श्याम सिंह राजावत, दिग्विजय सिंह, पंकज सैनी, आशीष, दिलीप सिंह, तरुण पंवार, हैंडबॉल के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी अक्षय राज सिंह राठौड़, आर. एल. लम्बा, कबड्डी कोच राज नारायण शर्मा, प्रतिष्ठा स्कूल संस्था की संस्थापिका अर्पिता माथुर, ह्यूमन ग्लोरी फाउंडेशन के संस्थापक प्रमोद जैन, मनीषा जैन, राजस्थान बार काउंसिल अध्यक्ष राजीव सोगरवाल, प्रेरक स्वामी, पल्लवी जैन, ग्राउंड इंचार्ज गौरव जी, 94 वर्षीय गोपाल कृष्ण तेलंगाना, प्रवीण शर्मा, सहित सैकड़ों खिलाड़ी, अभिभावक एवं खेल प्रेमी उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि रामनिवास बाग यूनियन फुटबॉल क्लब के माध्यम से पुनः स्पोर्ट्स हब बनता जा रहा है।

# राज्य स्तरीय सीनियर कॉल्विन शील्ड : कबीर, महेंद्र, दिव्यांश, सिद्धार्थ की शानदार गेंदबाजी

जयपुर, 1 जून। राजस्थान क्रिकेट संघ के तत्वाधान में जयपुर, जोधपुर, उदयपुर में राज्य स्तरीय सीनियर कॉल्विन शील्ड प्रतियोगिता के आज खेले गए मैचों में चूरू, करौली, सिरोही, झुंझनू, जोधपुर, श्रीगंगागनर, सवाई माधोपुर, जालोर, जैसलमेर, धौलपुर, सीकर, भीलवाड़ा, राजसमंद, कोटा, भरतपुर जीती। दर्शन जैन, सुमित गोदारा, दिव्य गजराज, साहिल दीवान, शबाज, सचिन कैथ, जतिन चौधरी, केशव डिडवानिया ने शतक लगाए। कबीर शर्मा, महेंद्र चौधरी, दिव्यांश फौजदार, सिद्धार्थ पुरोहित, नयन मैडा, लखन भारती, यश कोठारी, विजय पॉटर, भव्य राज, सज्जन शर्मा ने शानदार गेंदबाजी की।

सवाई मान सिंह स्टेडियम - सीकर - अजमेर, सीकर 84 रन से जीती। अनंतं ग्राउंड राजसमंद -हनुमानगढ़ राजसमंद 65 रन से जीती। जैपुरिया ग्राउंड भीलवाड़ा - झालावाड़, भीलवाड़ा 85 रन से जीती। के एल सैनी ग्राउंड बूंदी - सिरोही, सिरोही 5 विकेट से जीती। लक्ष्य ग्राउंड बारां - सवाई माधोपुर, सवाई माधोपुर 2 विकेट से जीती। अरावली ग्राउंड बीकानेर-जैसलमेर, जैसलमेर 3 विकेट से जीता। जी आर ग्राउडं भरतपुर -दौसा, भरतपुर 115 रन से जीती। पी एस ग्राउंड प्रतापगढ़ - करौली, करौली 8 विकेट से जीती। वंडर ग्राउंड नागौर -धौलपुर, धौलपुर 7 विकेट से जीती। टेलर ग्राउंड जालोर - डूंगरपुर, जालोर 181 रन से जीती। स्पार्टन ग्राउडं टोंक - चूरू, चूरू 8 विकेट से जीती।वंडर ग्राउंड कोटा -पारी, कोटा 15 रन से जीती। एंजेल ग्राउंड चित्तोड़ - जोधपुर, जोधपुर 8 विकेट से जीती। रिपब्लिक ग्राउंड बाड़मेर - झुंझनू , झुंझनू 1 विकेट से जीती । क्लब क्रिकेटोलॉजी श्रीगंगानगर - बांसवाड़ा, श्रीगंगानगर 124 रन से जीती।

### राजस्थान सीनियर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप

# जयपुर की कचनार, रितिशा, निकिता और रिंकू ने भी जीते स्वर्ण पदक

## आदेश गरसा और डोना धाकड़ बने सबसे तेज धावक



जयपुर, 1 जून। बीकानेर के सादुल स्पोर्ट्स स्कूल में आयोजित राजस्थान सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में झुंझुनूं के आदेश गरसा और जयपुर की डोना धाकड़ ने क्रमशः पुरुष एवं महिला वर्ग की 100 मीटर दौड़ का खिताब जीतकर प्रदेश के सबसे तेज धावक-धाविका बनने का गौरव हासिल किया। आदेश गरसा ने 10.81 सेकंड का समय निकालते हुए स्वर्ण पदक जीता। अजमेर के अभिजीत लांघे दूसरे और भरतपुर के शैलेन्द्र चौधरी तीसरे स्थान पर रहे। महिला वर्ग में डोना धाकड़ ने 12.12 सेकंड में दौड़ पूरी कर पहला स्थान प्राप्त किया। बीकानेर की टीना पारीक दूसरे तथा जयपुर की कशिश चोमाल तीसरे स्थान पर रहीं। समापन समारोह में राजस्थान ओलंपिक संघ के महासचिव सुरेन्द्र सिंह तथा राजस्थान एथलेटिक्स एसोसिएशन के महासचिव देवनारायण ने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए।

चैंपियनशिप में पुरुष वर्ग में श्रीगंगानगर के खिलाड़ियों का दबदबा देखने को मिला, जबकि महिला वर्ग में जोधपुर की एथलीटों ने शानदार प्रदर्शन किया। जयपुर के मानव शर्मा ने 10 हजार मीटर दौड़ का स्वर्ण पदक जीता। महिला वर्ग में अंतरराष्ट्रीय एथलीट कचनार चौधरी ने शॉटपुट, निकिता कुमारी ने डिस्कस थ्रो, रिंकू चौधरी ने ट्रिपल जंप और रितिशा कौर ने 200 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक अपने नाम किए।।

### 75वीं सीनियर स्टेट एक्वेटिक चैम्पियनशिप 2026

# योग्या व दक्षिणा ने बनाए नए रिकॉर्ड




जयपुर, 1 जून। योग्या सिंह (भीलवाड़ा) और दक्षिणा जोशी (टोंक) ने 75वीं सीनियर स्टेट एक्वेटिक चैंपियनशिप 2026 के पहले दिन शानदार प्रदर्शन करते हुए नए रिकॉर्ड कायम किए। प्रतियोगिता का आयोजन जयपुर जिला तैराकी संघ द्वारा स्टेडियम स्विमिंग पूल में किया जा रहा है। प्रतियोगिता के पहले दिन दस से अधिक प्रतियोगिताओं का फैसला हुआ। योग्या सिंह ने महिला 100 मीटर बैकस्ट्रोक में 1:08.46 मिनट का समय निकालकर नया रिकॉर्ड बनाया, जबकि दक्षिणा जोशी ने महिला 200 मीटर बटरफ्लाई में 2:22.03 मिनट का समय दर्ज कर नया कीर्तिमान स्थापित किया।

**महिला वर्ग** - रतिका खता (धौलपुर) ने 200 मीटर फ्रीस्टाइल प्रतियोगिता 2:17.32 मिनट में जीत ली। अवविका चौधरी (जयपुर) ने 1500 मीटर फ्रीस्टाइल में 24:06.06 मिनट के समय के साथ पहला स्थान प्राप्त किया।

आध्या बृजेश ने 50 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक का खिताब 39.41 सेकंड में अपने नाम किया। 4 100 मीटर फ्रीस्टाइल रिले में हरिका, आध्या, अश्विका और वान्या की जयपुर टीम ने 5:03.90 मिनट के समय के साथ पहला स्थान हासिल किया। वहीं सर्वी, आध्या, सिद्धिक्षा और वानिया की टीम ने अपनी रिले प्रतियोगिता में 5:43.84 मिनट के समय के साथ जीत दर्ज की।

**पुरुष वर्ग** - मोहम्मद अनस (भीलवाड़ा) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 200 मीटर फ्रीस्टाइल और 50 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक दोनों प्रतियोगिताओं में स्वर्ण पदक जीता। हिमांशु सियाग ने 1500 मीटर फ्रीस्टाइल का खिताब 18:17.22 मिनट में जीता। साहिल गुप्ता (जयपुर) ने 200 मीटर बटरफ्लाई प्रतियोगिता में 2:29.72 मिनट के समय के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया। यश तिवारी, गौरण, कृष्णादित्य और पृथ्वीराज की टीम ने 4 100 मीटर फ्रीस्टाइल रिले का खिताब आठ दिन पहले का सफल समापन किया। शाम का मुख्य आकर्षण एमजीडी स्कूल की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत सिंक्रोनाइज्ड स्विमिंग का मनोमोहक प्रदर्शन रहा। जयपुर के दर्शकों ने पहली बार इस खेल का प्रत्यक्ष प्रदर्शन देखा। समारोह के मुख्य अतिथि वैभव गालरिया, वित्त विभाग के मुख्य शासन सचिव, राजस्थान सरकार थे। विजेताओं को पुरस्कार अनिल व्यास, अध्यक्ष, राजस्थान तैराकी संघ ने प्रदान किए।


**OFFICE OF THE PRINCIPAL & CONTROLLER**
RUHS COLLEGE OF MEDICAL SCIENCES,
Sector – 11, Kumbha Marg, Pratap Nagar, Jaipur - 302033
Ph. : 0141-2795624, 634 Email : principalruhscms@ruhsraj.org

No. :- RUHS-CMS/Store/2026-27/2344 Date :- 25/05/2026

**Notice Inviting E-Bids**

Single Stage Two envelope online bids are invited on eprocrajasthan.gov.in upto 02.00 pm of 23/06/2026 for Establishment of Conference Room (25-Seater) at RUHS College of Medical Sciences . (Total Est. Cost Rs. 35,00,000.00) Details may be seen in the Bidding Documents at the Website **sppp.raj.nic.in** or **eproc.rajasthan.gov.in** or **www.ruhscms.org.**

UBN :- CMS2627WSOB00014

Principal,
Raj.Samwad/C/26/3841 RUHS College of Medical Sciences, Jaipur

**कार्यालय अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक करौली (राज.)**
केशवपुरा पुलिया मण्डरायल रोड करौली, E-Mail :- adpcsamsakarauli@gmail.com

**ई-निविदा सूचना संख्या 01 (सिविल) / 2026-27**

राज्य एवं केन्द्र सरकार के राजकीय / अर्द्धशासकीय / स्वायत्तशासी निकायों में सक्षम श्रेणी में निर्माण / मरम्मत कार्यों हेतु पंजीकृत संवेदकों से बजट घोषणा 2022-23 एवं 2025-26, लेखानुदान, RIDFXXVIII, एम.जे.एस.वाई., स्टार्स प्रोजेक्ट, समग्र शिक्षा 2024-25 इत्यादि योजनान्तर्गत स्वीकृत 23 राजकीय विद्यालयों के निर्माण कार्यों हेतु राशि रू. 165.95 लाख (प्रति कार्य की राशि रूपये 1.96 लाख से 24.58 लाख के मध्य) बाबत् कार्यवार ई-टेण्डरिंग के माध्यम से ई-निविदाएं 29/05/2026 प्रातः 10.00 बजे से 08/06/2026 को सायं 6.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है।

निविदा से सम्बधित समस्त विस्तृत विवरण वेबसाईट **http://sppp.rajasthan.gov.in** एव **http://eproc.rajasthan.gov.in** पर देखा जा सकता है।

UBN IS: RSE2627WSOB00304
राज.संवाद/सी/26/3856

**Rajasthan State Forest Development Corporation Limited**

क्रमांक :- एफ 2(45)स्टोर/MD/RSFDCL/2026/22399052 दिनांक :- 22/05/2026

**अभिरूचि की अभिव्यक्ति (EOI) आमंत्रण सूचना**
**(EOI) संख्या 02/2026-27**

सलाहकार /परामर्शदाताओं के पैनल (For Emplanelment of Consultants/Advisors) मे सम्मलित होने के लिये इच्छुक बोलीदाता से दिनांक 20.06.2026 को दोपहर बाद 02.30 बजे तक खुली बोली में प्रस्ताव आमंत्रित किये जाते है। निर्धारित समय तक प्राप्त तकनीकी बोलियों को दिनांक 20.06.2026 को दोपहर बाद 03.00 बजे सक्षम उपापन समिति द्वारा प्रबन्ध निदेशक, राज. राज्य वन विकास निगम लिमिटेड, अरण्य भवन, जयपुर के कार्यालय के कमरा नं. बी-116 में खोली जावेंगी। बोली से संबंधित अन्य विस्तृत दस्तावेज एवं शर्तें राज्य लोक उपापन पोर्टल की बेवसाईट **sppp.raj.nic.in** से देखे जा सकतें हैं।

UBN No. : FDC2627SSOB00002
राज.संवाद/सी/26/3850 महाप्रबन्धक (मुख्यालय)

**Rajasthan Medical Services Corporation Ltd.**
D-Block, Swasthya Bhawan, C-Scheme, Jaipur - 302005
Ph. No. 0141-2223887, Fax No. 0141-2228065, E-Mail-edepmrmsc-rj@nic.in

Ref. No. : F-8( ) RMSC/EPM/M-4/NIB-933/2025-26/237 Dated :- 25/05/2026

**CORRIGENDUM / ADDENDUM**

Bid for item:
1. Deep Freezer, Fowler Bed, Stead Bed, Foot Step, Syringe Infusion Pump, Glucostrip & Pulse Oxymeter (Handheld),
2. White Box (Sharp Container), & Transport Trolley (Wheel Barrow) Reserve for MSE, Rajasthan Only

are invited from interested bidders up to Date : 18.06.2026 : 06:00 P.M. Other particulars of the bid may be visited on Procurement portal website **https://sppp.rajasthan.gov.in or www.dipronline.org** or **https://eproc.rajasthan.gov.in** or website **http://rmsc.health.rajasthan.gov.in.**

UBN : MSC2526GLOB00056
Executive Director (EPM)
Raj.Samwad/C/26/3853 Rajasthan Medical Services Corporation

**कार्यालय नगर पालिका, सीकरी, जिला-डीग (राज0)**

क्रमांक:- न.पा.सीकरी / निर्माण / 2026 / 469 दिनांक :- 26.05.2026

**ई-निविदा सूचना - 02/2026-27**

नगरपालिका सीकरी के द्वारा निम्न निर्माण कार्य के लिए वित्तीय वर्ष 2026-27 हेतु मान्यता प्राप्त उचित श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से ई-निविदा द्वारा कुल 01 कार्य की कुल अनुमानित लागत 139.63 लाख रूपये की ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। आंशिक अथवा पूर्णतः ई-निविदा स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार निविदा स्वीकृत अधिकारी होगा। ई-निविदा की विस्तृत जानकारी व शर्तें कार्यालय एवं विभाग की बेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in एवं http://eproc.rajasthan.gov.in देखी/पढी जा सकती है। जिसके **UBN NO.** निम्नलिखित है।

Nib Code – DLB2627A2270
UBN No. – DLB2627WSOB05785, Pub.Date – 26.05.2026

अधिशाषी अधिकारी
राज.संवाद / सी / 26 / 3796 नगरपालिका सीकरी (डीग)

**कार्यालय नगर परिषद सुजानगढ़ (चूरू) राजस्थान**
E-mail id:- nps222419@gmail.com Phone no. 01568-222419

क्रमांक :-न.प.सु / स्टोर शाखा / 2026 / 1601 दिनांक :- 26.05.2026

**:-ई-निविदा सूचना-2025-26:-**

नगर परिषद सुजानगढ़ द्वारा विभिन्न प्रकार के कार्यो के लिये उपयुक्त सक्षम श्रेणी के राज्य सरकार के विभागों में प्रजीकृत ठेकेदारों/फर्मों से निविदा दिनांक 11.06.2026 तक आमन्त्रित की जाती है। निविदा प्रपत्रों को वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड कि जा सकता है एवं निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेबसाईट www.sppp.raj.gov.in पर प्राप्त की जा सकती है। निविदा का बीड कमांक **DLB2627SLOB05773** है। कार्यालय समय में किसी भी कार्य दिवस को नगर परिषद सुजानगढ के कार्यालय में एवं सूचना बोर्ड पर देखी जा सकती है।

आयुक्त
राज.संवाद / सी / 26 / 3814 नगर परिषद, सुजानगढ

**कार्यालय नगर परिषद, ब्यावर**
Tel No. 01462-258665, 257509 Email Add: npbeawar@gmail.com

क्रमांक / रोषनी / 2026-27 / 2138 दिनांक:- 25.05.2026

**ई-निविदा सूचना संख्या 01/2026-27**

नगर परिषद, ब्यावर द्वारा परिषद क्षेत्र में 15th FFC Untied एवं परिषद कोष के अन्तर्गत निम्नांकित रोशनी सम्बन्धी कार्य करवाया जाने हेतु परिषद के सम्बन्धित श्रेणी के पंजीकृत ठेकेदारों एवं सार्वजनिक निर्माण विभाग के पंजीकृत ठेकेदारों से E-Procurement प्रकिया के तहत केवल www.eproc.rajasthan.gov.in की ऑनलाईन निविदा के माध्यम से निविदा आमंत्रित की जाती है। दिनांक 10.06.2026 सांय 06:00 बजे तक निविदा भरी जा सकती है एवं ई-निविदा फार्म शुल्क एवं प्रोसेसिंग फीस की राशि नगर परिषद के IDFC First Bank के खाता संख्या 10123576694 आई.एफ.सी. कोड IDFB0042185 में जमा कराकर रसीद की हार्डकॉपी तथा बोली धरोहर का डी.डी./बैंकर चैक एवं सक्षम पंजीकरण की कॉपी नगर परिषद, ब्यावर के रोशनी शाखा में दिनांक 11.06.2026 को प्रातः 11 बजे से पूर्व जमा कराना अनिवार्य कराना अनिवार्य है। कुल 04 रोशनी सम्बन्धी कार्य करवाये जाने है। ई-निविदा सूचना की समस्त शर्तें SPPP पोर्टल पर देखी जा सकती है।

जिसका **NIB Code DLB2627A2231** है एवं **UBN** नम्बर निम्नानुसार हैः-
(i) DLB2627GLOB05722,
(ii) DLB2627GLOB05724,
(iii) DLB2627GLOB05726,
(iv) DLB2627GLOB05728

आयुक्त
राज.संवाद / सी / 26 / 3807 नगर परिषद, ब्यावर

Visit us : www.mpuat.ac.in; Mail ID : zdr_arsb@yahoo.com; Mo. No.: 8112207969 @ 9414389929
**कृषि अनुसंधान केन्द्र, दाहोद रोड़, बोरवट फार्म, बाँसवाड़ा (राज.) 327 001**
(महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर)

क्रमांक: एफ( )/कृअके/2026-27/66-71 दिनांक: 30/05/2026

**निविदा सूचना (2026-27)**

कृषि अनुसंधान केन्द्र, बांसवाडा, के लिये कृषि कार्य हेतु पंजीकृत संवेदक/ठेकेदार से अपेक्षित अनुभव क्षमताओं के साथ मासिक कार्य/कार्यानुसार हेतु खुली निविदाएं बंद लिफाफों में आमंत्रित की जाती है। पंजीकृत संवेदक/ठेकेदारों को तकनीकी एवं वित्तीय निविदा अलग-अलग सील बन्द लिफाफों में देनी होगी। निविदा प्रारूप, सम्पूर्ण नियम एवं शर्ते विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.mpuat.ac.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in से डाउनलोड कर सकते है। निविदा प्रारूप प्राप्ति की अन्तिम तिथि 08.06.2026 प्रातः 11.00 बजे तक रहेगी। उक्त निविदाएं उसी दिन दोपहर 11.30 बजे तक जमा की जाकर मध्याहन 12.00 बजे कमेटी की उपस्थिति में खोली जावेगी। निविदा प्रारूप जमा करवाते समय कार्य के सामने वर्णित निविदा शुल्क एवं धरोहर राशि जमा करवानी होगी।

| कार्य का विवरण | अनुमानित लागत (रू.) | धरोहर राशि (रू.) | निविदा शुल्क |
|---|---|---|---|
| कृषि अनुसंधान केन्द्र, पर मक्का परियोजना एवं फल अनुसंधान केन्द्र, बांसवाड़ा पर कृषि कार्य (5.12 हेक्टर) | 5,13,075/- | 10,500/- | 500/- |

संभागीय निदेशक अनुसंधान

# मुख्यमंत्री भजनलाल ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की

## उन्होंने प्रधानमंत्री के साथ विकास, सुशासन व जन कल्याण से जुड़े विषयों पर गहन चर्चा की

*मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से उनके निवास पर शिष्टाचार भेंट की।*

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में राजस्थान आधारभूत संरचना, निवेश, जल प्रबंधन, महिला सशक्तिकरण और जन कल्याण आदि क्षेत्रों में नई ऊँचाईयों की ओर तेजी से अग्रसर है।**

नई दिल्ली/जयपुर, 1 जून। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से उनके निवास पर शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान, मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री से विकास, सुशासन और जनकल्याण से जुड़े विभिन्न विषयों पर गहन चर्चा कर मार्गदर्शन प्राप्त किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि युवा, महिला, किसान एवं अंत्योदय के प्रति प्रधानमंत्री का समर्पण तथा विकसित भारत 2047 के निर्माण के लिए उनका विजन और दृढ़ संकल्प हम सभी के लिए प्रेरणादायी है। वहीं, राजस्थान के लिए प्रधानमंत्री का विशेष स्नेह, आत्मीय जुड़ाव तथा प्रदेश के सर्वांगीण विकास के लिए उनकी प्रतिबद्धता प्रेरणा का स्रोत है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में राजस्थान आधारभूत संरचना, निवेश, जल प्रबंधन, महिला सशक्तिकरण और जनकल्याण सहित विभिन्न क्षेत्रों में नई ऊंचाइयों की ओर तेजी से अग्रसर है।

उनका मार्गदर्शन एवं सहयोग विकसित राजस्थान के संकल्प को निरंतर शक्ति प्रदान करता है।

# जल जीवन मिशन के एक आरोपी को सशर्त जमानत

- **हाई कोर्ट ने अरूण श्रीवास्तव को स्वास्थ्य कारणों से जमानत दी व चार आरोपियों की याचिका को खारिज किया।**

जयपुर, 1 जून। राजस्थान हाईकोर्ट ने जल जीवन मिशन के टेंडरों से जुड़े करोड़ों रुपए के घोटाले के मामले में न्यायिक अभिरक्षा में चल रहे चार आरोपियों की जमानत याचिकाओं को खारिज कर दिया है। वही, अदालत ने एक आरोपी अरुण श्रीवास्तव को स्वास्थ्य कारणों के आधार पर सशर्त जमानत पर रिहा करने को कहा है। जस्टिस रवि चिरानिया की एकलपीठ ने यह आदेश राजस्थान वाटर सप्लाई एंड सीवरेज मैनेजमेंट बोर्ड के तत्कालीन सचिव शुभांशु दीक्षित, तत्कालीन अधीक्षण अभियंता निरिल कुमार तत्कालीन मुख्य लेखाधिकारी एवं वित्तीय सलाहकार सुशील शर्मा तथा तत्कालीन मुख्य अभियंता स्पेशल प्रोजेक्ट्स दिनेश गोयल की जमानत याचिकाओं पर दिए। अदालत ने 27 मई को सभी पक्षों की बहस सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

अदालत ने कहा कि संबंधित अधिकारी टेंडर प्रक्रिया से जुड़ी विभिन्न महत्वपूर्ण समितियों के सदस्य थे और पूरी प्रक्रिया में उनकी भूमिका रही है। निविदाओं के संबंध में गंभीर शिकायतें मिलने के बावजूद प्रक्रिया को जानबूझकर आगे बढ़ाया गया, जिससे प्रथम दृष्टया गंभीर वित्तीय अनियमितताओं के आरोप प्रमाणित होते हैं। एसीबी की ओर से सात टेंडरों की जांच कर अदालत में करीब 16 हजार प्रष्ठों का आरोप पत्र पेश किया है, जबकि कुल 104 टेंडरों की जांच होनी है। ऐसे में जांच के इस चरण पर आरोपियों को जमानत देना न्यायोचित नहीं होगा।

वहीं, अदालत ने मामले के सह आरोपी तत्कालीन चीफ इंजीनियर अरुण श्रीवास्तव को मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए स्वास्थ्य के आधार पर सशर्त जमानत प्रदान की है। अदालत ने आदेश दिया है कि वह जांच में पूरा सहयोग करेगा, साक्ष्यों से किसी प्रकार की छेड़छाड़ नहीं करेगा, अपना पासपोर्ट जांच अधिकारी को सौंपेगा तथा ट्रायल कोर्ट की पूर्व अनुमति के बिना देश से बाहर नहीं जाएगा। अदालत ने स्पष्ट किया कि उसकी आयु 58 वर्ष से अधिक है और वह लंबे समय से गंभीर हृदय रोग से पीड़ित है।

# ईडी ने 145 करोड़ रु. के गबन में कोटक महिन्द्रा बैंक के अधिकारी को गिरफ्तार किया

## पंचकुला की विशेष अदालत ने सहायक उपाध्यक्ष पुष्पेन्द्र सिंह को 9 दिन की ईडी कस्टडी में भेजा

- **ईडी की जांच में सामने आया कि पुष्पेन्द्र दो अन्य के साथ मिल कर फर्जी दस्तावेज के आधार पर नगर निगम के नाम के दो बैंक खाते खोले।**

नई दिल्ली, 01 जून । प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कोटक महिंद्रा बैंक धोखाधड़ी मामले में बैंक के सहायक उपाध्यक्ष पुष्पेन्द्र सिंह को गिरफ्तार किया है। ईडी के चंडीगढ़ ज़ोनल कार्यालय ने 1 जून को उसे धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 की धारा 19(1) के तहत गिरफ्तार किया। विशेष पीएमएलए अदालत, पंचकूला ने सिंह को नौ दिन की ईडी कस्टडी में भेजा है, जो 9 जून तक रहेगी। जांच की शुरुआत एसीबी, पंचकूला द्वारा दर्ज एफआईआर से हुई थी। इसमें कोटक महिंद्रा बैंक के अज्ञात अधिकारियों पर नगर निगम पंचकूला के 145 करोड़ रुपये गबन करने का आरोप लगाया गया था।

ईडी की जांच में सामने आया कि नगर निगम अधिकारियों, बैंक अधिकारियों और निजी व्यक्तियों ने मिलकर सरकारी धन की हेराफेरी की। दिलीप कुमार राघव (कस्टमर रिलेशनशिप मैनेजर) ने पुष्पेन्द्र सिंह और विकास कौशिक (पूर्व वरिष्ठ लेखा अधिकारी, नगर निगम पंचकूला) के साथ मिलकर फर्जी दस्तावेजों के आधार पर नगर निगम के नाम से दो बैंक खाते खोले। इन खातों से धन को फर्जी प्राधिकरण पत्रों के जरिए इन अवैध खातों में स्थानांतरित किया गया। बाद में यह रकम राजत दहरा, स्वाति तोमर, कपिल कुमार और विनोद कुमार जैसे फाइनेंसर्स को भेजी गई। जांच में पाया गया कि ये सभी फाइनेंसर्स पुष्पेन्द्र सिंह के निर्देशों पर काम कर रहे थे।

ईडी ने बताया कि इन फाइनेंसर्स द्वारा प्राप्त धन को वापस पुष्पेन्द्र सिंह और उसकी पत्नी प्रीति ठाकुर के पास भेजा गया। इसके अलावा, रकम को रियल एस्टेट कंपनियों और अन्य निजी व्यक्तियों को भी ट्रांसफर किया गया। ईडी ने कहा कि मामले में आगे की जांच जारी है।

## ओमान से ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

हालांकि, ओमान इस मामले में अपवाद रहा। ओमान से भारत का आयात 246.4 प्रतिशत बढ़कर, 43 करोड़ डॉलर से लगभग 1.5 अरब डॉलर पहुंच गया। इसका मुख्य कारण कच्चे तेल और यूरिया की खरीद में वृद्धि रही। वहीं, ओमान को भारत का निर्यात केवल 10.3 प्रतिशत ही घटा। उन्होंने कहा, "इस अनुभव से साबित होता है कि जब होर्मुज़ स्ट्रेट जोखिमपूर्ण या अत्यधिक व्यस्त हो जाता है, तब ओमान भारत के लिए व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति का एक भरोसेमंद वैकल्पिक मार्ग बन सकता है।" हालांकि भारत के 80 प्रतिशत से अधिक निर्यात पहले से ही ओमान में औसतन 5 प्रतिशत के कम शुल्क पर प्रवेश पा रहे थे, लेकिन कुछ उत्पादों पर शुल्क 100 प्रतिशत तक पहुंच जाता था। श्रीवास्तव ने कहा, "इन शुल्कों के समाप्त होने से ओमान के बाजार में भारतीय उत्पादों की प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार होने की उम्मीद है। हालांकि ओमान की अपेक्षाकृत छोटी आबादी और सीमित बाजार के कारण निर्यात में वृद्धि की गति पर कुछ हद तक अंकुश लगना स्वाभाविक है। ओमान की आबादी लगभग 55 लाख है और उसका सकल घरेलू उत्पाद (जी. डी. पी.) लगभग 110 अरब डॉलर है।

## सात नई ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

मानकों, समय-सीमा, यातायात अनुमानों, वित्तीय मॉडलों तथा संबंधित विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई है।

दिल्ली-आगरा हाई स्पीड रेल लाइन के संबंध में, मथुरा के लिए राया शहरी केन्द्र के निकट इटौली गांव के पास तथा आगरा में (एतमादपुर मदरा के निकट) स्टेशन की जगह तय कर ली गई है।

नेशनल हाई स्पीड रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) के अधिकारियों ने बताया, "भूमि की पहचान की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और स्टेशनों के आसपास एकीकृत टाउनशिप विकास के लिए उत्तर प्रदेश सरकार के साथ चर्चा जारी है।" बताया जाता है कि निगम ने 2021 की मूल डी.पी.आर. को अपडेट करने का काम पूरा कर लिया है, जिसमें अपडेटेड सर्वेक्षण, लागत ओर अलाइनमैंट शामिल किए गए हैं।

पिछले कई दशकों में अनेक हाई स्पीड रेल परियोजनाओं की घोषणा की गई थी। वर्ष 2007-08 के रेल बजट में कुल 2548 किलोमीटर लंबाई वाली पांच हाई स्पीड रेल परियोजनाओं की घोषणा की गई थी।

अगले वर्ष 991 किलोमीटर लंबा दिल्ली-पटना मार्ग भी इस सूची में शामिल किया गया था। वर्ष 2012-13 के रेल बजट में दिल्ली-जयपुर-अजमेर-जोधपुर मार्ग को जोड़ा गया, जबकि मुंबई-अहमदाबाद लाइन को 2013-14 में शामिल किया गया। हालांकि, मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल परियोजना को छोड़कर अन्य अधिकांश परियोजनाएं लंबे समय से लंबित पड़ी हुई हैं।

# नगेन्द्र नाथ त्रिपाठी भाजपा के राष्ट्रीय संगठक नियुक्त

## भाजपा ने यह नया पद वरिष्ठ नेताओं, कार्यकर्ताओं की समस्या व सुझाव सुनने के लिए बनाया है

- **नगेन्द्र नाथ त्रिपाठी अभी बिहार व झारखंड के संयुक्त क्षेत्रीय संगठन महामंत्री के पद पर कार्य कर रहे थे।**

नई दिल्ली, 01 जून । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने सोमवार को नागेन्द्र नाथ त्रिपाठी को पार्टी का राष्ट्रीय संगठक (वरिष्ठ कार्यकर्ता संपर्क) नियुक्त किया है। यह नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू हो गयी है।

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव एव केन्द्रीय मुख्यालय के प्रभारी अरुण सिंह ने सोमवार को जारी विज्ञप्त में यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि नागेन्द्र नाथ त्रिपाठी को पार्टी का नया राष्ट्रीय संगठक नियुक्त किया गया है। ये नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू होगी। उनका केन्द्र दिल्ली होगा।

भाजपा में यह पद नया है, जिसका सृजन वरिष्ठ नेताओं, कार्यकर्ताओं की समस्या, सुझाव सुनने के लिए किया गया है। इससे पहल वे बिहार एवं झारखंड राज्यों के संयुक्त क्षेत्रीय संगठन महामंत्री के तौर पर कार्य कर रहे थे। इन दो राज्यों के संयुक्त दायित्व से पहले उन्होंने बिहार भाजपा के महामंत्री संगठन के रूप में कार्य किया। बिहार से पहले वे उत्तर प्रदेश भाजपा के प्रदेश महामंत्री संगठन थे।

भाजपा के एक वरिष्ठ पदाधिकारी के मुताबिक, उत्तर प्रदेश के संतकबीर नगर जिले के निवासी नागेन्द्र नाथ त्रिपाठी ने अपने सार्वजनिक जीवन की शुरूआत राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक के रूप में की थी। नगर प्रचारक, जिला प्रचारक और विभाग प्रचारक के रूप में कार्य करने के बाद, उनको अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद में भेज दिया गया था।

इसके बाद उनको उत्तर प्रदेश भाजपा का प्रदेश महामंत्री संगठन बनाया गया था।

## अब भाजपा का ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

गुजरात में कांग्रेस को बड़ा झटका लग सकता है। राज्यसभा में उसका एकमात्र प्रतिनिधित्व भी समाप्त होने की आशंका है, क्योंकि उसके सांसद शक्तिसिंह गोहिल का कार्यकाल 21 जून को समाप्त हो रहा है। पार्टी के पास केवल 12 विधायकों का समर्थन है, जबकि एक सीट जीतने के लिए 46 विधायकों का समर्थन आवश्यक है।

झारखंड में कांग्रेस की उम्मीदें सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) पर टिकी हैं। यहां दो सीटों के लिए चुनाव होना है, जिनमें एक सीट शिबू सोरेन के निधन के बाद रिक्त हुई है। कांग्रेस को उम्मीद है कि झामुमो इनमें से एक सीट उसके लिए छोड़ेगा। चुनाव की अधिसूचना 1 जून को जारी कर दी गई, जिसके साथ चुनाव प्रक्रिया शुरू हो गई है। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 8 जून निर्धारित की गई है।

इस चरण में 24 सीटों पर सांसदों का कार्यकाल पूरा हो रहा है, जिनमें 11 सीटें भाजपा और तीन सीटें उसके सहयोगी दलों के पास हैं।

इसके अलावा, तीन सीटों पर उपचुनाव भी होंगे। इनमें एक सीट पहले सुनेत्रा पवार के पास थी, जिन्होंने बारामती विधानसभा उपचुनाव जीतने के बाद राज्यसभा से इस्तीफा दे दिया था। वहीं, ओडिशा के सांसद देबाशीष सामंत्रे द्वारा बीजेडी छोड़कर भाजपा में शामिल होने के बाद रिक्त हुई सीट पर भी उपचुनाव कराया जाएगा।

भाजपा जल्द ही अपने उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर सकती है।

## नीट पेपर लीक के तीन आरोपी 15 जून तक न्यायिक हिरासत में

- **इस मामले में अब तक 13 आरोपी गिरफ्तार हुए हैं।**

नई दिल्ली, 01 जून । दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट ने नीट पेपर लीक मामले में गिरफ्तार तीन आरोपियों को 15 जून तक की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। तीनों की सीबीआई हिरासत आज खत्म हो रही थी, जिसके बाद उन्हें कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने आरोपियों शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. मनोज शिरुरे और कोचिंग सेंटर डॉ. अभंग प्रभु मेडिकल एकेडमी पुणे में फिजिक्स के टीचर तेजस हर्षदकुमार शाह और मनीषा संजय हवलदार को न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया। इस मामले में अब तक 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

## सुप्रीम ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश तथा वरिष्ठ अधिवक्ता वेंकिटा सुब्रमण्यम मोहन।

## प्रधानमंत्री ने ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

भारतीय सिनेमा के प्रशंसकों के बीच एक विशेष स्थान अर्जित किया। प्रधानमंत्री मोदी ने आज अपने एक्स पोस्ट में कहा कि लोकप्रिय गायिका सुमन कल्याणपुर के निधन से गहरा दु:ख हुआ। उनकी मधुर आवाज और भावपूर्ण गायन ने हमारी सांस्कृतिक दुनिया को समृद्ध किया। अपने गीतों के माध्यम से उन्होंने संगीत प्रेमियों और भारतीय सिनेमा के प्रशंसकों के बीच एक विशेष स्थान बनाया। उनके परिवार और प्रशंसकों के प्रति हमारी गहरी संवेदना।

# हरिद्वार में राजस्थान के श्रद्धालुओं की बस पलटी, महिला की मौत

हरिद्वार, 01 जून। उत्तराखंड की धर्मनगरी हरिद्वार में कोतवाली नगर क्षेत्र में सप्तऋषि चौकी के सामने सोमवार सुबह राजस्थान के श्रद्धालुओं की बस एक डंपर की टक्कर के बाद सड़क पर पलट गई। हादसे में एक महिला श्रद्धालु की मौत हो गई, जबकि 38 लोग घायल हुए हैं। घायलों में महिलाएं, पुरुष और बच्चे शामिल हैं। सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस के अनुसार, राजस्थान के नागौर जिले के श्रद्धालु पूर्णिमा स्नान के बाद तीन बसों में सवार होकर अपने गृह जनपद लौट रहे थे। श्रद्धालु भूपतवाला स्थित घांची धर्मशाला में ठहरे हुए थे। बताया गया कि राजस्थान के श्रद्धालुओं की बस सुबह करीब 7:15 बजे धर्मशाला से निकलकर सर्विस लेन के रास्ते हाईवे पर हरिद्वार की ओर मुड़ रही थी। इसी दौरान कोतवाली नगर क्षेत्र में सप्तऋषि चौकी के सामने श्रीराम पंजाबी ढाबे के पास देहरादून की ओर से तेज गति से आ रहे एक डंपर ने बस के पिछले हिस्से में जोरदार टक्कर मार दी।

## 'प्रक्रिया एक माध्यम है ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

समीर जैन की एकलपीठ ने आदेश दिया है कि, एक माह में आर्बिट्रेटर इस मामले की सुनवाई पूरी करें और उसके 15 दिन के भीतर ही अपना अवॉर्ड भी जारी करे।

उल्लेखनीय है कि अदालत के समक्ष तीनों डिस्कॉम की ओर महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि बार-बार आर्बिट्रेशन में अदालत का दखल देना सही नहीं है। कमर्शियल कोर्ट ने दो बार समयावधि गलत तरीके से बढ़ाई है, दूसरी बार आर्बिट्रेशन का एक्सटेंशन नियमों के विपरीत है, इसमें कोई उचित कारण भी स्पष्ट नहीं है। उन्होंने कहा कि, एचसीएल की ओर से ही अधिवक्ता बार-बार समयावधि बढ़वाते हैं।

दूसरी ओर कंपनी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता आर.एन.माथुर और उनके सहायक अधिवक्ता शैलेश कपूर और लोकेश आत्रे ने अदालत को बताया कि, अभी तक आर्बिट्रेशन में 162 बार सुनवाई हो चुकी है। उन्होंने कहा कि डिस्कॉम्स के वकीलों को स्पष्ट नहीं था कि उन्हें मामले में कैसे पैरवी करनी है, इसलिए वह बार-बार समय बढ़वाते थे। चूंकि यह मामला 47 जगहों पर 528 करोड़ रुपए के अलग-अलग अनुबंधों को पूर्ण करने का है, इसलिए इसका रिकॉर्ड 50-60 हजार दस्तावेजों व फाइलों, 22 गवाहों के बयानों और पूछताछ से संबंधित है। अगर यह मामला हाईकोर्ट में आता तो 47 अलग-अलग प्रकरण होते, जिनके अलग-अलग ही मुकदमे दायर होते।

राजस्थान हाईकोर्ट ने अपने आदेश में टिप्पणी करते हुए कहा कि "भले ही कोविड के चलते पहला एक्सटेंशन (समयावधि बढ़ाना) जायज हो, लेकिन दूसरी बार आर्बिट्रेशन का समय बढ़ाते समय कमर्शियल कोर्ट ने कोई वाजिब कारण नहीं बताया। अदालत ने कहा कि कमर्शियल कोर्ट को यह भी देखना चाहिए था कि, उनके द्वारा पूर्व में दिए गए आदेश की भी ढंग से पालना नहीं हुई।

अदालत ने यह भी टिप्पणी कि आर्बिट्रेटर (मध्यस्थता कर रहे रिटायर्ड जज) प्रकरण की हर दिन अथवा सप्ताह में सुनवाई करते, लेकिन उन्होंने अपनी सुनवाई की तारीखों में 1 से 5 माह तक अंतराल रखा। आर्बिट्रेटर की लेटतीफी और ढुलमुल रवैये के कारण आर्बिट्रेशन का उद्देश्य ही समाप्त हो गया।" इसे देखते हुए अदालत ने आर्बिट्रेशन फीस के अतिरिक्त 10 प्रतिशत खर्च को घटाकर 5 फीसदी किया है। साथ ही कहा है कि बचे हुए पैसे दोनों पक्षों को अवार्ड पारित करने के बाद वापस लौटाए जाए।

# जो कांग्रेस के साथ मजबूती से खड़ा होगा, उसे भविष्य में अच्छी पोस्ट मिलेगी: राहुल गांधी

## पुष्कर में प्रशिक्षण शिविर में उन्होंने स्पष्ट संदेश दिया कि टिकट बाँटने में जिलाध्यक्षों की भागीदारी होगी

- **कांग्रेस महासचिव सचिन पायलट ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि अलग-अलग राज्यों में चिन्तन शिविर आयोजित किए जा रहे हैं।**

**-कार्यालय संवाददाता-**

जयपुर/पुष्कर । कांग्रेस नेता एवं लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी सोमवार को अजमेर के निकट पुष्कर में आयोजित नवनियुक्त जिलाध्यक्षों के प्रशिक्षण शिविर के समापन सत्र में पहुंचे। किशनगढ़ एयरपोर्ट पर उनकी अगवानी और स्वागत कांग्रेस महासचिव एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट, विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा, राजस्थान प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा और पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने की। बताया जा रहा है कि चिंतन शिविर में सोमवार को कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के भी आने का कार्यक्रम था, परंतु किसी कारण से उनका कार्यक्रम रद्द हो गया।

पुष्कर के निकट तिलोरा स्थित रिसॉर्ट में राजस्थान के 50 और दिल्ली के 15 जिलाध्यक्षों के इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने साफ कहा कि आगामी चुनावों में टिकट बांटने में जिलाध्यक्षों की भागीदारी अहम होगी। जो कांग्रेस के साथ मजबूती से खड़ा रहेगा। उसे भविष्य में अच्छी पोस्ट मिलेगी।

उन्होंने राजस्थान में कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली की जोड़ी को "जय-वीरू" की जोड़ी जैसी बताते हुए तारीफ की। उन्होंने कहा कि यह जोड़ी लंबी चलेगी।

*लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पुष्कर में नवनियुक्त जिलाध्यक्षों के प्रशिक्षण शिविर के समापन सत्र में पहुंचे। इस दौरान कांग्रेस महासचिव सचिन पायलट व नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने किशनगढ़ एयरपोर्ट पर उनका स्वागत किया।*

बताया जा रहा है कि राहुल गांधी ने अपनी बात कहने के साथ ही सभी जिलाध्यक्षों की बात सुनी और उनके प्रश्नों का जवाब भी दिया। जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत करने पर चर्चा हुई। ताइक्वांडो के सैशन में उन्होंने बॉक्सिंग का उदाहरण देते हुए भी जिलाध्यक्षों से कहा कि सभी को पॉलिटिक्स में भी डिफेंड करना बहुत जरूरी है।

चिंतन शिविर के बाद कांग्रेस महासचिव एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने मीडिया से बात की। उन्होंने कहा कि अलग-अलग राज्यों में चिंतन शिविर आयोजित किए जा रहे है। राहुल गांधी की सोच है कि जिलाध्यक्षों को एक नए रूप में देखा जाए। आने वाले दिनों में पार्टी को कैसे और ज्यादा मजबूत किया जाए। किन राज्यों, क्षेत्रों में हम और मजबूत हो सकते हैं, नए लोगों को जोड़ा जाए, ऐसे तमाम मुद्दों पर आज चर्चा की गई। इस तरीके के शिविर से पार्टी के कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा मिलती है। शिविर में आज सार्थक और खुले दिल से चर्चा हुई है।

उधर नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने राहुल गांधी द्वारा की गई तारीफ पर आभार जताया। उन्होंने कहा कि "राहुल गांधी का यह प्रोत्साहन हमारे लिए बेहद गौरवपूर्ण है। राजस्थान में संगठन और विधायक दल पूरी एकजुटता के साथ जनता की आवाज उठा रहे हैं। जूली ने बताया कि इस 10 दिवसीय शिविर के दौरान अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव सचिन राव सहित पार्टी के कई वरिष्ठ राष्ट्रीय एवं प्रादेशिक नेताओं ने नवनियुक्त जिला अध्यक्षों को बेहद महत्वपूर्ण सांगठन सम्बन्धी ट्रेनिंग दी। शिविर में मुख्य रूप से गांधीवादी विचारधारा, कांग्रेस की मूल नीतियां, ऐतिहासिक कार्यक्रम और सिद्धांतों को जमीनी स्तर पर मजबूत करने की रणनीतियों पर विस्तार से मंथन हुआ।

## टीएमसी महासचिव अभिषेक ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

दस्तावेज़ पर किये गये हस्ताक्षर उनके नहीं हैं। राज्य सीआईडी ने जब दो अन्य विधायकों से पूछताछ की तो उन्होंने भी अपने हस्ताक्षर होने से इनकार किया है।

शिकायत करने वाले दोनों विधायकों को बाद में पार्टी से निष्कासित कर दिया गया।

राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि पार्टी के लगभग 30 नवनिर्वाचित विधायकों ने दक्षिण कोलकाता के विवांता होटल में पार्टी नेतृत्व की अवहेलना करते हुए एक बैठक की। अब पार्टी के विधायी दल की फूट पूरी तरह से सामने आ गई है, क्योंकि दो विधायकों ने सीधे विधानसभा अध्यक्ष के पास जाकर आरोप लगाया है कि पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने पार्टी विधायकों के जाली हस्ताक्षर बनाए हैं। अब तक तीन विधायक कह चुके हैं कि उनके हस्ताक्षर जाली बनाए गए और उन्होंने उस पत्र पर हस्ताक्षर नहीं किए थे। उनके बयान सीआईडी द्वारा वीडियो रिकॉर्डिंग में दर्ज किए जा चुके हैं। यदि जालसाजी का आरोप साबित हो जाता है, तो यह एक संज्ञेय और गैर-जमानती अपराध होगा, जिसमें सात वर्ष तक की सजा हो सकती है। ममता बनर्जी ने हाल ही में चुने गए विधायकों की बैठक अपने घर पर बुलाई थी। लेकिन इस बैठक में केवल लगभग 20 विधायक ही पहुंचे, जबकि 50 से अधिक विधायक नहीं आए। इससे यह संकेत मिल रहा है कि पार्टी के सदस्य धीरे-धीरे पार्टी अध्यक्ष ममता बनर्जी की अवहेलना कर रहे हैं।

राज्य सीआईडी ने जालसाजी मामले में तृणमूल कांग्रेस के महासचिव अभिषेक बनर्जी को पूछताछ के लिए सीआईडी कार्यालय में उपस्थित होने को कहा था। लेकिन उन्होंने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देकर सुबह की पूछताछ में शामिल होने से इनकार कर दिया। बाद में शाम को सीआईडी अधिकारी जांच आगे बढ़ाने के लिए उनके घर पहुंचे। अब कुछ कानूनी विशेषज्ञ सुझाव दे रहे हैं कि नई सरकार को यह भी जांच करनी चाहिए कि पश्चिम बंगाल सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के हस्ताक्षर कितने प्रामाणिक और वास्तविक हैं।

## ब्लूटूथ से ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

पर सुनवाई करते हुए अदालत ने आरोपी को अंतरिम जमानत देने से इनकार कर दिया है। गौरतलब है कि इससे पूर्व तुलछाराम के भतीजे पोरव कालेर ने भी समान बिंदुओं पर अंतरिम जमानत मांगी थी, लेकिन अदालत ने उसे भी अंतरिम जमानत नही दी थी।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908